- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम - 12

- सोने की चमक बरकरार इस साल दिया 67 प्रतिशत रिटर्न - 12

- बेनिन में सैनिक विद्रोह तख्तापलट की भी कोशिश लेकिन विफल रहे - 13

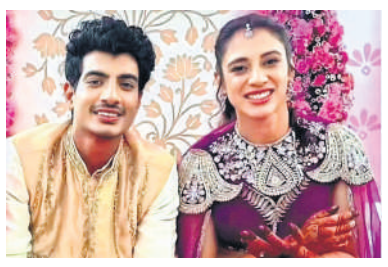

- स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की - 14

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.52

सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी 04:03 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 8 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 14, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री आज वंदे मातरम् पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद

- राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना
- 150वीं वर्षगांठ पर बहस के लिए 10 घंटे का समय किया गया निर्धारित

में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी।

एनसीएमसी कार्ड एक, यात्रियों को फायदे अनेक

- एनसीएमसी कार्ड में अयोध्या और काशीधाम दिखेगा
- ओपेन लूप सिस्टम से जुड़ी सभी प्रणालियों में हो सकेगा उपयोग

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम प्रबंधन का ड्रीम प्रोजेक्ट एनसीएमसी कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जनवरी माह के अंत तक आ जाएगा।

परिवहन निगम प्रबंधन इसकी तैयारी पूरी कर चुका है। इस कार्ड का यात्री न केवल रोडवेज बसों में बल्कि मेट्रो व नगर बसों में भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। सिर्फ

यूपी ही नहीं देश में जहां भी ओपेन लूप प्रणाली से सार्वजनिक परिवहन जुड़ा है, यह कार्ड वहां भी काम करेगा। कार्ड का प्रारूप आ गया है। एसबीआई की मदद से यह कार्ड विभिन्न सेवाओं में 'रन' करेगा। कार्ड में अयोध्या के राममंदिर और बाबा काशी विश्वनाथ के मंदिरों की झलक दिखाई देगी।

कार्ड उपलब्ध कराएगा ये सहूलियतें

जिस सिस्टम पर चल रही होगी ओपेन लूप प्रणाली सभी में इस कार्ड का उपयोग हो सकेगा। इसके जरिए यात्री रोडवेज, नगर बसों, मेट्रो आदि में कैशलेस टिकट प्राप्त कर सफर कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो समेत यूपी और देश के विभिन्न सार्वजनिक परिवहन वाहनों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस कार्ड में यात्री अपनी आवश्यकतानुरूप पैसा भी भरवा सकेगा। अपनी जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी।

रोडवेज बसों में यात्री कर सकेंगे इसका उपयोग

प्रदेश परिवहन निगम के पास अनुबंधित और स्वयं बसों का बेड़ा करीब 13,000 से अधिक है। इन सभी में यात्रा के दौरान इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। टिकट मशीनों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ और गाजियाबाद क्षेत्र में बतौर ट्रायल इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाएगा।

यात्रियों के लिए परिवहन निगम का यह कैशलेस कार्ड काफी लाभप्रद होगा। इसका उपयोग यात्री मेट्रो, नगर बस, रोडवेज समेत तमाम अन्य सेवाओं में कर सकेंगे। खास बात यह है कि देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के जिन प्रांतों में ओपेन लूप सिस्टम लागू है, वहां भी इस कार्ड की उपयोगिता होगी।

-यजुवेंद्र कुमार, प्रधान प्रबंधक, आईटी एवं पीपीपी

परिवहन निगम प्रबंधन इस कार्ड को अंतिम रूप दे चुका है। प्रदेश सरकार जनवरी माह से यह तोहफा यात्रियों को उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा जा रहा है। इस एक कार्ड से यात्री अनेक फायदे ले सकेंगे।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री उप्र.

ब्रीफ न्यूज

बाला जी मंदिर में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सद्भावनानगर की फ्लोरिडोल कॉलोनी में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में रविवार को तड़के चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर ले गया। चोरों ने बालाजी की प्रतिमा से करीब सवा किलो चांदी के दो छत्रों को उखाड़ लिया। इसके अलावा मंदिर के अंदर कार्यालय में रखी लोहे की अलमारी को तोड़कर करीब नौ तोले सोने का एक हार, सोने का एक छत्र, चांदी के विभिन्न आकारों के कई छत्र, कुछ नकदी और बालाजी के दरबार में रखे दान-पात्र से चढ़ावा राशि चुरा ली। कुल मिलाकर इस चोरी का अनुमानित मूल्य 20 से 25 लाख बताया जा रहा है।

डोडा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के घने जंगल में रविवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने थाथरी के भल्लारा वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जंगल के अंदर एक ठिकाने से एक राइफल, उसकी दो मैगजीन और 20 राउंड बरामद किए गए।

गोवा के नाइट क्लब में आग, पांच पर्यटकों समेत 25 जिंदा जले

डांस फ्लोर पर चल रहे थे इलेक्ट्रिक पटाखे, मृतकों में 2 उत्तर प्रदेश के निवासी

- डांस फ्लोर पर थे 100 से ज्यादा पर्यटक मरने वालों में 20 क्लब के कर्मचारी
- क्लब के महाप्रबंधक समेत चार गिरफ्तार सीएम ने गठित की जांच कमेटी

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार आधी रात के बाद अचानक लगी आग से 25 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में 5 पर्यटक और 20 क्लब के कर्मचारी हैं। छह लोगों की हालत नाजुक है। घटना उस समय हुई जब नाइट क्लब पर्यटकों से भरा हुआ था और डांस फ्लोर पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

सूची के अनुसार आग में मारे गए पांच पर्यटकों में से चार दिल्ली के थे, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। पांचवां पर्यटक कर्नाटक का था। मृतकों में से 20 नाइटक्लब के कर्मचारी थे, जिनमें उत्तराखंड के पांच, नेपाल के चार, झारखंड और असम के तीन-तीन, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के दो-दो और पश्चिम बंगाल का एक व्यक्ति शामिल है। उत्तराखंड के मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमित

उत्तरी गोवा जिले में नाइट क्लब में जले हुए अवशेष मिले, जहां शनिवार आधीरात के बाद आग लग गई थी।

नेगी और मनीष सिंह के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के रोहन सिंह और सुनील कुमार भी शामिल हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और डीजीपी आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के लिए समिति गठित की है। ये समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी।

यह नाइट क्लब राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर अरपोरा में स्थित है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल हैं। इसी बीच सीएम ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग क्लब की पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण ग्राहक बाहर नहीं निकल सके।

राष्ट्रपति- प्रधानमंत्री ने अग्निकांड पर शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पांच लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

प्रसाद में मिली अंगूठी तो श्रीकृष्ण की मूर्ति से की शादी

संवाददाता, इस्लामनगर(बदायूं)

अमृत विचार : बदायूं का इस्लामनगर शनिवार रात एक अनोखे विवाह का गवाह बना। यहां एक युवती ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ सात फेरे लिए और वरमाला भी पहनाई। ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार सुबह विदाई हुई। युवती उसी गांव निवासी बहनोई के घर चली गई। परिजनों ने बताया वृंदावन में दर्शन के दौरान सोने की अंगूठी मिलने पर युवती ने कान्हा से शादी करने का संकल्प लिया था। वहीं पिंकी शर्मा आने वाले दिनों में वृंदावन जाकर श्रीकृष्ण की सेवा में अपना जीवन बिताना चाहती है।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्यौर कासिमाबाद निवासी पोस्ट ग्रेजुएट पिंकी शर्मा (28) ने शनिवार रात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ हिन्दू रीति- रिवाज से विवाह किया। घर को सजाया गया था। युवती का बहनोई पक्ष बराती बना। सौ बराती कान्हा की मूर्ति के साथ आए। जिसके बाद गांव के प्राथमिक विद्यालय में मंडप में सात फेरे हुए। हवन-पूजन, मंत्र उच्चारण और विधि-विधान के साथ पिंकी शर्मा ने कान्हा की मूर्ति को वरमाला पहनाई। विवाह के दौरान दावत हुई। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार को पिंकी शर्मा की विदाई हुई।

श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ पिंकी।

वह कान्हा की मूर्ति लेकर बहनोई के घर चली गईं। जहां द्वार पूजा हुई। पिंकी शर्मा ने कहा कि उन्हें कान्हा से बचपन से ही गहरा लगाव है। वह एक साल पहले दर्शन करने के लिए वृंदावन गई थीं। जहां प्रसाद के रूप में सोने की अंगूठी मिली, जो शुभ संकेत है। जिसे कान्हा का आशीर्वाद मानकर उनके साथ विवाह का संकल्प लिया। इसके अलावा कई दिनों से उन्हें सपना आ रहा था। कान्हा ने सपने में दो बार उन्हें वरमाला पहनाई थी। जब समाज और रिश्तेदार उन पर शादी करने का दबाव बना रहे थे तो उन्होंने किसी युवक की बजाय कान्हा से ही शादी करने का निर्णय लिया था। इसलिए कान्हा को अपना जीवनसाथी बना लिया है।

गले में फंसी टॉफी, दम घुटने से ढाई साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नहटौर क्षेत्र के ग्राम चक गोवर्धन में गले में टॉफी फंसने से ढाई साल के बच्चे की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। गांव के शमशाद का पुत्र शाफैज शनिवार दोपहर घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने टॉफी खा ली, जो गले में फंस गई। उस वक्त वहां कोई परिजन नहीं था। सांस रुकने से वह छटपटाते हुए बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे के गिरने की आवाज पर परिजन उसे सीएचसी नहटौर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिंदगी की आस में परिजन उसे धामपुर के एक निजी अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी डॉक्टर ने निराशा जाहिर कर दी। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शमशाद ने बताया कि घर पर काफी कोशिश के बाद भी टॉफी नहीं निकाली जा सकी तो अस्पताल ले गए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष कुमार आर्य ने अभिभावकों से अपील की कि छोटे बच्चों को सख्त टॉफी, पॉपकॉर्न, च्यूइंग गम, मूंगफली, अंगूर तथा छोटे आकार वाले खाद्य पदार्थ बिना निगरानी के न दें।

मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे को उठा ले गया भेड़िया

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थाना क्षेत्र में स्थित गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक बजे घर में घुसकर भेड़िया मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे सुभाष को उठा ले गया। वनविभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सर्च अभियान चला रहीं हैं।

परिवार और ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है। वहीं बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ राम प्रकाश यादव का कहना है कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीमें सर्च अभियान चला रही हैं पर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। बता दें कि वन्यजीवों के हमले में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है और 32 लोग घायल हुए हैं।

रविवार को1650 पहुंची इंडिगो की उड़ानें

- तेजी से सामान्य हो रहे हालात इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड पूरा किया

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने बताया कि विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है

और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार को उड़ानों की संख्या 1,650 तक पहुंच गयी।

इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का गठन किया

मुंबई। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा लाभ का दायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी होंगे लाभान्वित

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विद्युत बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ का दायरा और बढ़ा दिया गया है। ऐसे में अब 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी लाभान्वित होंगे। अधिकतम लोगों को राहत देने के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह संवेदनशीलता दिखाई है।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, फिर भी उनका काफी बकाया शेष है।

वन्यजीव | जंगल में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है

पर्यटकों को खूब भा रहे दुधवा-पीटीआर, हो रही बाघों की साइटिंग

संवाददाता, लखीमपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क और पीटीआर का नया पर्यटन सीजन शुरू होते ही बाघ प्रेमियों की किस्मत खूब चमक रही है। दुधवा पार्क के जंगल के हर कोने में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बल्कि खूबसूरत और ताकतवर बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है।

अब तक दर्जनों बार दिखा बाघ : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, इस सीजन में अब तक दर्जनों बार बाघों, तेंदुओं और गैंडे जैसे

दुधवा पार्क की दक्षिण सोनारीपुर रेंज में दिखे बाघ।

दुर्लभ वन्यजीवों की साइटिंग हो चुकी है। वनकर्मी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पर्यटकों को रोमांचक अनुभव के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा भरोसा मिल सके। दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए यह बाघ दर्शन किसी जंगल सफारी बोनस से कम नहीं था। नजदीक से देखे गए इस शेर-ए-दुधवा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे पर्यटकों में दुधवा घूमने का उत्साह और बढ़ गया है।

पीटीआर में शावकों संग अठखेलियां करती दिखी बाघिन

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रकृति को करीब से निहारने एवं बाघों के दीदार करने के लिए सैलानी पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम शावकों के साथ अठखेलिया करती बाघिन के दीदार होने पर सैलानी खासे उत्साहित दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 1 नवंबर से शुरू किया गया था। बीते माह में 4500 से अधिक सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे थे। वहीं 30 दिन के अंदर 70 से अधिक विदेशी सैलानियों ने भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दी थी। रविवार को दिनभर में 300 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सैलानियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

न्यूज ब्रीफ

वृद्ध को नशा देकर रुपये उड़ाने वाला पकड़ा

बरखेड़ा, अमृत विचार : बुजुर्ग को नशा देकर उसकी रकम उड़ाने वाले को पुलिस ने धर दबोचा। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया क्षेत्र के ग्राम परेवा अनूप निवासी उमाचरन ने बीते दिनों रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था उसके पिता जवाहरलाल 3अक्टूबर को पेंशन के रुपये निकालने के लिए बैंक गए थे।वहां पर किसी ने केले या लस्सी में नशीला पदार्थ देकर 38 हजार रुपये उड़ा लिए थे। अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में आरोपी ग्राम कासिमपुर निवासी महेंद्र को आरा मशीन के पास देशी शराब की दुकान के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कार चालक पर एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम बिचपुरी निवासी दिनेश कुमार की पत्नी किरन देवी ने बताया 12 नवंबर की शाम 6 :30 बजे उसके पति दिनेश कुमार काम निपटाकर ग्राम टिकरी से बाइक से घर आ रहे थे। इसी दौरान कार चालक ने नियंत्रण खोते हुए उन्हें टक्कर मार दी, वह गंभीर रुप से घायल हो गए थे। उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पर उनका इलाज चला।पुलिस ने मामले में कार चालक ग्राम मोहम्मदपुर भजा निवासी गुड्डू कोहली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जेठ समेत चार के खिलाफ मुकदमा

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परेवा निवासी रामबेटी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 दिसंबर की शाम 4 बजे उसके जेठ सर्वेश कुमार, देवर बबलू, कमलेश, रामू ने आकर गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हमला कर मारपीट की गई। शोर पर आसपास के लोगों के जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

किरायेदार रजिस्ट्री, 90 प्रतिशत घटा शुल्क

विभाग को आय बढ़ने की उम्मीद, किया जा रहा प्रचार-प्रसार, अब तक लगते थे 10 हजार, अब एक हजार में होगा एग्रीमेंट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : किरायेदारी विवादों पर लगाम लगाने और किरायेदार–मालिक संबंधों को पारदर्शी बनाने के लिए बड़ी राहत मिली है। किरायेदारी अनुबंधों में लगने वाले स्टांप और निबंधन शुल्क को 90 प्रतिशत घटाते हुए सिर्फ 10 फीसदी तय कर दिया है। इससे न सिर्फ किरायेदार और भवन स्वामियों को राहत दी है, बल्कि विभाग को भी पंजीकरण और राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की उम्मीद है। पहले जहां चार प्रतिशत तक का शुल्क लोगों को अनुबंध पंजीकृत कराने से रोक रहा था, वहीं अब महज एक हजार रुपये में एग्रीमेंट दर्ज हो सकेगा।

शासन ने किरायेदारी रजिस्ट्री पर शुल्क घटा दिया है। इससे लोग अब आसानी से किराया नामा कम शुल्क में बनवा सकते है। इसके लिए लोगों को किरायेदारी के लिए अनुबंध कराने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सरकार ने फीस इतनी कम कर दी है कि अब किसी को अनुबंध कराने में दिक्कत नहीं होना चाहिए। जो लोग अनुबंध नहीं कराएंगे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।
– **सतीश कुमार त्रिपाठी**, एआईजी स्टांप, उपनिबंधन विभाग

बदला हुआ स्टांप एवं निबंधन शुल्क (2025 के अनुसार)

एक वर्ष तक के अनुबंध

वार्षिक किराया	पुराना शुल्क	नया शुल्क	कमी
2 लाख तक	10,000	1,000	9,000
2 से 6 लाख तक	30,000	3,000	27,000
6 से 10 लाख तक	50,000	5,000	45,000

पांच वर्ष तक के अनुबंध

वार्षिक किराया	पुराना शुल्क	नया शुल्क	कमी
2 लाख तक	30,000	3,000	27,000
2 से 6 लाख तक	90,000	9,000	81,000
6 से 10 लाख तक	1,50,000	12,000	1,38,000

अभी होते हैं हर महीने 15, बदलाव से पंजीकृत होंगे 50 अनुबंध

आईजी स्टांप सतीश त्रिपाठी ने बताया कि ये फैसला अच्छा है। इससे अधिकांश भवन मालिक और किरायेदार अपने अनुबंध का पंजीकरण कराएंगे। अभी तक पंजीकरण का न कराने का कारण स्टांप शुल्क की राशि को बचाना था। अब स्टांप शुल्क और निबंधन शुल्क की राशि नाममात्र ही रह गई है। जिसके बाद अनुबंध के पंजीकरण की संख्या दस गुना तक ज्यादा हो जाएगी। उसी के मुताबिक स्टांप और निबंधन शुल्क की आय भी बढ़ जाएगी।

बता दें कि पहले एक से पांच वर्ष की अवधि वाले किरायेदारी अनुबंध पर शहर में चार और ग्रामीण क्षेत्रों में दो प्रतिशत तक स्टांप शुल्क देना पड़ता था। यही वजह थी कि अधिकांश लोग पंजीकरण से बचते थे। उनका खर्च अधिक आता था। दो साल से पांच साल तक के अनुबंध पर 24 हजार के स्टांप व छह हजार स्टांप फीस, पांच से 10 साल के अनुबंध पर 32 हजार के स्टांप व आठ हजार रुपये स्टांप फीस देनी पड़ती थी। इस समस्या को देखते हुए किरायानामा अनुबंध फीस में छूट दी गई है। अब सिर्फ 10 फीसदी स्टांप शुल्क पर अनुबंध हो सकेगा। अधिकारियों के अनुसार अब पंजीकरण प्रक्रिया काफी सहज हो जाएगी। पहले जिस अनुबंध पर 10 हजार रुपये तक खर्च आता था, वह अब घटकर केवल एक हजार रुपये है। पांच वर्ष की अवधि वाले अनुबंध पर जहां 30 हजार रुपये तक शुल्क देना पड़ता था, अब सिर्फ तीन हजार में ही पंजीकरण संभव होगा। इसी प्रकार दस वर्ष के अनुबंध पर लगने वाला 40 हजार रुपये शुल्क भी घटकर मात्र चार हजार कर दिया गया है। इसी प्रकार दो से छह लाख तक वार्षिक किराया और छह से दस लाख तक वार्षिक किराया राशि के लिए स्टांप शुल्क की राशि को पूर्व निर्धारित शुल्क से केवल दस प्रतिशत निर्धारित किया गया है। शासन का मानना है कि शुल्क में कमी से पंजीकरण की संख्या में कई गुना वृद्धि होगी। आईजी स्टांप सतीश त्रिपाठी के मुताबिक, अब तक लोग शुल्क बचाने के लिए अनुबंध पंजीकृत कराने से बचते थे, लेकिन नए प्रावधानों के बाद पंजीकरण में 10 गुना बढ़ोतरी होने की संभावना है। वर्तमान में जिले में हर महीने औसतन 70 से 80 किरायेदारी अनुबंध पंजीकृत होते हैं। इस वर्ष अक्टूबर तक कुल 812 पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया शासनादेश जारी हो चुका है और विभाग को भी आय बढ़ने की पूरी उम्मीद है। अधिकारियों का कहना है कि प्रत्येक भवन स्वामी और किरायेदार अब अनिवार्य रूप से अनुबंध बनाएंगे और उसे पंजीकृत भी कराएंगे। इससे न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि किरायेदारी संबंधी विवादों में भी कमी आएगी।

बीएसए ने किया कस्तूरबा गांधी विद्यालय का निरीक्षण

निरीक्षण करने पहुंचीं बीएसए रोशनी सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **छात्राओं की पढ़ाई-लिखाई और भोजन व्यवस्था को किया चेक**

अमृत विचारः बीएसए रोशनी सिंह ने पूरनपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पूरनपुर का निरीक्षण कर शिक्षण समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान छात्राओं की कक्षाएं संचालित मिली। कुल 86 छात्राएं उपस्थित थी। निरीक्षण के दौरान फुल टाइम शिक्षिका वरिसा, संध्या, उर्दू शिक्षिका इरम नाज अवकाश पर मिली।

शनिवार को हुए निरीक्षण के दौरान बीएसए ने कक्षा छह की छात्राओं से ग्रहों के बारे मे सवाल- जवाब किए। इस पर छात्राओं द्वारा उसका सही जवाब दिया गया। कक्षा छह की छात्रा नेहा ने ग्रहों को ब्लैक बोर्ड पर चित्र के माध्यम से दर्शाते हुए जानकारी दी। बीएसए ने उसकी सराहना की। अन्य कक्षाओं मे भी छात्राओ की शैक्षिक गुणवत्ता सतोषजनक पाई गई। बीएसए ने विद्यालय की साफ -सफाई, छात्रावास एवं भोजन की गुणवत्ता भी परखी। छात्राओं के साथ बैठकर भोजन भी किया। जिसमें रोटी, सब्जी, दाल, चावल व रायता बना था। छात्राएं में बीएसए के साथ भोजन कर खुश दिखाई दी।

बीएसए ने वार्डन पूनम कटियार को निर्देशित किया कि छात्राओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके पठन पाठन का विशेष ध्यान रखा जाए। शाम के समय छात्रावास में अध्ययन कराया जाए। रचनात्मक गतिविधियों में छात्राओं की रूचि के अनुसार प्रतिभाग कराने के निर्देश दिए।

ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम में 17 पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **प्राचार्य ने टीम के कार्यों को सराहा, हर शुक्रवार ओपीडी में देखे जा रहे मरीज**

● **ओरल कैंसर भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एक गंभीर स्वास्थ्य मुद्दा**

अमृत विचारः मेडिकल कॉलेज में संचालित हो रहे ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम में अभी तक 17 रोगी पंजीकृत किए गए हैं। प्रत्येक शुक्रवार को ओपीडी में मरीजों को देखा जा रहा है और जांच कर उनको उपचार मुहैया कराने के लिए चिकित्सकों की जिम्मेदारी तय की गई है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम की शुरुआत 29 अक्टूबर से की गई थी। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को ओपीडी संचालित की जा रही है।

इसके तहत अभी तक 17 रोगी पंजीकृत किए गए हैं। तीन की बायोप्सी हो चुकी है। दो की रिपोर्ट लंबित है। इस पहल को सफलतापूर्वक संचालित करने में विभागाध्यक्ष डेंटल यूनिट डॉ. कन्हैया लाल गुप्ता हिस्ट्री टेकिंग क्लीनिकल जांच में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

सीनियर रेजिडेंट कम्युनिटी मेडिसिन डॉ. शोभित सिंह, इसके प्रमोशन, काउंसलिंग एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को ओरल कैंसर की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान को बता रहे हैं।जांच की जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी डॉ. विभूति गोयल दी गई है। बायोप्सी सैंपल निकालने का कार्य डॉ. केएल गुप्ता, डॉ. मानसी सिंह, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. हेमलता सक्सेना कर रहे हैं। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि ओरल कैंसर भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एक गंभीर स्वास्थ्य मुद्दा है। सभी के सहयोग से ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि समय पर निदान, प्रभावी उपचार और जागरूकता के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार लाया जा सके।

बिजली सुधार को राज्यमंत्री ने शासन को भेजे प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **कई जगह नए उपकेंद्र, क्षमता वृद्धि कराने और अंडरग्राउंड केबिल को बताया जरूरी**

● **-बिजली व्यवस्था में सुधार होने पर पर्यटन और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलने उम्मीद**

बिजली व्यवस्था को बेहतर और जनोपयोगी बनाने के लिए कई सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव दिए गए हैं ताकि लोगों को बिजली की सप्लाई बेहतर ढंग से मिल सके। आए दिन होने वाली समस्याओं से छुटकारा मिले। – **संजय सिंह गंगवार**, राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार

अमृत विचारः गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने सदर विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को और मजबूत बनाने के लिए कई प्रस्ताव शासन को दिए हैं। इन प्रस्तावों का उद्देश्य शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर व सुचारू विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

राज्यमंत्री द्वारा भेजे गए प्रस्तावों में मुख्य रुप से शहर के गैस चौराहा स्थित पुराने बिजली घर के पास 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का निर्माण कराना है। इसे लेकर लंबे समय से प्रयास किए जाते रहे हैं। जमीन का भी चिन्हीकरण करने के लिए राज्यमंत्री अधिकारियों के साथ कई जगह देख चुके हैं। वहीं, माधोटांडा क्षेत्र में प्रस्तावित टेंट सिटी के लिए 132 केवी उपकेंद्र की स्थापना को लेकर भी प्रस्ताव शामिल किया है।

बिजली व्यवस्था में सुधार के बाद पर्यटन और स्थानीय विकास को नई दिशा भी मिल सकेगी। इसके अलावा ललौरीखेड़ा में 33/11 केवी स्टेशन, अमरिया उपकेंद्र में पावर परिवर्तन, जहानाबाद क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था में सुधार से जुड़े कई प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं। राज्य मंत्री ने वितरण क्षमता में वृद्धि के लिए कई स्थानों पर परिवर्तन क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव भी दिए हैं। जिसमें जिठनिया गांव में 100 केवीए से 250 केवीए, उदयपुर माफी, हरराार्यपुर, सिरसा, चका परेवा में क्षमता वृद्धि, नगरिया कॉलोनी में 63 केवीए से 100 केवीए, धुधरी कैचूटांडा, फुलैया, वालपुर माफी, मुडलिया गौसू, अमरिया थाना व गोदाम के पास, सरैनु तिर्कुनिया, बगेनरा, तिर्कुनिया नसीर में भी वितरण क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव को शामिल किया है।

राज्यमंत्री ने बिरहेनी पोषक हरदासपुर क्षेत्र, मझोला उपकरण से शुक्ला फार्म तक, उडरा-भरसर क्षेत्र की जर्जर विद्युत लाइनों के शुद्धिकरण का प्रस्ताव भी भेजा है। उनका कहना है कि आए दिन होने वाली विद्युत बाधाओं और दुर्घटनाओं पर रोक लग सकेगी। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अंडरग्राउंड बिजली केबल बिछाने का भी प्रस्ताव दिया है।

दिसंबर में बढ़ा सर्दी का सितम, बढ़ी ठिठुरन, कोहरा दे रहा दस्तक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रविवार को छाया कोहरा। ● अमृत विचार

● **दिनभर बेदम रही धूप, पारा 20 से गिरकर 7 डिग्री पर पहुंचा**

● **कोहरे से हादसे बढ़े, बच्चों-बुजुर्गों को खास सावधानी की सलाह**

अमृत विचार : जिले में मौसम ने अचानक करवट ली , शनिवार देर रात से छाए घने कोहरे ने रविवार की सुबह पूरी तरह ढक ली। देर तक चली धुंध और हल्की धूप ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। तापमान के तेजी से लुढ़कने और कोहरे की मोटी चादर के कारण सड़क पर हादसे का कारण भी बनी। दिन भर कोहरे की धुंध छाई रही।

जिले में नवंबर बीतने के बाद अब ठंड ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह में सितम ढाहना शुरु कर दिया है। शनिवार शाम को अचानक सर्दी बढ़ गई। साथ ही कोहरा ने भी दस्तक दी। जिसका असर रविवार सुबह तक देखने का मिला। कोहरे में दृश्यता बेहद कम होने से हादसे का डर बना है। सुबह 11 बजे के बाद सूर्य ने दर्शन दिए। धूप की रमक हल्की रही और ठंड का असर पूरे दिन बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र सिंह ढाका ने बताया कि अगले कई दिनों तक सुबह-शाम कोहरा छाया रहेगा और तापमान में और गिरावट आ सकती है। 20 दिसंबर के बाद ठंड अपने चरम पर पहुंच जाएगी। बदलते मौसम के बीच स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

देवीपुरा गोशाला में संकीर्तन और उदघाटन नौ को

पीलीभीत, अमृत विचारः गौर धाम परिवार की ओर से गोसेवा करते हुए देवीपुरा गोशाला में टिनशेड बनवाया। इसका उद्घाटन नौ दिसंबर को किया जाएगा।जिसमें गौर धाम परिवार के लोग जुटेंगे और संकीर्तन भी किया जाएगा। बता दें कि शहर से करीब पांच किमी की दूरी पर स्थित देवीपुरा गोशाला में गौर धाम परिवार की ओर से पूर्व में भी गोसेवा को लेकर कदम उठाए जा चुके हैं। इसी क्रम में एक नए टिनशेड का निर्माण कराया गया है। जिसका अब उद्घाटन किया जाएगा। गौर धाम परिवार के दीपू अग्रवाल ने बताया कि नौ दिसंबर को उदघाटन किया जाएगा। गोपूजन कार्यक्रम सुबह 10 बजे होगा। इसके बाद संकीर्तन और दोपहर एक बजे आरती की जाएगी।

बा स्कूलों में पढ़ाई के साथ करियर कोर्स

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **नौ कस्तूरबा विद्यालयों की एक हजार से अधिक छात्राओं को मिलेगा कैरियर गाइडेंस**

● **शॉर्ट टर्म कोर्स व दूरस्थ शिक्षा से खुलेंगे बेटियों के लिए रोजगार के नए अवसर**

अमृत विचार : जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली बेटियों के लिए नई उम्मीदों का आसमान तैयार किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग अब इन छात्राओं को डॉक्टर, इंजीनियर और सीए जैसे प्रतिष्ठित कैरियर के साथ ब्यूटीशियन और एयर होस्टेस जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों की राह दिखाने जा रहा है। इस तरह की नई पहल से इन कमजोर आय वाले परिवारों की बेटियों को न सिर्फ दिशा मिलेगी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने के तमाम अवसर भी बढ़ेंगे।

जिले के नौ कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत एक हजार से अधिक छात्राओं को अब उच्च करियर की राह में नया सहारा मिलेगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शुरू की जा रही इस नई पहल के तहत छात्राओं को पेशेवर कोर्स, प्रवेश प्रक्रिया, फीस संरचना और करियर संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एयर होस्टेस और ब्यूटीशियन जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आवश्यक तैयारी पर भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन दिया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने बताया कि सभी विद्यालयों में करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही शार्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू कराए जाएंगे, ताकि छात्राएं रुचि के मुताबिक प्रशिक्षण पाकर जल्दी से रोजगार या स्वरोजगार हासिल कर सकें। शासन से संबंधित पत्र जारी हो चुका है और जल्द ही कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। विद्यालयों को करियर संबंधी पंपलेट और विस्तृत सामग्री भेजी जाएगी। इसमें विभिन्न ट्रेड, उनसे जुड़े कोर्स, फीस, उपलब्ध छात्रवृत्तियों और औसत वेतन जैसे महत्वपूर्ण विवरण शामिल होंगे। सरकार की यह योजना खास तौर पर बा स्कूल की बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

आसाराम केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में आज

शाहजहांपुर,अमृत विचारः दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हो सकती है।

यह सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पीड़िता पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आसाराम को बीमारी के आधार पर दी गई राहत को चुनौती देते हुए जमानत रद्द करने की मांग की है। 28 अक्टूबर को कोर्ट ने चिकित्सकीय आधार पर आसाराम को अंतरिम जमानत दी थी, जिसके बाद से राहत अवधि बढ़ती चली गई। आज सुनवाई में कोर्ट यह देखेगा कि जमानत जारी रखी जाए या उसे समाप्त किया जाए। दोनों पक्षों की दलीलों के चलते सुनवाई का रुख आज काफी अहम माना जा रहा है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे 12 लाख, रिपोर्ट

संवाददाता, पीलीभीत

● **न्यूरिया क्षेत्र के रहने वाले युवक से हुई ठगी**

अमृत विचार : विदेश में नौकरी दिलाने के नाम एक ठग ने 12 लाख रुपये की ठगी कर ली। उसके बदले में नकली वीजा और टिकट आदि थमा दिए। जब उसे जानकारी हुई। तो उसने रुपये मांगे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देना शुरू हो गया। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया भिंडारा निवासी मोहम्मद सलीम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी जान पहचान विक्रमजीत सिंह निवासी ग्राम हूड़ा थाना अमरिया से मई 2025 में उसके भाई के मझोला स्थित गैराज पर हुई थी। आरोपी ने उसे बताया वह विदेश में नौकरी पर भेजने का काम करता है। उसकी बातों पर विश्वास करके उसने भी विदेश जाने की इच्छा जताई। जिस पर आरोपी ने 12 लाख रुपये में विदेश भेजने की बात कही, इस पर उसने 28 जून 2025 को आरोपी के खाते में दस लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद आरोपी ने उसको कुछ फर्जी अभिलेख दे दिए और कहा कि शेष रुपये भी दे दिए। जिसका एक लिखित इकरारनामा भी लिखवाया गया। इसके बाद आरोपी ने उसको फर्जी वीजा, टिकट और वर्क एप्लीकेशन 25 अगस्त को दे दी। जोकि फर्जी पाया गया। इसके बाद उसे आजतक न तो टिकट दिया गया और न ही रुपये वापस किए गए। जब उसने रुपये वापस मांगे। तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तैयारी

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फारेस्ट मैनेजमेंट देगा आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण

आत्मनिर्भर बनेंगी इको विकास समितियां, ग्रामीणों का होगा विकास

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

इको विकास समितियों के सदस्यों के साथ वन अफसर।(फाइल फोटो)

● **9 दिसंबर को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में भाग लेंगी 14 इको विकास समितियां**

● **फंडिंग के बाद समितियां अपने हिसाब से विकास एवं आजीविका से जुड़े कार्यों को अंजाम देंगी**

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों के ग्रामीणों को रोजगार एवं विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गठित इको विकास समितियां अब आत्मनिर्भर बनेंगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (आईआईएफएम) भोपाल इन सभी इको विकास समितियों को आत्मनिर्भर बनने का गुर सिखाएगा। इसे लेकर आगामी 9 दिसंबर से उत्तराखंड में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुरू होने जा रहा है। इको विकास समितियों को इसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आत्मनिर्भर बनने को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इको विकास समितियों को फंडिंग की जाएगी और उसके बाद समितियां अपने हिसाब से संबंधित क्षेत्र में विकास एवं आजीविका से जुड़े कार्यों को अंजाम देंगी।

जनपद के जंगल को जून 2014 में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। टाइगर रिजर्व बनने के बाद जंगल से सटे गांवों के ग्रामीण, जिनकी आजीविका मात्र जंगल पर ही टिकी थी, उनके आगे रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। विश्व प्रकृति निधि की ओर से पीलीभीत टाइगर रिजर्व के सहयोग से इन गांवों के ग्रामीणों को जंगल पर आश्रित न होना पड़े, इन गांवों के विकास और यहां के ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ने का खाका तैयार किया गया। इसके बाद इको विकास समितियों का गठन कर रोजगार से जोड़ने की कवायद शुरू की गई है। विश्व प्रकृति निधि द्वारा पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माध्यम से 9 इको विकास समितियों का गठन किया गया। करीब दो माह पूर्व सभी रेंजों में बाघ मित्रों की समितियों का गठन किया गया। इससे अब इको विकास समितियों की संख्या बढ़कर 14 हो चुकी है। इको विकास समितियों के माध्यम से अब जंगल से सटे इलाकों के ग्रामीणों को पर्यटन के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार मिल रहा है।

प्रशिक्षण में सीखेंगे आत्मनिर्भर बनने का गुर

अब विश्व प्रकृति निधि एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने सभी 14 इको विकास समितियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इन्हें प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है, ताकि सभी इको विकास समितियां संबंधित क्षेत्र के विकास के साथ आजीविका के क्षेत्र में आगे बढ़ सके। इसको लेकर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट भोपाल द्वारा आगामी 9, 10 एवं 11 दिसंबर को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें आईआईएफएम के विशेषज्ञों के अलावा जायका परियोजना के पूर्व अधिकारी अमित राय एवं बहराइच के एक वन अफसर इको विकास समितियों के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनने के टिप्स देंगे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि सभी 14 इको विकास समितियों के सदस्य तीन दिवसीय प्रशिक्षण के लिए 9 दिसंबर को रवाना होंगें।

इन कामों से जुड़ चुकी हैं इको विकास समितियां

पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच, सप्त सरोवर, मुस्तफाबाद एवं महोफ रेंज में इको विकास समितियों के माध्यम से कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। विश्व प्रकृति निधि के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार के मुताबिक चूका बीच में सोबेनियर शॉप मुस्तफाबाद इको विकास समिति द्वारा संचालित की जा रही है। इतना ही नहीं, इको विकास समितियों के माध्यम से पुरैना ताल्लुके महाराजपुर और टांडा छत्रपति को शहद ग्राम घोषित करते हुए यहां के ग्रामीण शहद उत्पादन से जुड़ रहे हैं। लालपुर इको विकास समिति देशी मावे से तैयार पेड़ा मिठाई बना रही है। इस पेड़े की बिक्री के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व द्वारा पांच स्टॉल मुहैय्या कराए गए हैं। कृषि के क्षेत्र में भी जंगल से सटे ग्रामीणों को मदद दी जा रही है। पिछले वर्ष लालपुर इको विकास समिति के माध्यम से ग्रामीणों को निशुल्क गन्ना बीज उपलब्ध कराया जा चुका है।

शहर में आज

- संजय रॉयल पार्क स्थित जनसहयोग कार्यालय पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार सुनेंगे जनसमस्याएं सुबह 11 बजे।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत अन्य स्थानों पर शिविर सुबह 10 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

बेटे ने पिता से की मारपीट , रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम भिंडारा निवासी बसंतलाल पुत्र चेतराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 5 दिसंबर को शाम 8 बजे उसका पुत्र सौरभ शराब के नशे में बच्चों के साथ मारपीट कर रहा था। जिसका उसने विरोध किया, इस पर आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। उसके मुंह पर जलती हुई लकड़ी मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम इटौरिया निवासी गणपत राम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 फरवरी 2023 को उसने अपनी पुत्री का विवाह दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुलरिया निवासी प्रदीप से किया था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से उसका पति प्रदीप, ससुर जगदीश, जेठ जसपाल, जेठानी मीरा, सांस रामश्री दहेज में डेढ़ लाख रुपये की मांग करने लगे। दहेज न देने पर उसकी पुत्री के साथ मारपीट की जाती थी। शादी के दौरान उसने अपनी पुत्री को जो जेवर दिए थे उनको ससुरालियों ने बेच दिया। तीन दिसंबर 2025 को उसकी पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती को अगवा करने की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के एक गांव के निवासी ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री को गांव का ही हिमांशु बहला फुसलाकर ले गया। उसने अपनी पुत्र की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। उसकी पुत्री को ले जाने में हिमांशु के भाई दीपक और सूरज का सहयोग रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अकेली रह रही नेपाली महिला की हथौड़े से हमला कर की हत्या

महिला के घर आने वाले युवक पर हत्या करने का आरोप, पुलिस छानबीन में जुटी

संवाददाता, माधोटांडा (पीलीभीत)

अमृत विचार: पति की मौत के बाद घर पर अकेली रह रही महिला की हथौड़े से वार करके हत्या कर दी गई। उसका लहूलुहान शव घर के भीतर ही पड़ा मिला। महिला के कथित प्रेमी पर ही हत्या करने का आरोप है। सीओ पूरनपुर ने माधोटांडा पुलिस के साथ मौका मुआयना कर जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस छानबीन में जुटी है।

मूल रूप से नेपाल निवासी मनजीत कौर (42) की शादी पीलीभीत के माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम पुरैना ताल्लुके महाराजपुर के रहने वाले सुबेग सिंह से हुई थी। उसके पति की मौत 2016 में हो गई। बताते हैं कि पिछले कुछ समय से महिला के घर पर नलडेंगा गांव निवासी मुकेश मंडल का आना-जाना था। दोनों के बीच अच्छे संबंध हो गए थे। महिला घर पर अकेली रहती थी। रविवार सुबह मुकेश कुमार को आसपास के लोगों ने मनजीत कौर के घर से निकलते हुए देखा। करीब आधे घंटे तक जब महिला नहीं दिखाई दी और कुछ अटपटा सा प्रतीत हुआ तो आसपास के कुछ लोग घर के भीतर पहुंचे। इस दौरान महिला का शव लहूलुहान हालत में पड़ा था। नजदीक में ही एक हथौड़ा पड़ा था, उसमें भी खून लगा था। हत्या का शोर मचते ही कुछ ही देर में काफी लोग जमा हो गए। इसकी सूचना मिलने पर माधोटांडा इंस्पेक्टर अशोक पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर जानकारी की। सीओ पूरनपुर डॉ. प्रतीक दहिया भी मौके पर आ गए। उन्होंने आसपास के लोगों से भी महिला और उसके घर पर आने वाले मुकेश कुमार के बीच संबंध के बारे में और घटना को लेकर जानकारी की। फिलहाल पुलिस मुकेश द्वारा ही हथौड़े से वार करके हत्या करने की बात अभी मान रही है। आरोपी मुकेश अभी फरार चल रहा है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। फिलहाल शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के चलते मौके पर भीड़ लगी रही।

महिला की हत्या की सूचना पर मौके पर पहुंचे सीओ पूरनपुर और इंस्पेक्टर माधोटांडा।

- माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम पुरैना ताल्लुके महाराजपुर गांव में हुई वारदात, सीओ भी पहुंचे

महिला की हत्या करने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। जिस युवक से महिला के संबंध थे, उसी के द्वारा हत्या करने की बात निकलकर आ रही है। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। आरोपी की धरपकड़ के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। – **अशोक पाल**, इंस्पेक्टर माधोटांडा

बर्तन फेंकने और शोर की आवाज पर बढ़ा था शक

पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। इस दौरान सामने आया रविवार सुबह महिला के घर पर मुकेश आया था। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हो रहा था। बर्तन फेंकने के साथ ही शोर सुनाई दे रहा था, जो कि कुछ ही देर में शांत हो गया। फिर मुकेश भी हड़बड़ाहट में मकान से बाहर निकलता दिखाई दिया था। इसी पर लोगों को अनहोनी का शक था। जब भीतर घुसे तो महिला दम तोड़ चुकी थी। इसी के बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बेटी की हो चुकी शादी, दो बेटे कानपुर और एक पंजाब में

महिला के पति की मौत हो चुकी है। उसके चार बच्चे हैं। बड़ी बेटी की शादी पंजाब के युवक से हो चुकी है। दो बेटे इन दिनों कानपुर में नौकरी करने गए हुए हैं। जबकि एक पुत्र पंजाब में बहन के पास रहता है। पुलिस ने परिवार के सदस्यों के नंबर जुटाकर उनको भी सूचना भेज दी है।

पांच के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार: जमीन के विवाद में फायरिंग के बीच लापता हुए किशोर का नदी में शव मिलने पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। वहीं परिजनों ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में ग्राम भगवंतपुर करोड़ निवासी बलराम सिंह ने बताया कि उनका सुपौत्र कुणाल सिंह उर्फ विकास सिंह (17) छह दिसंबर की सुबह खेत भगवंतपुर करोड़ से गन्ना लेने ट्रैक्टर ट्राली से गया था। वहां पहले से ही ग्राम रंपुरा नगरिया निवासी सुरेंद्र उर्फ मुन्ना, सुरेंद्र का भाई, संजू, अजय पाल का पुत्र आदि मौजूद थे। आरोपियों ने उसे देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। कुनाल सिंह उर्फ विकास सिंह को पकड़ लिया और इसके बाद नदी में डुबोकर हत्या कर दी। जिसका शव पुलिस ने देवहा नदी से बरामद कर पोस्टमार्टम कराया था। गांव के ही विजय सिंह पुत्र पहलवान सिंह ने साजिश के तहत हत्या कराई है। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कराई जा रही है। साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की हैं।

शौचालय के टैंक गिरा मासूम, डूबने से मौत

विलाप करते मृतक के परिवार वाले। ● अमृत विचार

संवाददाता, दियोरियाकलां

- ग्राम दियोहना की घटना खेलते समय छह वर्षीय बच्चा टैंक में गिरा

अमृत विचार: अपने मकान से कुछ ही दूरी पर निर्माणाधीन घर के शौचालय टैंक में एक मासूम खेलते वक्त गिर गया। टैंक में भरे पानी में डूबकर उसकी मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद तलाशते हुए परिजन पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। जिंदा होने की आस में एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के चलते गांव में हड़कंप मचा रहा।

हादसा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दियोहना पिपरैया में हुआ। रविवार दोपहर करीब 12 बजे गांव निवासी छह वर्षीय सूर्यांश पुत्र विनोद कुमार कुछ ही दूरी पर निर्माणाधीन मकान की तरफ खेलते-खेलते पहुंच गया। वहां पर निर्माणाधीन शौचालय टैंक में पानी भरा हुआ था। इस बीच सूर्यांश चार फीट गहरे टैंक में गिर गया। बच्चे के कहीं दिखाई न देने पर परिवार वाले चिंतित हो गए। करीब एक घंटे बाद उसकी तलाश करते हुए परिजन निर्माणाधीन मकान की तरफ पहुंचे तो टैंक में भरे पानी में बेसुध हालत में मासूम को पड़ा देख होश उड़ गए। शोर पर कई ग्रामीण जमा हो गए।

बालक को पानी से बाहर निकाला और आनन-फानन में एक निजी अस्पताल ले गए। वहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव लेकर परिवार वाले घर आ गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। बताते हैं कि मृतक के पिता वर्तमान में जेल में हैं। दादा ईश्वरी प्रसाद गांव के ही एक मंदिर में पुजारी हैं। ग्रामीणों ने गमगीन परिवार को ढांढस बंधाया। परिवार में हादसे के बाद कोहराम मचा रहा।

पैदल घर जा रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, पीलीभीत

- शाहगढ़ मार्ग पर शनिवार देर रात कोहरे की वजह से हुआ हादसा

अमृत विचार : घने कोहरे के बीच शाहगढ़ मार्ग पर देर रात एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया।

माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर निवासी 19 वर्षीय विशाल शनिवार रात किसी काम से शाहगढ़ गए थे। देर हो जाने पर सवारी न मिलने के कारण वह पैदल ही घर के लिए निकल पड़े। रात में घना कोहरा भी छाया था। इसी दौरान शाहगढ़ मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी समय तक शव सड़क पर पड़ा रहा, जिसे राहगीरों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। माधोटांडा थाना प्रभारी अशोक पाल ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और आसपास के मार्गों पर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

जमीन को लेकर भाई ने की मारपीट रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ललौरीखेड़ा निवासी हसरत खान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जमीन के बंटवारे में उसके तहेरे भाई इब्राहिम, इस्लाम और परवेज ने उसको बीच का खेत दे दिया।

जब उसने अपने हिस्से के खेत को बेचने चाहा तो आरोपियों ने विरोध किया और बिक्री से रोका। इसी रंजिश के कारण 29 नवंबर को शाम सात बजे आरोपी उसके घर में घुस आए, उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवारों की मौत

संवाददाता, बीसलपुर

इसी बाइक पर सवार थे मृतक। ● अमृत विचार

- बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर रात हुआ हादसा
- बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर रात हुआ हादसा

अमृत विचार: क्षेत्र में रफ्तार का कहर दो और लोगों की मौत की वजह बन गया। काम निपटाकर घर जा रहे बाइक सवार दो युवकों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोबल पतिपुरा निवासी अरविंद (30) अपने साथी सेवाराम (25) के साथ बाइक से शनिवार को बीसलपुर आए थे। देर रात करीब 10:30 बजे दोनों बाइक से घर जा रहे थे। बीसलपुर बरेली रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें दोनों युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। सड़क पर घायलों को पड़ा देख राहगीर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को आनन-फानन में सीएचसी भिजवाया गया। वहां पर चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान कर परिवार वालों को बुलाया गया। परिवार वाले सीएचसी पहुंचे और उनका रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने रविवार को शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

हादसा किसी चार पहिया वाहन की टक्कर से बताया जा रहा है। हालांकि वाहन को लेकर कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी है। ऐसे में पुलिस हादसा स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। हादसे के वक्त कौन-कौन से वाहन मार्ग से गुजरे इसका पता लगाया जा रहा है।

मृतक सेवाराम।

मृतक अरविंद।

हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। शव पोस्टमार्टम कराकर परिवार के सुपुर्द कर दिए गए। टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में जानकारी कराई जा रही है। – **संजीव कुमार शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

शार्ट सर्किट से दुकान में लगी आग

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार : रेडीमेड कपड़ो की दुकान में आग लगने से सामान जलकर राख हो गया। सूचना के करीब चार घंटे बाद पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

बिलसंडा कस्बे की मुख्य बाजार में राकेश राठौर की कपड़े की दुकान है। वह शनिवार शाम दुकान को बंद कर घर आ गए थे। देर रात दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें निकलने लगी।दुकान से धुंआ निकलने पर लोगों ने घरों से बाहर आकर देखा तो दुकान की शटर से धुंआ निकल रहा था। जानकारी मिलते ही वह भी

दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए पानी डालते हुए। ● अमृत विचार

- सूचना देने के चार घंटे बाद पहुंची दमकल विभाग की टीम

मौके पर पहुंच गए। इसकी सूचना मिलने पर दमकल टीम मौके पर पहुंची और बमुश्किल आग पर काबू किया। पूरी तरह से आग पर काबू करने में सुबह हो गई। ये भी आरोप लगा कि टीम देरी से पहुंची थी। जिसे लेकर व्यापारियों ने नाराजगी व्यक्त की। फिलहाल दुकान पर रखा काफी सामान जल गया। पीड़ित ने लाखों का नुकसान बताया है। दुकानदार का कहना है कि यदि समय से दमकल पहुंच जाती तो कुछ सामान बच जाती।

डांस करने से रोका तो कर दी महिला की पिटाई

संवाददाता, बीसलपुर

- पड़ोसियों के जुटने पर आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी

अमृत विचार : शादी के बाद लड़की के मायके आने पर उसके परिवार के लोगों द्वारा आयोजित डांस समारोह में पड़ोसी व उसके दो लड़के घर में घुस आए और हमला कर महिलाओं की पिटाई कर दी। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली में दी गई तहरीर में मोहल्ला दुबे निवासी शिवम ने बताया कि 30 नवंबर को उसकी बहन की शादी शाहजहांपुर जनपद के तहसील पुवायां के युवक से हुई थी।

बहन की विदा कराकर चार दिसंबर मायके लाए। 5 दिसंबर की शाम 6बजे परिवार की महिलाएं व रिश्तेदार गानों पर डांस कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोस के गौरव, उसके पिता भगवान दास, भाई राजन नशे में आए और महिलाओं के बीच जबरन डांस करने लगे। जब महिलाओं ने विरोध किया तो आरोपियों ने हमला कर महिलाओं से मारपीट की। मां और बहन पर धारदार हथियार से वार किया। शोर पर आसपास के लोग जमा हुए और बचाया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच करा रहे हैं।

फ्रेंचाइजी देने के नाम पर साढ़े 10 लाख रुपये हड़पे

शाहजहांपुर, अमृत विचार: शहर की मोहल्ला कटिया टोला की युवती ने दिल्ली की एक कंपनी पर फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 10 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि न फ्रेंचाइजी दी और न ही रुपये वापस किए।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला कटिया टोला निवासी उत्कर्ष शुक्ला पुत्री प्रदुमन शुक्ला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि वह कटिया टोला में शशि ट्रेडर्स प्रोपाइटर हैं। उन्होंने ईलास ई-काम इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड जिसका कार्यालय पूर्व में बरेली मोड़ पर आवास विकास कॉलोनी में था। उसका मुख्यालय आफिस मथुरा रोड दिल्ली में है।

विश्व शांति और जन कल्याण के लिए हुआ यज्ञ

यज्ञ में आहुतियां डालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: स्टेशन रोड पर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को विश्व शांति और जन कल्याण के लिए गायत्री यज्ञ, गोष्ठी व सामूहिक जप ध्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गायत्री परिवार ट्रस्ट बीसलपुर के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने कहा कि आज के परिवर्तनकारी युग में जागृत और जीवंत प्रतिभाशाली कर्मवीरों की बहुत आवश्यकता है। सभी परिजन नवयुग के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लें।

उधार कपड़ा न देने पर दुकान में की तोड़फोड़

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- कपड़ा विक्रेता पर ताना तमंचा, आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विचार: शहर में उधार कपड़ा न देने पर आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ की और दुकानदार पर जान से मारने की नीयत से तमंचा तान दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने दुकानदार की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चौक कोतवाली के मोहल्ला बंगश निवासी गुलजार ने कोतवाली पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी दुकान सिंजई मोहल्ले में बादशह गारमेंट्स के नाम से है। शुक्रवार की शाम वह दुकान पर बैठा हुआ था। उसकी दुकान पर फहान निवासी वर्कजई कोतवाली अपने चार साथियों के साथ आए। आरोपी ने कपड़ा दिखाने के लिए कहा था। उन्होंने आरोपी को कपड़ा दिखा दिया। आरोपी ने उधार कपड़ा मांगा। दुकानदार ने उधार कपड़ा देने से मना कर दिया और कहा कि उधार कपड़ा नहीं देते है। इस बात से आरोपी और उसके साथी नाराज हो गए। आरोपी और उसके साथी दुकानदार को गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की नीयत से दुकानदार तमंचे से फायर किया, जो फायर मिस हो गया। आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ शुरु कर दी। आरोपियों ने कहा कि दुकान चलानी है तो कपड़ा उधार देना होगा या प्रतिमाह हफ्ता देना होगा। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला से छेड़छाड़ और मारपीट की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार: विवाहिता को रास्ते में रोक एक युवक ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मारपीट की गई। एसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसके पति की मौत हो चुकी है। 1 दिसंबर को सुबह 10 बजे घर से पीलीभीत जा रही थी। आरोप है कि दौलतपुर -करोड़ मार्ग पर गांव का गंगाशरन मिला और उसने रास्ते में रोक छेड़छाड़ की। विरोध करने पर मारपीट की गई। वह किसी तरह बचकर निकली और घायल अवस्था में थाना बरखेड़ा गई। उस वक्त पुलिस ने अनसुना कर दिया। उसका मेडिकल परीक्षण तक नहीं कराया। आरोपी से जान का खतरा बताते हुए एसपी को दुखड़ा सुनाया।

रोजगार के लिए पलायन न करें, गांवों में ही मिलेगा काम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मनरेगा लोकपाल ने की ग्रामीणों से अपील, रोजगार सेवक को मांगपत्र देकर मांगें काम
- कार्य उपलब्ध न कराने पर मांगकर्ता को मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

अमृत विचार: बेरोजगारों का पलायन रोकने और उन्हें गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने को मनरेगा योजना शुरू की गई है। 100 दिन काम की गारंटी दी जा रही है और काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। मगर, अज्ञानतावश गांवों से बड़ी संख्या में लोग मनरेगा के तहत कार्य न कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। ऐसे में अब लोकपाल मनरेगा ने ग्रामीणों से गांव में योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए शहरों की ओर से पलायन न करने की बात कही है।

ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन रोकने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने के लिए मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में रहने वाले जॉबकार्ड धारक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। जॉबकार्ड धारक के एक दिन के काम को एक मानव दिवस के रूप में जोड़ा जाता है। यदि मांगपत्र के बावजूद जाबकार्ड धारक को काम नहीं दिया जाता तो वह बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा और जब तक कार्य उपलब्ध नहीं कर दिया जाता, बरोजगारी भत्ता नियमानुसार मिलता रहेगा। इतना सबकुछ होने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण खासकर युवा शहरों की ओर दैनिक मजदूरी के लिए पलायन कर रहे हैं। ऐसे में अब लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने ग्रामीणों से मनरेगा योजना में लिखित कार्य मांग कर रोजगार प्राप्त करने की बात कही है। मनरेगा लोकपाल ने बताया कि मनरेगा योजना एक मांगपरक योजना है। उचित प्रचार-प्रसार के अभाव में उक्त योजना लक्ष्य आधारित बन कर रह गई है। बताया कि मनरेगा अधिनियम 2005 के अनुसार वर्तमान में प्रत्येक जॉबकार्डधारी परिवार को वर्ष में 100 दिन का रोजगार दिया जाना अनिवार्य है, लेकिन अज्ञानता एवं कार्य की मांग न करने की वजह से ग्रामीणों को काम नहीं मिल पाता है। जबकि नियम यह है कि मनरेगा में ऐसा वयस्क व सक्षम महिला-पुरुष जो मनरेगा योजना में कार्य करना चाहता है, चाहे उसका जाबकार्ड हो अथवा न हो, एक लिखित कार्य मांगपत्र रोजगार सेवक के पास जमा करें और रोजगार सेवक मांगपत्र जमा कर उसकी विधिवत रिसीविंग उपलब्ध कराएगा। मांगपत्र जमा करने पर रिसीविंग न देना मनरेगा अधिनियम का उल्लंघन होगा।

जाबकार्ड नहीं, तो भी 15 दिन के अंदर जाबकार्ड के साथ मिलेगा काम

लोकपाल मनरेगा ने बताया कि जिन ग्रामीणों के जॉबकार्ड नहीं बने हैं, उन्हें परिवार के सभी व्यस्क सदस्यों के बैंक पासबुक, आधार कार्ड एवं दो रंगीन पासपोर्ट फोटो, मोबाइल नंबर सहित मांगपत्र पर तिथि अंकित करते हुए मांगपत्र ग्राम रोजगार सेवक को उपलब्ध कराना चाहिए। कार्य मांग के 15 दिन के अंदर मांगकर्ता को जॉबकार्ड जारी करते ग्राम पंचायत की 05 किमी की परिधि में मनरेगा कार्य उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। यदि मांगपत्र देने के बावजूद कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता तो संबंधित जॉब कार्ड धारक बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा और जब तक कार्य उपलब्ध नहीं कर दिया जाता, बेरोजगारी भत्ता नियमानुसार दिया जाएगा। यदि गांव में रोजगार सेवक की तैनाती नहीं है तो कार्य का मांगपत्र पंचायत सचिव, बीडीओ या एपीओ के पास जमा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मांगपत्र जमा करते हुए दिनांक सहित रिसीविंग (प्राप्ति रसीद) अवश्य लें। जाबकार्ड धारक किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कार्यालय लोकपाल मनरेगा कक्ष संख्या 18 प्रथम तल विकास भवन पर संपर्क कर सकते हैं, अथवा समस्या को मोबाइल नंबर 8188067729 या फिर lokpalnarega.pbt<bha>@</bha>gmail.com पर लिखित समस्या प्रेषित करते हैं।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,8 दिसंबर 2025

पीलीभीत

सार्वजनिक रूप से ठेकेदारों के सामने डोंगल लगाकर कराएं जांच, खुलेगी हकीकत

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार तक पहुंचा टेंडर में खेल का मामला, ठेकेदारों ने की शिकायत, जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जिला पंचायत में नियमों को दरकिनार कर किए गए टेंडर का मामला अब राज्यमंत्री तक पहुंचा है। शिकायत करने वाले ठेकेदारों ने राज्यमंत्री से मुलाकात कर शिकायती पत्र सौंपा। जिसमें कई मांगे रखीं गई है। ये भी मांग की है कि अपर मुख्य अधिकारी के द्वारा की गई अनियमित्ताओं व उनके डोंगल को सार्वजनिक रुप से जिला पंचायत के ठेकेदारों के समक्ष जांच कराई जाए। दोषी पाए जाने पर अपर मुख्य अधिकारी और सहायक अभियंता पर ठोस कार्रवाई हो।

बता दें कि जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों ने बीते दिनों एक शिकायत की थी, जिसमें मानकों को दरकिनार कर ठेके करने का आरोप लगाया है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर जांच कमेटी गठित की गई थी। मगर अभी तक तस्वीर स्पष्ट नहीं हो सकी है। पहले

टेंडर में खेल किया गया और अब जांच में भी खेल करने का आरोप शिकायतकर्ता ठेकेदार लगा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को ठेकेदार राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार से मिले और शिकायत की। जिसमें बताया कि 27 नवंबर को उनके द्वारा जिला पंचायत में आमंत्रित की गई ई-निविदाओं को लेकर शिकायत की जा चुकी है। उस टेंडर में नियम और शर्तों का उल्लंघन किया गया है। ई-निविदा में 21 नवंबर को जिला पंचायत कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोला जाना अंकित था। ई-पोर्टल सिस्टम पर टेंडर रिपोर्ट के अनुसार टेक्निकल बिड 25 नवंबर को 2.40 बजे खोली गई। 2.42 बजे सहायक अभियंता मिठाई लाल के द्वारा अपलोड की गई। फिर चंद मिनट बाद तीन बजे फाइनेंशियल बिड खोल दी गई। इसे शासनादेश का उल्लंघन बताया। महज बीस मिनट से भी कम समय में किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति से टेक्निकल बिड का परीक्षण किए बगैर फाइनेंशियल बिड खोली गई। सहायक अभियंता मिठाई लाल 25 नवंबर को अवकाश पर होने की सूचना है। ऐसे में आरोप लगाया कि उनके नाम से उनकी अनुपस्थिति में अधिकृत डोंगल का प्रयोग किया गया।

सीडीओ भले ही अभी तक जांच कमेटी की रिपोर्ट न मिलने की बात कह रहे हो लेकिन ठेकेदारों का आरोप है कि रिपोर्ट दी जा चुकी है। ये भी कहा कि कमेटी को जो रिपोर्ट जिला पंचायत से दी गई है उसमें इस बात का भी जिक्र किया गया हे कि उनके (जिला पंचायत) के पास ऐसा कोई शासनादेश नहीं है कि टेक्निकल व फाइनेंशियल बिड को खोलने के लिए 24 या 48 घंटे का समय दिया जाए। ऐसे में मांग की है कि अपर मुख्य अधिकारी से ये भी जवाब लिया जाए कि क्या उनके पास टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड को उसी दिन खोलने का नियम है। अगर ऐसा कोई शासनादेश है तो उसकी प्रति भी मांगी है। ये भी मांग की है कि जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी के द्वारा की गई अनियमितता व उनके डोंगल को सार्वजनिक रुप से जिला पंचायत के ठेकेदारों के समक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई हो। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। जिला पंचायत में इसे लेकर खलबली मची हुई है। इसके अलावा उक्त शिकायत पत्र की एक प्रति डीएम से मुलाकात कर भी दी गई है।

अब सीडीओ बोले: हो सकता है पहुंच गई हो रिपोर्ट

एक दिन पूर्व शनिवार देर शाम सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास का कहना था कि अभी जिला पंचायत से टेंडर से जुड़े अभिलेख प्राप्त नहीं हुए हैं। मगर, रविवार को जब उनसे बात की गई तो उनका कहना है कि हो सकता है कि देर शाम हो सकता है कि जांच रिपोर्ट कार्यालय में पहुंच गई हो। इसे लेकर सोमवार को ही कुछ बता सकेंगे।

- डीएम से भी मिले शिकायतकर्ता जांच रिपोर्ट में खेल करने की जताई आशंका

बीसलपुर महोत्सव में दिखा प्रतिभाओं का जादू

बीसलपुर महोत्सव में मौजूद पूर्व मंत्री, भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य।

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः सूरजभान डिग्री कॉलेज में चल रहे बीसलपुर महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने डांस, गीत समेत अन्य प्रतिभाओं का जौहर दिखाकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

पूर्व मंत्री रामशरन वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत कराई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में असीम प्रतिभा छुपी होती है। बीसलपुर महोत्सव जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों की प्रतिभाएं उभर कर सामने आती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा अध्ययन के साथ-साथ अपनी प्रतिभाओं को सशक्त बनाने का सुझाव दिया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभाओं से अपने माता-पिता व अपने शहर का नाम रोशन करें। आयोजक सत्य प्रकाश उर्फ बिट्टू ने कहा कि बीसलपुर महोत्सव के आयोजन के माध्यम से प्रत्येक वर्ष क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल किया जाता है। समारोह में पहले दिन 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें भारती, रश्मि, आयुषी, शुभम, सुमित, रितिक, आदेश, चांदनी, निशा, चाहत आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर महंत हनुमंत नाथ, आयुष मिश्रा , भद्रपाल गंगवार समेत अन्य रहे।

ट्रेनिंग से लौटे सैनिकों का किया सम्मान

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मुड़िया हुलास निवासी विमलेश मिश्रा के दो पुत्र आकाशदीप और अर्पित मिश्रा ने वर्ष 2024 -25 में सेना भर्ती में प्रतिभाग किया था। जिसमें दोनों भाइयों का चयन हो गया। आकाशदीप मिश्रा उड़ीसा व अर्पित मिश्रा को नासिक ट्रेनिंग पर भेजा गया था। छह माह की ट्रेनिंग पूरी करने के उपरांत रविवार को दोनों सैनिक गांव वापस आए तो परिवार व गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्राम प्रधान सीमा पाठक के पति राजेंद्र पाठक उर्फ राजू ने दोनों सैनिकों के घर पहुंच कर माला पहनाकर स्वागत किया। मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

सिर्फ बुखार के इलाज तक सीमित रहा आरोग्य मेला

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद लेकर जन आरोग्य मेले में पहुंचे हजारों मरीजों को रविवार को निराशा हाथ लगी। कई पीएचसी पर न तो लैब टेक्नीशियन मौजूद थे और न ही पूरी जांच की व्यवस्था। ऐसे में बड़ी संख्या में मरीज बिना जांच के ही दवा लेकर लौटते नजर आए।

रविवार को जिले की 32 पीएचसी पर आयोजित जन आरोग्य मेला अव्यवस्थाओं के कारण औपचारिकता बनकर रह गया। विभाग के अनुसार करीब तीन हजार मरीजों को इलाज मिला, लेकिन कई केंद्रों पर स्टाफ की कमी और जांच सुविधाओं के अभाव ने मेले की हकीकत उजागर कर दी। डॉक्टरों की देरी और कर्मचारियों की गैरमौजूदगी से मरीजों की परेशानी बढ़ती रही। शहर के पीएचसी जोशी टोला, बाग गुलशेर और पुराने अस्पताल में पहुंचे मरीजों को जांच के साथ दवा मिल सकी। जोशी टोला में 104, बाग गुलशेर में 113 और पुराने अस्पताल में 83 मरीजों की जांच-पड़ताल की गई। लेकिन देहात के केंद्रों की तस्वीर बिल्कुल अलग रही।

बीसलपुर के मोहल्ला दुबे स्थित पीएचसी पर 80 मरीज पहुंचे, लेकिन यहां बुखार, शुगर समेत कई आवश्यक जांचें नहीं हो सकीं। चुर्रासकतपुर और दियोरिया के केंद्रों पर भी व्यवस्थाएं पटरी से उतरी रहीं। बिलसंडा के ईटगांव पीएचसी पर 79 मरीज पहुंचे, पर कर्मचारियों की कमी से अव्यवस्था हावी रही। हालांकि डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार जरूर दिया। अमरिया क्षेत्र के नगरिया कॉलोनी, भिकारीपुर और परेवा वैश्य पीएचसी पर कुल 108 मरीजों को देखा गया, लेकिन कई मरीज जांच न मिलने के कारण बिना टेस्ट के ही दवा लेकर चले गए। अधिकांश मरीज बुखार, खांसी और जुकाम से पीड़ित थे। मगर जांच की सुविधाएं कहीं नहीं मिली।

पीएचसी पर मरीजों का परामर्श करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

- पीएचसी पर लगा मेला, कई केंद्रों पर लैब टेक्नीशियन तक न मिले

सड़क हादसों में हेल्पर समेत दो की मौत

शाहजहांपुर,अमृत विचार : अलग अलग सड़क हादसों में ट्रक के हेल्पर समेत दो लोगों की मौत हो गई। एक हादसा हरदोई रोड पर हुआ। इस रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली को बचाने के चक्कर में ट्रक पेड़ से टकरा गया। हादसे में शामिल जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र का रहने वाला हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि चालक ने कूद कर जान बचाई। जिला अस्पताल में हेल्पर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं तिलहर क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।

शामली जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के झाल निवासी अनुज शर्मा (32) ने ट्रक पर हेल्पर था। शनिवार रात 11 बजे वह प्लाईवुड लेकर हरदोई जा रहा था। जाहनीखेड़ा के पास अचानक ट्रक के सामने गन्ना से भरी ट्रैक्टर ट्राली आ गई। चालक ने ट्रैक्टर ट्राली को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसका नियंत्रण ट्रक से हट गया, इससे लहराता हुआ ट्रक पेड़ से जा टकराया।

डम्पर की टक्कर से पांच लोग गंभीर रुप से घायल

सिंधौली, अमृत विचार: कस्बे में स्थित पेट्रोल पंप के समीप हाईवे पर अनियंत्रित डम्पर की टक्कर से बाइक आगे जा रही बाइक से टकरा गयी। जिससे पांच लोग घायल हो गए। थाना क्षेत्र के गाँव मरौरी निवासी मानसिंह अपने भतीजे गोलू के साथ रविवार की देर शाम पुवायां से सिंधौली होकर अपने घर जा रहे थे।

कस्बे में स्थित समाजवादी सेवा केंद्र पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आए अनियंत्रित डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक सामने जा रही बाइक से टकरा गयी। दूसरी बाइक पर गाँव पैना सुन्दरनगर निवासी बाइक सवार गोविन्द,विमल तथा अनिकेत भी बाइक लड़खड़ाने से घायल हो गए। डंपर चालक वाहन को लेकर मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया।

हादसे में बाइक सवार चाट विक्रेता की मौत

संवाददाता, सिंधौली/ शाहजहांपुर

- सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव ढकिया हमीदनगर निवासी है पंकज

अमृत विचारः पुवायां रोड पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार घायल हो गया। घायल को सीएचसी पर लाया गया। डॉक्टर ने घायल को रेफर कर दिया। परिवार वाले घायल को बरेली के एक अस्पताल में ले गए,जहां उसकी मौत हो गयी।

सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव ढकिया हमीदनगर निवासी 35 वर्षीय पंकज की कस्बे में मुड़िया मोड़ पर चाट की दुकान है। शनिवार की सुबह वह घर से दुकान पर बाइक से आ रहे थे। पुवायां रोड पर पुवायां की तरफ से आ रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे चाट विक्रेता घायल हो गया। चालक वाहन लेकर भाग गया। परिवार और पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर लेकर आए। डाक्टर ने घायल को रेफर कर दिया। परिवार वाले घायल चाट विक्रेता को लेकर बरेली गए। जहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। परिवार वाले उसका शव लेकर सुबह यहां आए। उसकी पत्नी सुमन और बेटे मोहन व आकाश का रो-रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

न्यूज डायरी

25 लोगों ने किया रक्तदान, बने महादानी

पीलीभीत, अमृत विचार : रोटरी क्लब पूरनपुर ग्रीन के तत्वावधान में पूरनपुर के एक नर्सिंग होम पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन एमएलसी डॉ.सुधीर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष पूरनपुर शैलेंद्र गुप्ता ने सामूहिक रूप से किया। इस शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान किया। अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने आभार जताया। इस मौके पर डॉ. दिनेश गुप्ता, संजीव गुप्ता, राजेश खन्ना, राजेश रस्तोगी, मीना रस्तोगी, संदीप बन्नू, संदीप खंडेलवाल, विनय गुप्ता, हर्ष गुप्ता, बृजेश गुप्ता,अमरजीत सिंह, चरनजीत माटा, हर्ष प्रधान, विवेक तिवारी आदि मौजूद रहे। बरेली से आए डॉ. मिती गुप्ता, डॉ. सुमित वैश्य ने कहा कि सभी को तीन माह में स्वैच्छिक रक्तदान में भागीदारी करनी चाहिए।

रोवर्स रेंजर्स शिविर में प्रशिक्षकों ने कराया अभ्यास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जीएफ. कॉलेज शाहजहांपुर में चल रहे पाँच दिवसीय रोवर्स रेंजर्स शिविर के तीसरे दिन आज जिला स्काउट ट्रेनिंग कमिश्नर करण कुमार पांडे ने रोवर्स रेंजर्स को प्राथमिक चिकित्सा और स्ट्रेचर द्वारा सहायता, मानचित्रण,खोज चिन्ह द्वारा रास्ते की जानकारी का अभ्यास कराया।कॉलेज के रोवर्स प्रभारी डॉ मोहम्मद तुफैल खान और रेंजर्स प्रभारी डॉ. हिना ने बताया कि यह पाँच दिवसीय शिविर का तीसरा दिन बहुत ही सकारात्मक रहा। यह शिविर 9 दिसंबर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोवर्स और रेंजर्स में अब्दुल रहमान, मोहम्मद अमान, अभिषेक वर्मा, फ़ैज़, नवाज़, राहिल, आयुष शगुफ्ता समेत अन्य रहे।

दूसरे संप्रदाय के युवक से हो रहा किशोरी का निकाह रुकवाया

शाहजहांपुर,अमृत विचार : शहर में गदियाना रोड पर एक मैरिज लान में एक संप्रदाय का युवक दूसरे संप्रदाय की किशोरी से निकाह कर रहा था। इस दौरान दोनों तरफ के परिवार के लोग थे। हिन्दु संगठन के नेता मैरिज लान में पहुंच गए और हंगामा किया। इस दौरान काफी संख्या में दोनों संप्रदाय के लोग एकत्रित हो गए। सदर बाजार पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस दोनों को लेकर थाना पर आ गई। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला गदियाना रोड पर एक संप्रदाय के लोगों ने मैरिज लान बुक कराया। दूसरे संप्रदाय की 16 वर्षीय किशोरी और उसकी मां रविवार की दोपहर बाद पहुंचे, इसके बाद दूसरे संप्रदाय का 26 वर्षीय युवक और उसका परिवार मैरिज लॉन में पहुंच गया। युवक के परिवार वालों ने निकाह कराने के लिए काजी को बुला लिया। युवक की तरफ से काफी संख्या में लोग एकत्रित थे। किशोरी का युवक के साथ निकाह पढ़ाया जा रहा था और दावत चल रही थी। इस दौरान हिन्दू संगठन के नेता राजेश अवस्थी को किसी सूचना दी कि किशोरी का दूसरे संप्रदाय से निकाह कराया जा रहा है। नेता राजेश अवस्थी शाम को अपनी टीम के साथ मैरिज लान पहुंच गए और निकाह रुकवाया। इस दौरान मैरिज लान के अंदर हंगामा होने लगा।

एसआईआर को लेकर किया जागरूक

बीसलपुर, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अभयपुर चैना नकटी में बीएलओ एवं भाजपा टीम के बूथ अध्यक्षों ने ने एसआईआर का कार्य पूर्ण किया। इस पर क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरुप पटेल ने एसआईआर का पूर्ण काम करने वालों को सम्मानित किया। इसके अलावा मोहल्ला पटेल नगर में पहुंचकर दुकानों व घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म जल्द भरने और बीएलओ का सहयोग करने की अपील की गई। डॉ. प्रथमेश भारद्वाज, सौरव गुप्ता,पुरुषोत्तम गंगवार, दीपक मौर्य, राम प्रसाद, आकाश गंगवार, सर्वेश कुमार आदि भी साथ रहे और लोगों को जागरूक किया। इसदौरान वोट बनवाने से जुड़ी जानकारी भी दी गई।

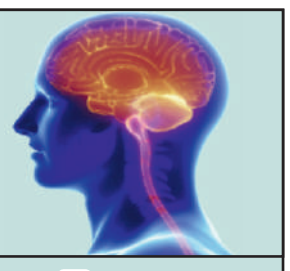

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुट्टा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

बस की टक्कर से घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत

सिंगाही, अमृत विचार : थाना सिंगाही क्षेत्र में 25 नवंबर को सिंगहा कलां गांव के निकट सिद्ध बाबा मंदिर के पास रोड क्रॉस करते समय बस की टक्कर से कोतवाली तिकुनिया के गांव बनवीरपुर निवासी रामपाल (61) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उपचार के दौरान शनिवार की रात मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। प्रभारी निरीक्षक मनीष सिंह ने बताया बस पुलिस के कब्जे में है। धाराओं में बदलाव कर कार्रवाई की जा रही है।

कथाव्यास ने परीक्षित जन्म की कथा सुनाई

केशवापुर,अमृत विचार : सेमरई गांव की श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन दोपहर को कथा व्यास पं शिवप्रकाश मिश्र ने परीक्षित जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि पर इच्छा दूसरे की इच्छा से जीवनदान मिलने के कारण परीक्षित नाम पड़ा। महाभारत के इस रोमांचक प्रसंग को मौजूद श्रोताओं ने बहुत ही ध्यानपूर्वक सुनकर उत्साहित होकर श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए। सोमवार को दोपहर 1 बजे से प्रजापति दक्ष की यज्ञ में सती द्वारा कूद यज्ञ विध्वंस की कथा का प्रसंग सुनाया जाएगा।

200 मुर्गियां और 100 बोरी दाना चोरी करने का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : फार्म के स्वामी दिवाकर सिंह निवासी जगदीशपुर अमेठी ने अपने फार्म से 200 मुर्गियां और मुर्गी के खाने के लिए रखा गया 100 बोरी दाना चोरी करने का आरोप अनुबंधकर्मी कुलवीर सिंह और उसके पुत्रों चरनजीत सिंह, करमवीर सिंह पर लगाया है। आरोप है कि जब उन्होंने अनुबंध कर्मी से इस संबंध में जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने कुछ जवाब नहीं दिया, तीनों तरह-तरह के बहाने बनाते रहे। एसएसआई देवेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले की तहरीर मिली है, जांचकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कोहरे की चादर से ढका शहर बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

पारा लुढ़का, हाईवे पर रेंगते रहे वाहन, दिनभर छाई रही धुंध, कपड़ों में ढककर निकले लोग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रविवार की सुबह शहर समेत पूरा तराई क्षेत्र घने कोहरे की सफेद चादर में ढका रहा। सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रहने के कारण लोगों को सड़क पर चलना मुश्किल हो गया। वाहन चालकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता काफी कम होने के कारण पार्किंग लाइट के सहारे वाहन रेंगते नजर आए।

हाईवे पर कम स्पीड में जाता वाहन।

मौसम में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। सुबह और शाम ठंड तो दोपहर में गर्माहट का अहसास हो रहा है। रविवार की सुबह छह बजे से लेकर करीब आठ बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इससे मुख्य मार्गों पर वाहन रेंगते हुए चलते नजर आए। कई जगह ट्रैफिक धीमा रहा और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हाइवे पर भारी वाहनों की गति काफी कम हो गई थी, वहीं शहर के अंदर लोग बाइक और कारों को पार्किंग लाइट व डिपर के सहारे आगे बढ़ाते नजर आए। न्यूनतम तापमान गिरकर नौ डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सीजन में अब तक का सबसे कम तापमान माना जा रहा है। लगातार चल रही बर्फीली हवाओं ने ठंड को और तीखा कर दिया है। हालांकि सुबह 08:30 बजे के बाद हल्की निकली धूप ने लोगों को राहत दी।

दोपहर में कुछ देर तक तो धूप का असर रहा, लेकिन शाम होते ही ठंडी हवाओं के चलने से लोगों को ठंड का अहसास किया। जिससे लोग गर्म कपड़े, अलाव और हीटर का सहारा लेते नजर आए। ठंड से बचने के लिए सुबह मोहल्लों, चौराहों और बाजारों में लोग अलाव तापते दिखे। मौसम विभाग का अनुमान है कि दो-तीन दिन शीतलहर और घना कोहरा रहेगा। लोगों को सुबह और रात के समय यात्रा से बचने, बच्चों और बुजुर्गों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

लखीमपुर-भीरा मार्ग पर हादसे में क्षतिग्रस्त टेंपो और मौके पर लगी भीड़।

घने कोहरे में कार-टेंपो की भिड़ंत, चार घायल

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर-भीरा हाईवे पर अंदेशनगर फार्म के निकट घने कोहरे के कारण बड़ा हादसा हो गया। कार और टेंपो की आमने सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में टेंपो सवार पांच लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा गांव बन्नी के निकट हुआ। सीएनजी ऑटो चालक रविवार सुबह सवारियां लेकर सुंदरवल से लखीमपुर की ओर जा रहा था। घना कोहरा होने के कारण बन्नी गांव के करीब एक हॉट मिक्स प्लांट के पास ओवरटेक करते समय ऑटो की बोलेरो से टक्कर हो गई। हादसे में फूलबेहड़ के मुड़ियाखुर्द निवासी अमित और सुभाष, महेवागंज निवासी साजिद और सुंदरवल निवासी ऑटो चालक हकदार गंभीर रूप से घायल हो गए। चौकी प्रभारी साहब लाल ने बताया कि कोहरे के कारण हादसा हुआ है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बाघ के हमले से बचा किसान, क्षेत्र में दहशत

पलिया कलां,अमृत विचार: संपूर्णानगर रेंज के गांव भरतपुर निवासी किसान अनिल कुमार शाम को अपने खेत की स्थिति देखने पहुंचे थे। तभी आसपास के गन्ने से अचानक बाघ निकला और उन पर झपटा। अनिल कुमार ने तत्काल शोर मचाया और अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। ग्रामीणों के अनुसार, पास के खेतों में मौजूद मजदूर और किसान आवाज सुनकर लाठियों के साथ दौड़े, जिससे बाघ डरकर भाग गया और वापस खेतों में छिप गया। घटना के बाद किसान अनिल और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से बाघ और तेंदुए बार-बार देखे जा रहे हैं। इससे किसान खेतों पर अकेले जाने से डर रहे हैं। किसान अनिल कुमार ने कहा कि आज तो किस्मत ने साथ दिया और मैं बच गया, पर अब स्थिति बेहद खतरनाक हो गई है। सरकार और वन विभाग तत्काल सुरक्षा व्यवस्था करे। सूचना पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को अकेले खेतों में न जाने और सावधानियां बरतने की सलाह दी। साथ ही बाघ की लोकेशन ट्रैक करने और निगरानी बढ़ाने की बात कही है।

दुकान से लौट रहे युवक के सामने आया तेंदुआ

कार के सामने खड़ा तेंदुआ। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

- कार सवार युवक ने मोबाइल में कैद की तस्वीर

अमृत विचार: निघासन रेंज के पृथ्वीपुरवा गांव के आसपास तेंदुआ दिखाई देने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। शनिवार देर रात दुकान बंद कर घर लौट रहे एक युवक की कार के सामने अचानक तेंदुआ आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। युवक ने हिम्मत दिखाते हुए तेंदुआ की तस्वीर अपने मोबाइल में कैद कर ली।

घटना शनिवार रात करीब 10:30 बजे की है। पृथ्वीपुरवा निवासी वीर सिंह अपनी दुकान बंद कर कार से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह सतीश के खेत के पास पहुंचे, तभी अचानक उनकी गाड़ी के सामने तेंदुआ आ गया। तेंदुआ को देखकर वह घबरा गए, लेकिन पहले से सतर्क होने के कारण उन्होंने मोबाइल कैमरा चालू रखा था। जैसे ही गाड़ी की हैड लाइट तेंदुए पर पड़ी, वह तुरंत सड़क किनारे स्थित बराती की गन्ने के खेत में घुस गया।

इसके बाद वीर सिंह घर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इससे ग्रामीणों में और अधिक भय का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि तेंदुआ कई दिनों से क्षेत्र में घूम रहा है, लेकिन वन विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। इससे लोगों में विभाग के प्रति रोष बढ़ रहा है। वन दरोगा पीयूष कुमार ने बताया कि क्षेत्र में गश्त तेज की जाएगी और तेंदुए की लोकेशन ट्रेस कर पिंजरा लगाया जाएगा। ग्रामवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। वन विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दुधवा का नर गैंडा आपसी संघर्ष में घायल

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में रहने वाला 18 वर्षीय नर गैंडा 'विजय' आपसी संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक जंगल में क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर हुए संघर्ष में विजय के शरीर पर कई गहरे घाव हो गए थे। वन विभाग की टीम को इसकी सूचना मिलते ही गैंडे की लोकेशन ट्रैक की गई और उच्च स्तर से अनुमति मिलने के बाद विशेषज्ञ टीम ने सुरक्षित तरीके से उसे ट्रैंकुलाइज कर उपचार प्रक्रिया शुरू की। दुधवा टाइगर रिजर्व के पशु चिकित्सक, रेस्क्यू टीम और पार्क मैनेजमेंट संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचे।

ट्रैंकुलाइज करने के बाद चिकित्सकों ने गैंडे के शरीर पर बने घावों की सफाई की, दवाओं का इंजेक्शन दिया और संक्रमण रोकने के लिए एंटीबायोटिक उपचार किया। टीम के अनुसार गैंडा विजय की स्थिति नियंत्रण में है और वनकर्मियों की निगरानी में उसे लगातार मॉनिटर किया जा रहा है।

दुधवा में उपचार के दौरान चिकित्सक टीम के बीच घायल गैंडा विजय। ● अमृत विचार

- ट्रैंकुलाइज कर किया गया सफल उपचारपशु चिकित्सकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाई जान

दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर ने देर शाम बताया कि गैंडा विजय का उपचार सफल रहा है। उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर आगे भी चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि दुधवा में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए पार्क प्रबंधन लगातार सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति में रेस्क्यू दस्ता तुरंत सक्रिय हो जाता है। दुधवा टाइगर रिजर्व में गैंडे वन्य जीव संरक्षण के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। इसी के चलते वन विभाग उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर विशेष योजनाओं के तहत काम करता है। गैंडा विजय के उपचार के बाद वन्यजीव प्रेमियों ने राहत की सांस ली है।

जंगल लाइफ ट्रस्ट ने कराई प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार: जंगल लाइफ ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने नये बाईपास पर ग्लोबल इंटर कॉलेज में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता कराई है। जंगल लाइफ ट्रस्ट के आयोजक रवींद्र कुमार सिंह, संस्थापक/अध्यक्ष पुष्पेंदर सिंह के संरक्षण में ग्लोबल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, जंगल लाइफ के कार्यक्रम अधिकारी निमित्त वर्मा तथा विभिन्न विद्यालयों से आए अध्यापकों के सहयोग से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता कराई गई। आयोजकों ने बताया कि परीक्षा परिणाम 21 दिसम्बर को घोषित किया जाएगा और जंगल लाइफ द्वारा खेल टूर्नामेंट द फर्स्ट विंटर गेम्स 2025/26 का आयोजन 28 दिसंबर को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम बसलीपुर में होगा, जिसमें 11 से 25 वर्ष वर्ष के किशोर, युवक और युवतियां महिला भाग ले सकेंगे।

डीएम ने किया सैनिक स्मारिका का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को जिला मुख्यालय देशभक्ति की भावनाओं से सराबोर रहा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का प्रतीक ध्वज लगाया और प्रतीक चिह्न भेंट किया। डीएम ने सैनिक स्मारिका का विमोचन भी किया। डीएम ने शहीदों के परिजनों और वीर सेनानियों के सम्मान में सहयोग राशि प्रदान की। वहीं 1965 के भारत-पाक युद्ध की हीरक जयंती पर निदेशालय सैनिक कल्याण, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी स्मृति चिह्न भी उन्हें सौंपा गया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को हृदय से प्रणाम करते हुए कहा कि देश-देशवासियों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले वीरों के परिवारों के कल्याण के लिए सहयोग करने का यह दिन है।

सैनिक स्मारिका का विमोचन करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

- झंडा दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर धनंजय प्रसाद सिंह ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मोटर वाहनों में लगने वाले कार ध्वज तथा प्रतीक ध्वज वितरित किए जाते हैं। वितरण द्वारा संग्रहित राशि से शहीद सैनिकों के आश्रित परिजनों, दिव्यांग सैनिकों, पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण व पुनर्वास से संबंधित आर्थिक सहायता योजनाएं संचालित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था तब बनाई गई थी, जब देश की, सेना की, और सैनिकों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। आज स्थिति काफी बेहतर है। फिर भी सेना के अटूट मनोबल को और सफल बनाने के प्रति जन जन की प्रचुर भावना को सैनिक कल्याण के साथ समेकित करने की इस व्यवस्था को कायम रखना आवश्यक है।

आयुष महानिदेशक ने शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर के पौराणिक शिव मंदिर में रविवार दोपहर बाद आयुष विभाग की महानिदेशक, जिले की नोडल अधिकारी ने एसडीएम के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक, दर्शन, पूजन कर गोकर्ण तीर्थ के पास कराए जा रहे कॉरिडोर सौंदर्यीकरण के निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में रविवार दोपहर बाद आयुष महानिदेशक चैत्रा वी, एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह के साथ पौराणिक शिव मंदिर पहुंची। शिव मंदिर में पंडित रामदेव मिश्रा शास्त्री, पंडित शिवम मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, पूजन कराया। इस दौरान महानिदेशक, जिले की नोडल अधिकारी ने एसडीएम से कॉरिडोर निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी की। कोतवाल अंबर सिंह, राजस्व निरीक्षक अरुणेश मिश्रा, लेखपाल अनिल त्रिपाठी, रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में पूजा करतीं चैत्रा वी।

क्रिकेट में देवीपुर की टीम 20 रन से विजयी

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: पलिया रोड स्थित मैदान में रविवार को पलिया क्रिकेट टूर्नामेंट कमेटी द्वारा आयोजित की गई क्रिकेट प्रतियोगिता का आरंभ समाजसेवी आलोक मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया।

उद्घाटन मैच पलिया और देवीपुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें देवीपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 रन से जीत दर्ज की। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देवीपुर टीम के खिलाड़ी गोलू को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच के दौरान मैदान में रोमांच और उत्साह का माहौल देखने को मिला। खिलाड़ी खेल भावना के साथ मैदान में उतरे, वहीं दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान आयोजक मंडल की ओर से सभासद मनोज गुप्ता, शिवांग पांडे, सोनू पाल और हरकमल ने माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पांडेय, रविन्द्र गुप्ता, संजय शर्मा, अरविंद पाल, शावान सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि समाजसेवी आलोक मिश्रा।

- दर्शकों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया

मुख्य अतिथि आलोक मिश्रा ने कहा कि यदि भविष्य में जनता ने सेवा का अवसर दिया, तो पलिया में आधुनिक खेल मैदान या स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिल सके।

आग से रुपये सहित घरेलू सामान जलकर राख

बिलहरी, अमृत विचार: हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव बांसगांव निवासी रमाशंकर पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपने तीन बच्चों व पत्नी के साथ पास ही दूसरे कमरे में सोए थे। 7 दिसम्बर की सुबह चार बजे अचानक कंडों में आग लग गई। देखते ही देखते कमरे मे रखे गन्ना बेचकर लाए 30 हजार रुपये सहित तीन बोरी गेहूं, रजाई, गद्दा, चारपाई आदि घरेलू सामान जलकर राख हो गया, जिससे उन्हें हजारों का नुकसान हुआ है। परिजनों ने पास में लगी पानी की टंकी को चलाकर आग पर काबू पाया, तब तक सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने मौका मुआयना किया है। रविवार सवेरे ही गृहस्वामी ने रंजिशन आग लगाने की तहरीर थाना हैदराबाद में दी है।

महिला थाना में काउंसलरों ने 8 दंपतियों की सुलह कराई

महिला थाना में काउंसलिंग करते काउंसलर व पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- परिवार परामर्श केंद्र की पहल ने टूट रहे रिश्तों को जोड़ा

अमृत विचार: महिला थाना में रविवार को महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने काउंसलरों की मदद से 15 पारिवारिक मामलों में दोनों पक्षों के बीच संवाद कराया। आपसी सहमति के बाद 8 दंपतियों में सुलह कराई।

परामर्श केंद्र में दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह और साथ रहने से जुड़े विवादों का निस्तारण कराया। दो मामले न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण दोनों पक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अगले चरण की कार्रवाई करेंगे। शेष मामलों में अगली तिथि लगाई गई है। काउंसलिंग टीम में कुसुम गुप्ता, कय्यूम जरवानी, नीति गुप्ता आदि रही।

खेती-किसानी | आईसीएआर पूसा नई दिल्ली का प्रतिष्ठित किसान सम्मान आज मिलेगा

नवाचार की मिसाल : अचल बने मिलेनियर फार्मर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ के मड़ई पुरवा गांव के प्रगतिशील किसान अचल कुमार मिश्रा ने यह साबित कर दिया कि यदि खेती को परंपरा की चौखट से निकालकर विज्ञान और नवाचार से जोड़ा जाए, तो खेती न केवल लाभदायक बन सकती है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी दिला सकती है। इसी सोच और प्रयोगशीलता का परिणाम है कि उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), पूसा नई दिल्ली एवं कृषि जागरण द्वारा प्रदान किया जाने वाला देश का अत्यंत प्रतिष्ठित मिलेनियर फार्मर किसान सम्मान मिला, जिसे सोमवार को उन्हें प्रदान किया जाएगा।

यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली में सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथों मिलेगा। इस सम्मान ने न केवल लखीमपुर खीरी का नाम देशभर में रोशन किया है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए भी एक गौरवपूर्ण अवसर बना है। अचल कुमार मिश्रा लंबे समय से उन्नत और वैज्ञानिक गन्ना खेती के लिए जाने जाते हैं। खेती को वे केवल आजीविका नहीं, बल्कि शोध और नवाचार का एक खुला प्रयोगशाला मानते हैं। इसी प्रयोगशीलता ने उन्हें गन्ने के साथ गेंदा (मैरीगोल्ड) की सहफसली खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। गन्ने के साथ गेंदा लगाना क्षेत्र के किसानों के लिए किसी क्रांतिकारी मॉडल से कम नहीं है। इससे खेत में नमी संरक्षण बढ़ा, खरपतवार नियंत्रण हुआ, कीट प्रबंधन आसान हुआ और सबसे अहम एक ही भूमि से दोहरी आमदनी का रास्ता खुला। अचल मिश्रा ने गेंदा फसल को एक प्रयोग नहीं, बल्कि व्यावहारिक और सफल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया, जिसे आज आसपास के सैकड़ों किसान अपना रहे हैं। उनकी सोच ने किसानों में आत्मविश्वास भरा है कि थोड़े साहस और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती को उच्चस्तरीय व्यवसाय में बदला जा सकता है।

अचल कुमार मिश्रा।

जिले के लिए प्रेरणा, किसानों के लिए नई राह: अचल मिश्रा की सफलता ने तराई क्षेत्र के किसानों में एक नई ऊर्जा भर दी है। कृषि विशेषज्ञ भी उनके मॉडल को आधुनिक खेती का प्रभावी उदाहरण बता रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि बताती है कि नवाचार से खेती बदलती है। बदलाव से पैदावार बढ़ती है और पैदावार से किसान का भविष्य सुरक्षित होता है।

सम्मान सिर्फ व्यक्ति का नहीं, कृषि समुदाय का सम्मान

मिलेनियर फार्मर किसान सम्मान ऐसे किसानों को दिया जाता है, जिन्होंने कृषि क्षेत्र में नई दिशा दी हो, नवाचार किया हो और देशभर के किसानों के लिए आदर्श रूप में उभरे हों। इस सम्मान के लिए चुना जाना किसी भी किसान के लिए बड़े गौरव की बात है। अचल मिश्रा का चयन यह संदेश देता है कि गांव की मिट्टी से उठने वाला किसान भी अपने संकल्प और मेहनत से राष्ट्रीय मंच पर बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है।

हिस्ट्रीशीटरों पर पुलिस की सख्ती

मितौली,अमृत विचार: थाना मितौली में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक महेश पाठक ने क्षेत्र के सभी हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की बैठक बुलाई। बैठक में प्रभारी निरीक्षक ने चेतावनी देते हुए कहा कि कानून तोड़ने की किसी भी कोशिश पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई भी व्यक्ति बाहरी या आपराधिक प्रवृति का लगता है तो उसकी सूचना तुरंत मुझे दें। आपकी जानकारी गोपनीय रखी जायेगी। पुलिस की इस सख्ती के बाद क्षेत्र के आपराधिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। थाने में मौजूद अधिकारियों ने सभी हिस्ट्रीशीटरों के पुराने रिकॉर्ड की समीक्षा की और उन्हें भविष्य में किसी भी अवैध गतिविधि से दूर रहने को कहा। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस सक्रियता को सराहनीय बताते हुए इसे क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में मजबूत कदम बताया है।

सीएमओ ने किया मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में चल रहे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लगुचा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरवा नानकार का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने:पंजीकरण प्रक्रिया, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, दवा वितरण व्यवस्था, लैब जांच सुविधाएं, लाभार्थियों को प्रदत्त स्वास्थ्य परामर्श आदि व्यवस्थाएं देखीं।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक लाभार्थी को सहज, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान की जाए तथा जांच, दवा और चिकित्सा परामर्श में कतई ढिलाई न की जाए। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला आमजन तक सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की राज्य सरकार की प्राथमिक पहल है। ऐसे में सभी केंद्रों पर निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाफ को स्वच्छता बनाए रखने, मरीजों के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार करने और रजिस्टर व रिकॉर्ड में पारदर्शिता रखने के निर्देश दिए। उन्होंने लाभार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी संतुष्टि और सेवा गुणवत्ता संबंधी फीडबैक भी लिया।

जन आरोग्य केंद्र पर स्वास्थ्यकर्मियों को दिशा-निर्देश देते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

- स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही न बरतने के दिए निर्देश

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,8 दिसंबर 2025

खीरी

न्यूज ब्रीफ

युवक से मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जहानपुर निवासी मंजीत जायसवाल ने बताया कि चार दिसंबर की रात 8 .30 बजे उसका भाई आकाश कार से पंजाबी कॉलोनी रोड होकर घर जा रहा था। तभी सामने से अचानक चाट का ठेला लेकर निकले काशीराम आवास कॉलोनी निवासी सक्षम उर्फ अनिकेत और सतीश ने ठेला उनकी कार के सामने कर दिया। जब आकाश ने ठेला हटाने को कहा तो वह गाली गलौज करने लगे। करछुल से गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। कुछ अज्ञात लोगों ने उसे जान से मार देने के इरादे से करछुल लेकर उसके सिर पर कई बार वार किया, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने काशीराम आवास कॉलोनी निवासी सक्षम उर्फ अनिकेत, सतीश, एकता मेडिकल स्टोर व पड़ोस के मेडिकल स्टोर के कर्मचारी व कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवादित भूमि पर रास्ता बनाने को लेकर मारपीट

सिंगाही, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अयोध्यापुरवा निवासी बाबू सेख ने बताया कि सिन्हौना चौराहे पर स्थित उसका पालेसर लगभग 30 वर्षों से है। जिसका जमीन को लेकर एक विवाद जयपाल यादव व शारदा प्रसाद से चल रहा है, जो न्यायालय में विचाराधीन है। शनिवार की सुबह करीब 8 :30 विपक्षी जयपाल यादव, शारदा यादव, संजय व नसीमुद्दीन ने उसकी पालेसर की घेराबंदी तोड़ दी। जबरदस्ती रास्ता बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली गलौज व मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंजन चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

निघासन, अमृत विचार : पढुआ पुलिस ने इंजन चोरी की घटना का रविवार को खुलासा कर दिया। घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थाना क्षेत्र के राम नगर बगहा के मजरा छेदी पुरवा निवासी बाबू खान के खेत में बोरिंग पर बंधा इंजन बीती 15 नवम्बर को चोर खोल ले गए थे। पुलिस चोरों की तलाश में थी। इंस्पेक्टर विवेक कुमार उपाध्याय के मुताबिक पुलिस ने मिंझिरिया गांव निवासी रंजीत और पंकज को गिरफ्तार कर इंजन बरामद किया है।

12 वर्षों से संचालन न होने से वीरान खाद गोदाम

गांव में सुविधा होते हुए भी 20 किलोमीटर दूर जाने को विवश किसान, किसानों में खासा आक्रोश

संवाददाता,मूड़ा सवारान

अमृत विचार: क्षेत्र के भदेड गांव में बना गन्ना सहकारी समिति गोदाम का बुरा हाल है। कई वर्षों से इस भवन में न तो खाद का वितरण किया गया है और न ही कोई कर्मचारी यहां तैनात है। वीरान पड़े इस भवन को आज भी कर्मचारियों का इंतजार है। जन प्रतिनिधियों और प्रशासन की बेरुखी के चलते सरकारी भवन का जीर्णोद्धार होना तो दूर की बात है, किसानों को खाद के लिए इधर से उधर भटकना पड़ रहा है। समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद मयस्सर न होने के कारण किसानों के खेतों की पैदावार पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। जिससे किसानों में खासा आक्रोश है। वहीं लाखों की लागत से बनी बिल्डिंग आज गांव के बीच खड़ी लोगों को मुंह चिढ़ा रही है।

विकास खंड बिजुआ की ग्राम पंचायत भदेड़ में किसानों की सुविधा के लिए बनाया गया गन्ना समिति गोला का खाद गोदाम आज के समय में किसी के काम नहीं आ रहा है। भदेड के खाद गोदाम पर कई वर्षों पूर्व गन्ना सोसाइटी गोला की तरफ से खाद वितरित की जाती थी। इस खाद गोदाम से दर्जनों गांवों के लोग अपने खेतों में डालने के लिए खाद ले जाते थे। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि आसपास के गांवों के किसानों के लिए समय पर खाद आसानी से उपलब्ध हो जाया करती थी। लेकिन समय के थपेड़ों के साथ धीरे-धीरे इस खाद गोदाम पर कर्मचारियों का आना बंद होता चला गया, जिसके बाद इस खाद गोदाम से किसानों को खाद मिलना भी बंद हो गई। जिसके चलते आज के समय में यह गन्ना समिति का खाद गोदाम क्षेत्र के किसानों के लिए मात्र सफेद हाथी बन कर रह गया है।

खाद गोदाम से खाद न मिलने पर किसानों को 20 किलोमीटर गोला जाकर खाद लाना किसी चुनौती से कम नहीं है। किसान उदयपाल, सुरेंद्र, विक्रम, हरिकेश, दीनदयाल, मोहनलाल, रामखेलावन, सूरज, पंकज, रमेश मुकेश आदि ने बताया कि कई बार गन्ना सोसाइटी के सचिव से खाद गोदाम पर कर्मचारियों की तैनाती कर खाद उपलब्ध कराने की मांग की परंतु किसानों की समस्या का किसी भी अधिकारी द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया।

क्षेत्र के भदेड गांव में बना गन्ना सहकारी समिति का गोदाम वीरान से पड़ा हुआ है। गोदाम भवन का रख रखाव न होने के कारण जहां तहां प्लास्टर छूटकर गिर गया है। चारों ओर से बड़ी-बड़ी घास उग आई है।

कर्मचारियों के अभाव में खंडहर हो रहा भदेड का खाद गोदाम। ● अमृत विचार

● सचिव बोले चोरी के डर से नहीं खुल पा रहा खाद गोदाम

खाद को मोहताज किसान

खाद गोदाम पर किसानों को नियमित खाद मिलनी चाहिए, लेकिन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जिससे मजबूरन किसानों को अन्य जगहों से खाद लेनी पड़ रही है। -**मुकेश कुमार पाल**

गन्ना समिति खाद गोदाम पर कभी खाद लेने वाले क्षेत्रीय किसानों की भारी भीड़ उमड़ती थी, लेकिन उपेक्षा के कारण आज यह खाद गोदाम किसी के काम का नहीं रह गया है । -**राम स्वरूप कश्यप**

खाद गोदाम कई वर्षों से बंद है। गांव सहित क्षेत्रीय किसानों को खाद के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे चालू करने की तरफ किसी भी जिम्मेदार का ध्यान नहीं है। -**जहेंद्र कुमार वर्मा**

किसानों के सुविधा के लिए स्थापित खाद गोदाम आज स्वयं सुविधा का मोहताज है। उपेक्षा के कारण आलम यह है कि खाद गोदाम भवन धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो गया है। -**आनंद सिंह**

खाद गोदामों में चोरी हो जाती है। पहले गोदाम पर सुरक्षाकर्मी रहते थे, जो रात में प्रहरी के रूप में रखवाली करते थे। उनका पद समाप्त हो गया। नए पद नहीं हो रहे हैं। स्टाफ में कमी आ गई है। भदेड में गोदाम सुरक्षित नहीं है। जो गोदाम सुरक्षित हैं वह संचालित हो रहे हैं। -**बलवंत चौधरी**, सचिव गन्ना समिति गोला

4 पुरुष एवं 256 महिलाओं ने कराई नसबंदी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 21 नवंबर से 4 दिसंबर तक मनाए गए पुरुष नसबंदी पखवाड़े में जनपद में चार पुरुषों सहित 256 महिलाओं की नसबंदी कराई गई। इस अवधि में परिवार नियोजन संबंधी अन्य सेवाएं भी प्रदान की गईं।

परिवार नियोजन प्रबंधक पद्माकर त्रिपाठी ने बताया कि सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित पखवाड़े के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया जा रहा है।

इस अभियान में चार पुरुषों की नसबंदी, 256 महिलाओं की नसबंदी, 317 महिलाओं में कॉपर-टी की स्थापना, 398 अंतरा इंजेक्शन का प्रयोग, 1455 माला-एन तथा 1190 छाया गोलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. आरएम गुप्ता ने बताया कि एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव जाकर सेवाएं प्रदान की हैं। जिला चिकित्सालय के सर्जन ने सुरक्षित नसबंदी प्रक्रियाओं को संपन्न कराया। साथ ही आम जनमानस में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है।

● गांव-गांव पहुंची परिवार नियोजन की सेवाएं

सीएमओ ने बताए परिवार नियोजन के लाभ

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने आम लोगों के परिवार नियोजन के लाभ बताए। उन्होंने बताया कि पुरुष नसबंदी पखवाड़े के तहत ग्रामीण अंचलों तक परिवार नियोजन के लाभ नव दंपति सहित आम जनमानस को बताए गए हैं, जिनमें परिवार का आर्थिक, स्वास्थ्य और सामाजिक रूप से बेहतर विकास, माता-पिता तथा बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, बच्चों में कुपोषण, मातृ मृत्यु और शिशु मृत्यु के जोखिम में कमी, महिलाओं को स्वस्थ अंतराल और सुरक्षित मातृत्व का अवसर, दंपतियों के जीवन स्तर में सुधार है। परिवार नियोजन न केवल मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि बेहतर और सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है।

परिनिर्वाण दिवस पर निकाला कैंडिल मार्च

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार : आंबेडकर भवन और कस्ता आंबेडकर पार्क में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस मौके पर सैकड़ों लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होकर कैंडिल मार्च निकाला और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में सचिन सिंह नितिन ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी उतने ही धारदार हैं, जितने स्वतंत्रता संघर्ष के समय थे। उनके बताए मूल मंत्र और मौलिक अधिकारों की सही पहचान ही हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्थान है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर जी का संदेश, शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा है। सभा में मौजूद कई वक्ताओं ने कहा कि यदि आज अंबेडकर साहब हमारे बीच होते, तो शायद हमारा सामाजिक और शैक्षिक उत्थान कई गुना बेहतर होता। कार्यक्रम में लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर और दो मिनट का मौन रखकर बाबा साहब को नमन किया।

श्रद्धांजलि सभा में पुत्तू लाल गौतम, अनुराग भास्कर सहित बहुजन समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। सभी ने बाबा साहब के विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग। ● अमृत विचार

● बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

छेड़छाड़ कर घर से निकालने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना पढुआ क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने पति व अन्य ससुरालीजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि उसके जेठ भगोले ने कई बार उसके साथ गलत नीयत से छेड़खानी की और मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाए। शिकायत करने पर पति और अन्य परिजनों ने उल्टा उसे ही पीटा और धमकाया। जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बाहर निकाल दिया। वह किसी तरह से मायके पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। आरोप है कि उसने पहले थाना पढुआ और महिला थाना में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन न तो उसकी एफआईआर दर्ज हुई और न ही उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। इस पर वह तीन दिन पहले एसपी संकल्प शर्मा से मिली थी। एसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीईटी के विरोध में सांसद को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किए जाने के विरोध में उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई है।

रविवार को शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सांसद से मुलाकात की और शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। ज्ञापन में संघ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने पांच वर्ष से अधिक समय से सेवारत शिक्षकों को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के आदेश दिए हैं। इसी आदेश में 03 सितंबर 2001 तक के नियुक्ति शिक्षकों को मुक्त किए जाने की बात कही गई है। साथ ही आदेश में यह भी कहा गया है कि शिक्षा अधिकार अधिनियम तथा संशोधित अधिनियम 10 अगस्त 2017 के अनुसार देश के सभी बेसिक शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किया जाना है।

ऐसी स्थिति में देश और उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षक नौकरी जाने की आशंका से परेशान हैं। 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना के पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी लागू न करने, सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अध्यादेश लाने आदि की मांग की है। सांसद उत्कर्ष वर्मा ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि वह मुद्दे को संसद और संबंधित मंत्रालयों में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी निर्णय ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे पहले से कार्यरत कर्मचारियों पर प्रतिकूल असर पड़े। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला महामंत्री जय सिंह, अजय तिवारी, राहुल पांडेय, अभिषेक मिश्रा, कैलाश कश्यप मौजूद रहे।

सांसद को ज्ञापन देते शिक्षक संघ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● शिक्षक संघ ने सांसद से मिलकर शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

मिर्जागंज में सरकारी भूमि पर कराया मकान निर्माण

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव मिर्जागंज में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण का मामला सामने आया है। पुलिस ने हल्का लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हल्का लेखपाल निवासी त्रिपाठी ने बताया कि संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में श्रेणी-5 नवीन परती के रूप में दर्ज है और चकबंदी के दौरान इसे आबादी हेतु सुरक्षित किया गया था। इस भूमि के जुज भाग पर नवल किशोर पुत्र गंगाराम, ओरीलाल पुत्र मायाराम और हरनाम पुत्र नंदराम ने आवासीय निर्माण कर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कई बार चेतावनी भी दी, लेकिन आरोपियों ने कब्जा नहीं हटाया। गाटा संख्या 462/0.077 हेक्टेयर के जुज भाग पर अरबाज व वासिद पुत्र हामिद और हामिद पुत्र अमजद ने अवैध रूप से मकान बना लिया है और उसमें रह रहे हैं। एतराज जताने के बावजूद कब्जा यथावत बना हुआ है। आरोपियों के पास कब्जे से संबंधित कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। कोतवाल महेश चंद्र ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच एसआई अर्जुन कुमार को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मेड़बंदी तोड़कर कब्जे का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना पढुआ के गांव अभयपुर निवासी अनिल कुमार अवस्थी ने बताया कि उसकी भूमि को लेकर लंबे समय से राजस्व विवाद चल रहा था। एसडीएम धौरहरा के आदेश पर 19 जुलाई 2025 को राजस्व अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में खेत का सीमांकन कर पिलर और तार लगाकर पक्की मेड़बंदी करा दी गई थी। आरोप है कि गांव के ही समसुद्दीन और उसके पुत्र सरफुद्दीन, मुनीर, मैफूज और इकरामुद्दीन ने मौके पर पहुंचकर लगाए गए पिलर और तार उखाड़कर फेंक दिए। विरोध करने पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी दी। रास्ते वाले हिस्से में टटिया लगाकर खेत में जबरन जुताई भी कर दी

मां अन्नपूर्णा रसोई के दो वर्ष पूरे, दानदाता सम्मानित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर के गोकर्ण तीर्थ स्थिति नीलकंठ मैदान में संचालित मां अन्नपूर्णा रसोई के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित वार्षिकोत्सव में सभी दानदाताओं को समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया।

नीलकंठ मैदान में हुये वार्षिकोत्सव का शुभारंभ अंजनी शरणजी महराज, रोहितानंदजी महराज, पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। सम्मान समारोह में सभी दानदाताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अंजनी शरण जी महाराज ने कहा परमार्थ के कार्यों में ईश्वर भी साथ देता है और अन्य लोगों को परमार्थ के कार्यों को करने की प्रेरणा भी मिलती है। कलयुग में अन्नदान को ही प्राण दान कहा गया है। रसोई संचालक रसोई सेवा समिति के अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने जरूरतमंदों की सेवा के दो वर्ष पूरे होने पर दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस ईश्वरीय कार्य में भविष्य में सभी का सहयोग अपेक्षित है। विशिष्ट अतिथि वृंदावन के रोहितानंदजी महराज ने कहा कि भजन के विविध रुप है। नरसेवा, स्वध्याय, गुरु आज्ञा पालन, गरीबों, असहायों एवं जरुरतमंदों की सेवा ही सच्चा भजन है।

गोला में अन्नपूर्णा रसोई की दानदाता के माता पिता को सम्मानित करते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू। ● अमृत विचार

● दानदाताओं ने दिए 17 लाख 78 हजार 572 रुपये

गौरव ज्ञान त्रिपाठी ने रसोई संचालन की रूपरेखा रखी। कोषाध्यक्ष आदर्श सोनी ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए बताया 17 लाख 78 हजार 572 रुपये की कुल आय हुई, जिसमें 17 लाख सात हजार 527 रुपये खर्च हुए। मां अन्नपूर्णा

ऑस्ट्रेलिया से स्वाति शर्मा अन्नपूर्णा रसोई में कर रहीं दान

सोशल मीडिया के माध्यम से मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया में कार्य कर रही पलिया की मूल निवासी स्वाति शर्मा ने मां अन्नपूर्णा रसोई में दान किया। उनके पिता शैलेश शर्मा और उनकी माता सुनीता शर्मा को पालिका अध्यक्ष ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मां अन्नपूर्णा रसोई सेवा समिति के महामंत्री समाजसेवी सत्यप्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी, मंत्री विकास मिश्रा, मंत्री दिनेश मिश्रा, समाजसेवी केशव अग्रवाल, भाजपा नेता विश्वनाथ सिंह, केके गुप्ता, श्याममूर्ति शुक्ला, शिवकुमार बाजपेयी आदि मौजूद रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE

द्वारा IVF कैम्प

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर

RISAA IVF Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त

दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार

समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-

★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में

विशेषतायें:-

★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :

IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

पशुओं को रेडियम पट्टे पहनाने का अभियान शुरू

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: दयानिधि फाउंडेशन एवं गोला टूरिज्म संगठन द्वारा संयुक्त रूप से पशु जीवन रक्षा अभियान के तहत पशुओं के गले में रेडियम पट्टे पहनाने की मुहिम शुरू की गई।

गोला टूरिज्म संगठन के सचिव इंजीनियर मिलिंद शुक्ला ने बताया कि दोनों संगठनों का उद्देश्य नगर में बेसहारा गोवंश एवं कुत्तों को रेडियम पट्टे पहनाना है, जिससे धुंध में दुर्घटना से पशु बच सकें। बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 500 की संयुक्त संख्या में बेसहारा गोवंश एवं कुत्तों को रेडियम पट्टा पहनने का लक्ष्य है। इस अभियान से नगर में अंदर विचरण कर रहे बेसहारा पशुओं की संख्या भी संगठन को ज्ञात हो जाएगी, जिससे उनके संरक्षण के प्रयास किए जा सकेंगे। बताया कि अभियान की कोई भी निश्चित अंतिम तिथि नहीं है।

नगर के बेसहारा पशु के गले में रेडियम पट्टे पहनाने तक यह अभियान गतिशील रहेगा। दयानिधि फाउंडेशन गौ रक्षा, पशु चिकित्सा, पशु अंत्येष्टि से लेकर उनके संरक्षण का कार्य कर रही है। गोला टूरिज्म संगठन अपने विभिन्न अभियानों, कार्यक्रमों एवं आयोजनों से जन, समाज एवं युवा कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही है, जिसमें दयानिधि फाउंडेशन के अभिषेक शुक्ला का भी सहयोग मिलता है।

● नगर में छुट्टा घूमने वाले पशुओं की संख्या भी पता चल जाएगी

एसडीएम के आदेश पर की नाले की सफाई

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचार: बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुकरा के मजरा सलेमपुर में एसडीएम के आदेश पर नाला की जलीझाड़ सफाई कराई गई है, इससे लोगों में खुशी है।

बांकेगज के पूर्व ब्लाक प्रमुख इफ्तखार उर्फ गुड्डू ने अपने कार्यकाल में पक्के नाले का निर्माण कराया था, ताकि लोगों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। नाला की सफाई न होने से मलबा भर जाने से जल निकासी बाधित हो जाने के कारण मजरा के निकट कुकरा से ग्रंट नंबर 3 को जाने वाले प्रमुख मार्ग पर बदबूदार एवं संक्रामक रोगों से युक्त प्रदूषित पानी से गुजरने को क्षेत्र के वाशिंदे मजबूर थे।

जनमानस की समस्या को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबरों को संज्ञान में लेते हुए

सलेमपुर में नाला की सफाई करती जेसीबी। ● अमृत विचार

● अमृत विचार की मुहिम लाई रंग, खबर का हुआ असर

एसडीएम ने ब्लॉक के अधिकारी को फटकार लगाते हुए तत्काल ग्राम पंचायत अधिकारी अशोक कुमार राणा, प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन उर्फ सिम्मी को निर्देश दिया कि तत्काल जेसीबी से नाले की तलीझाड़ सफाई करके अवाम को जलभराव से निजात दिलाई जाये। एसडीएम के आदेश पर आनन फानन में जेसीबी मंगाकर नाले की तलीझाड़ सफाई कराकर अवाम को जलभराव से निजात दिलाई, इससे लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

न्यूज ब्रीफ

मवेशी चोर सक्रिय दो भैंस चोरी

मैगलगंज, अमृत विचार : कोहरे की शुरुआत होते ही मवेशी चोरों की घटनाएं शुरू हो गई हैं। जलालपुर गांव निवासी राजेंद्र दीक्षित की तीन में से दो भैंस शनिवार की रात चोर चुरा ले गए। पशु पालक सुबह उठे तो दो भैंस गायब मिली। पीड़ित ने भैंस चोरी की तहरीर पुलिस को दी है। इससे पूर्व भी औरंगाबाद चौकी क्षेत्र में मवेशी चोरी की कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला की हालत गंभीर

तिलहर, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विवाहित महिला ने किसी बात को लेकर घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। सुबह करीब 8 बजे अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन घबराकर उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

किसान नेता के बाबा के निधन पर जताया शोक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय किसान मज़दूर संगठन (सरदार वीएम सिंह) के तहसील महासचिव सचिन मिश्रा के बाबा राम आसरे मिश्रा का रविवार को देहांत हो गया। वह 90 वर्ष के थे। सचिन मिश्रा ने बताया कि उनके बाबा राम आसरे मिश्रा का अंतिम संस्कार सोमवार, 8 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे गांव सतवां बुजुर्ग तहसील पुवायां में होगा।

दो दिन में स्कूलों में पहुंच जाएंगे प्रश्नपत्र

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले के परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 10 दिसम्बर से होना है। विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीएसए के मुताबिक, अगले दो दिनों में परीक्षा के प्रश्नपत्र एबीएसए के माध्यम से स्कूलों में पहुंच जाएंगे। उत्तर पुस्तिकाएं खरीदने समेत स्टेशनरी की व्यवस्था में प्रधानाध्यापक जुटे हैं। उत्तर पुस्तिकाएं खरीदने के लिए प्रति छात्र 3 से 4 रूपए कम्पोजिट ग्रांट के रूप में उपलब्ध कराए जाते हैं। अगले दो दिनों में परीक्षा की तैयारी कराने का प्रधानाध्यापकों पर दबाव है। में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में एबीएसए को लगाया गया है। दो दिनों में एबीएसए के माध्यम से स्कूलों में पहुंच जाएंगे।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की गई जान

युवक की बाइक डिवाइडर से टकराने और ई-रिक्शा से टकराकर बाइक सवार मिस्त्री की मौत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

मृतक नफीस अली।

मृतक दुर्गेश शुक्ला।

- आठ माह पहले ही दुर्गेश का हुआ था विवाह

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला अर्जुन नगर कॉलोनी में उस समय चीख पुकार मच गई, जब सीतापुर से घर लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उधर, हैदराबाद थाना की अजान चौकी क्षेत्र में अजान घरथनिया मार्ग पर इमलिया मोड़ पर ई-रिक्शा में तेज रफ्तार बाइक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई।

नगर की लखीमपुर रोड स्थित अर्जुन नगर कॉलोनी गेट के पास निवासी दुर्गेश शुक्ला उर्फ सोनू (26) पुत्र वेद प्रकाश शुक्ला सीतापुर में श्रीराम इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत थे। शनिवार 6 दिसंबर की शाम 4.45 बजे वह सीतापुर जनपद के नेपालपुर ओवरब्रिज पर से अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे सड़क पर गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आई और हेलमेट चकनाचूर हो गया। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने दुर्गेश को मृत घोषित कर दिया। सीतापुर पुलिस ने उसके पास पाए गए मोबाइल से परिजनों को फोन कर सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव नगर स्थित उनके घर पहुंचने पर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक दुर्गेश का अभी आठ माह पहले अप्रैल 2025 में लखीमपुर से विवाह हुआ था, जिसके आकस्मिक निधन से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रविवार दोपहर मुक्ति धाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक तीन भाई बहनों में सबसे छोटा था। उसका बड़ा भाई आनंद शुक्ला उर्फ सोनू अधिवक्ता हैं और बड़ी बहन सोनी का कुछ वर्ष पूर्व विवाह हो चुका है।

केशवापुर। हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव परसेहरा निवासी नफीस अली (45) राजगिरी मिस्त्री का काम करता था। वह अपनी बाइक पर सवार होकर रविवार की सुबह गोला काम करने जा रहा था। इमलिया गांव के मोड़ के पास ई-रिक्शा से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नफीस अली उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। घटना के बाद चालक ई-रिक्शा सहित भाग निकला। राहगीरों ने घायल नफीस को निजी वाहन से इलाज के लिए गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि नफीस अली अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे और वे मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह अपने पीछे पत्नी रुखसाना, तीन बेटे, तीन बेटियां छोड़ गए हैं। नफीस अली की तीनों लड़कियों की शादी हो चुकी है। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागी पुरस्कृत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: केकेवी कंपटीशन क्लासेज द्वारा ग्लोबल इंटर कालेज में हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मोहम्मदी रोड बाईपास स्थित ग्लोबल इंटर कॉलेज में हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में गोला पुलिस और वॉलिंटियर टीम ने नजर रखकर निष्पक्ष प्रतियोगिता संपन्न कराई। प्रतियोगिता में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि क्राइम इंस्पेक्टर संतोष कुमार, केकेवी कंपटीशन क्लासेज के विवेक कुमार द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम श्री श्याम दीवाने सेवा समिति के महामंत्री अजय गुप्ता, अलीम अली फौजी, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक मौजूद रहे।

विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देते अतिथि।

त्रिलोकपुर में सफाई व्यवस्था ठप, सड़क पर फैल रहा पानी

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: त्रिलोकपुर ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। सफाई कर्मचारी के न आने से नालियां गंदगी से भर चुकी हैं और पानी सड़कों पर फैल रहा है। इससे लोगों का घर से निकलना और रहना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार पलिया-निघासन मुख्य मार्ग व नौगवां कस्बे को जाने वाली सड़क के किनारे बनी नालियां सबसे ज्यादा जाम हैं। लगातार बह रही गंदगी के कारण सड़क पर फिसलन और दुर्गंध फैल रही है।लोगों का कहना है कि जिला पंचायत सदस्य गीता देवी के आवास के पास भी स्थिति बेहद खराब है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब जनप्रतिनिधि के घर के पास की नालियां नहीं साफ हो रहीं, तो बाकी ग्रामीण क्षेत्रों का हाल कितना गंभीर होगा। गांव वासियों ने बताया कि नालियों के बनने के बाद से उनकी सफाई केवल एक-दो बार ही कराई गई। पिछले एक वर्ष से बिल्कुल सफाई नहीं हुई है, जिसके चलते गंदा पानी जगह-जगह जमा होकर बीमारी फैलने का खतरा बना रहा है। कई बार ग्राम प्रधान से सफाई कराने की मांग की, लेकिन उनकी शिकायत पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गंदगी से बजबजा रही नाली।

दुर्गंध फैलाने वाली नालियों के पास ही प्राथमिक विद्यालय है, जहां रोज दर्जनों बच्चों का आना-जाना होता है। ग्रामीणों का कहना है कि गंदगी के बीच बच्चों का पढ़ना और स्कूल तक पहुंचना बेहद दिक्कत भरा हो गया है। ग्राम प्रधान दयावती लोधी ने बताया कि दो वर्षों से ग्राम पंचायत में सफाई कर्मचारी नहीं है। इसके लिए विभाग को कई बार पत्र भेजा है। सफाई कर्मचारी की नियुक्ति होते ही सफाई कराई जाएगी।

कुछ नई और कुछ पुरानी पुस्तकों का हुआ विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। ● अमृत विचार

पलिया कलां,

अमृत विचार: साहित्यकार ओमप्रकाश सुमन की पुस्तक कुछ नए कुछ पुराने का विमोचन रविवार को बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। नगर के चिकित्सक डॉ. एके कपूर व पलिया चीनी मिल के यूनिट हेड ओपी चौहान दीप प्रज्ज्वलित कर पुस्तक कुछ नए कुछ पुराने का विमोचन किया।

इस मौके पर राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ल, पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता, बलदेव वैदिक कॉलेज के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट डोरी लाल भार्गव, डॉ. निर्मला सिक्रावर, मुकुट बिहारी मिश्र, राम वचन तिवारी, आरपी सिंह चौहान, रोटेरियन विजय महेंद्रा, संपूर्णानगर के डॉ. एआई खान आदि ने सुमन को उनकी विविध विषयों पर आधारित लेखों वाली आठवीं पुस्तक के लोकार्पण अवसर पर बधाई दे, पुस्तक की प्रशंसा की। संचालन कवि विजय मिश्र ने किया।

निरीक्षण करने पहुंचीं सीडीओ, पंचायत घर पर मिला ताला

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह शनिवार को ग्राम पंचायत इन्देपुर कांट के निरीक्षण के लिए पहुंचीं। मौके पर पंचायत भवन पर ताला मिला। कार्यालय बंद पाकर वह वापस लौटीं। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर सचिवालय के रूप में कार्य करने वाला पंचायत कार्यालय बंद होना अत्यन्त गंभीर मामला है। उन्होंने जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश दिए। ग्राम पंचायतों में सेवाओं का सुचारू संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान बंद मिला पंचायत घर।

स्व. अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट आरंभ

गोला में फुटबॉल टूर्नामेंट का फीता काटकर उद्घाटन करते भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह।

स्व. राजेंद्र गिरि स्टेडियम में फुटबॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया मैच का उद्घाटन

अमृत विचार: नगर के पब्लिक इंटर कॉलेज स्थित स्व. श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में रविवार को स्व. अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। खिलाड़ियों के जोश और दर्शकों के उत्साह के बीच आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने फीता काटकर किया।

उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें परिचय परेड में शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह में टूर्नामेंट के संरक्षक एवं विधायक अमन गिरि, विशिष्ट अतिथि सत्यप्रकाश अग्रवाल, मधुसूदन गिरि, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष दीपक पुरी, ब्लॉक प्रमुख कुम्भी विमल वर्मा, वीरेंद्र भूषण, अजय गिरि, विनय गुप्ता रिंकू सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर खेल की शुरुआत कराई। संचालन टूर्नामेंट कमेटी के उप कोषाध्यक्ष, पूर्व सभासद पंकज गुप्ता ने और कमेंट्री राजेंद्र निषाद, आयुष शुक्ला ने की।

उद्घाटन मुकाबले में गोला स्टेडियम टीम की जीत

टूर्नामेंट के पहले मैच में एफसी बहराइच और गोला स्टेडियम गोला की टीमें आमने-सामने हुईं। रोमांच और संघर्ष से भरे इस मुकाबले में गोला स्टेडियम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1-0 से जीत दर्ज की। विजयी गोल ने दर्शकों में उत्साह भर दिया और स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

दूसरा मैच बराबरी पर, आज सुबह होगा निर्णय

दिन का दूसरा मुकाबला एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला और भुटवल नेपाल के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया, लेकिन निर्धारित समय तक मैच बराबरी पर ही रहा। निर्णय न निकलने के कारण मैच को रद्द कर दिया गया। अब यह मुकाबला सोमवार को दोबारा खेला जाएगा।

यात्रा के दौरान चालक नहीं चलाएंगे फोन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बस अड्डे पर खड़ी रोडवेज की बसें। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ठंड बढ़ते ही रोडवेज प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। रोडवेज बस अड्डे की व्यवस्था, बसों की फिटनेस और चालक-परिचालकों के कार्य व्यवहार की जांच के लिए निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान कई कमियां सामने आईं, जिन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए अब बस चालक यात्रा के समय मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं कर पाएंगे।

नए नियम के अनुसार बस रवाना होने से पहले चालक अपना मोबाइल रोडवेज कर्मियों के पास जमा कराएंगे और यात्रा पूरी होने पर ही वापस मिलेगा। यदि कोई चालक बस संचालन के दौरान मोबाइल पर बात करते पकड़ा गया तो कार्रवाई तुरंत होगी। यही नियम एसएमएस-सिटी बस चालकों पर भी लागू रहेगा। आरएम अरुण कुमार के निर्देश पर एआरएम रमेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने बस अड्डे का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की थी।

जांच के बाद उन्होंने बताया कि कोहरे वाले मौसम को देखते हुए रात में चलने वाली सभी बसों पर अतिरिक्त रेडियम पट्टियां लगाई जाएंगी ताकि सड़क पर उनकी दृश्यता बढ़ सके। साथ ही फाग लाइट, टायर, वाइपर और इंजन की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई। बसों में फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रखने के आदेश दिए गए।

पेंशन पुनरीक्षण पर विचार विमर्श

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक लोदीपुर स्थित लान में सम्पन्न हुई। बैठक में केन्द्रीय 8 वें वेतन आयोग की परिधि से जनवरी-2026 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षकों, पेंशनरों को छोड़े जाने से प्रदेश ही नहीं पूरे देश के करोड़ों पेंशनरों में चिन्ता व असंतोष है। जिसके संदर्भ में आगामी 15 दिसम्बर को प्रान्तीय आह्वान पर धरना प्रदर्शन ज्ञापन कार्यक्रम तय है। जिसमें जिलाध्यक्ष अजय सिंह वर्मा ने प्रतिभाग करने की अपील की है। बैठक में अजयसिंह वर्मा, एम एम ए खान, जागेश कुमार पाली, सुशील सक्सेना, राम किशोर शर्मा, केके अग्निहोत्री, प्रतापनारायण अवस्थी, खालिद मजीद, रामसेवक शर्मा, रामदास भास्कर आदि थे।

बिहार के किसानों ने नवाचारों का निरीक्षण किया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

गंगानगर कृषि फार्म पर अंत :फसल मॉडल का अवलोकन करते किसान दल के सदस्य। ● अमृत विचार

- 40 सदस्यीय दल ने की सराहना किसानों ने अंत :फसलों को व्यवहारिक लाभदायक बताया

अमृत विचार: गंगानगर स्थित कृषि फार्म पर आज गन्ना शोध परिषद के प्रसार अधिकारी डॉ. संजीव पाठक के साथ बिहार के 40 सदस्यों का दल पहुंचा, जहां उन्होंने फार्म पर हो रहे विविध नवाचारों का निरीक्षण किया। दल ने गन्ने के साथ टमाटर, गेंदा, शिमला मिर्च, चुकंदर, लहसुन, मटर, ब्रोकली, फूल गोभी, बंद गोभी, चना, मसूर, सरसों, काला आलू, लाल आलू तथा पतली मिर्च की अंत:फसली खेती के प्रयोगों को करीब से देखा। साथ ही मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम, सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई, वेदर स्टेशन, ड्रैगन फ्रूट, काली हल्दी सहित समस्त गन्ना प्रजातियों का विस्तृत अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान किसानों एवं दल के सदस्यों ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की तथा फार्म पर अपनाए गए मॉडल को बेहद उपयोगी बताया। फार्म के नवाचार, स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली और मल्टीलेयर पॉलीहाउस तकनीक से वे विशेष रूप से प्रभावित हुए।

सभी सदस्यों ने कहा कि वे भी इसी तरह गन्ने के साथ अंत:फसली खेती अपनाकर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में कदम उठाएंगे। दल ने फार्म प्रबंधन को विहार आने का निमंत्रण भी दिया।

देखभाल

दुधवा में स्वास्थ्य व प्रबंधन पर विशेष कार्यशाला, विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक रहे शामिल

आधुनिक तकनीक से की हाथियों के स्वास्थ्य की जांच

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के दक्षिण सोनारीपुर रेंज के सलूकापुर स्थित हाथी कैंप में बुधवार को पालतू हाथियों के स्वास्थ्य मूल्यांकन एवं प्रबंधन पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्देश्य हाथियों के व्यवहार, स्वास्थ्य समस्याओं, देखभाल एवं आधुनिक चिकित्सा तौर-तरीकों पर महावतों और वन विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी पालतू हाथियों की विधिवत स्वास्थ्य जांच के साथ हुई। जांच विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों की टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से शरीर के तापमान, पैर व दांतों की स्थिति, त्वचा रोग, पोषण स्तर, वजन, शारीरिक परिवर्तनों तथा सूक्ष्म लक्षणों की गहन जांच की। कार्यशाला में मुख्य विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित वन्यजीव एसओएस के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. इलाया राजा ने महावतों, चाराकटरों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने हाथियों के प्राकृतिक स्वभाव, असामान्य व्यवहार, तनाव के संकेत, भोजन में बदलाव, थकान, आक्रामकता या अस्वस्थता के अन्य लक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. राजा ने बताया कि पालतू हाथियों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित जांच, चारा-पानी की गुणवत्ता, स्वच्छता, त्वचा की देखभाल, पंजों और दांतों की समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महावतों को यह भी समझाया कि हाथियों के साथ निरंतर संपर्क और उनके व्यवहार में छोटे बदलावों को पहचानना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, क्योंकि वही सबसे पहले किसी समस्या को नोटिस कर सकते हैं। कार्यशाला में वन विभाग और वन्यजीव एसओएस की संयुक्त टीम मौजूद रही। जिनमें प्रमुख रूप से उप निदेशक डॉ. इलाया राजा, वन्य जीव विशेषज्ञ डॉ. राहुल, श्री श्रिष्ट पचौरी, दुधवा के उप निदेशक जगदीश आर., उपप्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पांडे, डॉ. दयाशंकर एवं मोहम्मद तलहा, संदीप, दक्षिण सोनारीपुर के रेंजर सुरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

दुधवा में हाथियों के प्रबंधन की कार्यशाला के दौरान अधिकारी, पशुचिकित्सक आदि। ● अमृत विचार

आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से की गई जांच : जांच टीम ने थर्मल स्कैनिंग, अल्ट्रा मॉनिटरिंग, चोटों का मूल्यांकन, पोषण विश्लेषण और त्वचा रोग परीक्षण जैसी आधुनिक विधियों का उपयोग किया। जांच के बाद हाथियों में पाए गए कुछ लक्षणों के आधार पर तत्काल चिकित्सा प्रदान की गई और आगे के प्रबंधन के सुझाव भी दिए गए।

हाथी संरक्षण व प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : दुधवा टाइगर रिजर्व में पालतू हाथी संरक्षण हमेशा से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहा है। यह कार्यशाला न केवल महावतों और फील्ड स्टाफ के कौशल को मजबूत करती है, बल्कि हाथियों की दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी अत्यंत जरूरी है।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, बिजली गुल

तिलहर, अमृत विचार : रविवार सुबह नगर में पूर्वी तिराहे के पास एक ट्रांसफॉर्मर में भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बिजली सप्लाई बंद कराकर आग पर काबू पाया। आग लगने से कस्बे के कई मोहल्लों की बिजली गुल हो गई। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है।

ट्रांसफार्मर से उठतीं लपटें।

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

अस्पताल में महिला की मौत, हत्या का आरोप

बरेली, अमृत विचार : एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके परिवार के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। आंवला के रसूला गांव निवासी गीता देवी की शादी सुभाषनगर क्षेत्र के रामचंद्रपुर करमैना निवासी दिनेश पाठक से हुई थी। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी के साथ मारपीट कर उसे गोली खिला दी गई। जिसके बाद उसे बदायूं रोड पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार शाम महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला की मारपीट कर हत्या का आरोप

बरेली,अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वंशीनगला निवासी देवी ने बताया कि उसने अपनी बेटी लता की शादी रिठौरा निवासी धर्मेंद्र से की थी। आरोप है कि धर्मेंद्र आए दिन लता से मारपीट करता था।

स्वामी रामभद्राचार्य बोले, नहीं बनेगी देश में बाबर के नाम से मस्जिद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद को लेकर किया तीखा प्रहार

कार्यालय संवाददाता, संभल

श्री कल्कि पुराण कथा प्रवचन के दौरान रामभद्राचार्य महाराज। • अमृत विचार

अमृत विचार: कल्कि धाम में चल रही कल्कि पुराण कथा के अंतिम दिन जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार किया। कहा कि ममता बनर्जी ने विष वमन किया है। ममता 300 नहीं 3 हजार करोड़ दे दें तब भी देश में आक्रांता के नाम पर मस्जिद नहीं बनेगी। इस बार पश्चिम बंगाल में ममता की सरकार नहीं बचेगी।

स्वामी रामभद्राचार्य ने कठोर शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी को वह अपनी बहन नहीं कह सकते। उन्होंने उन्हें जयचंद, मोहम्मद गौरी और मोहम्मद गजनी जैसों की विचारधारा से प्रेरित बताते हुए उनकी बहन बताया। कहा कि ममता बनर्जी का 300 करोड़ रुपये से बाबरी मस्जिद बनाने का बयान महज वोट बटोरने का नाटक है। यह भी कहा कि अब ममता बनर्जी और उनके बीच सीधी टक्कर हो गई है। ममता को राष्ट्रविरोधियों पर ममता है, जबकि उन्हें भारत माता पर।

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि संविधान सबको अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है, इसलिए मस्जिद बनाने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन किसी आक्रांता के नाम से कोई धार्मिक स्थल नहीं बन सकता। कहा कि बाबरी मस्जिद तो 1992 में ढहा दी गई थी, वह अब लौटकर नहीं आएगी। मस्जिद बनानी है तो अब्दुल रहीम खानखाना या एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्वों के नाम पर बनाई जाए, इससे किसी को आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में रहकर, भारत का भोजन और पानी ग्रहण कर, पाकिस्तान या किसी विदेशी विचारधारा का गुणगान करना सहन नहीं किया जाएगा। रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि भगवान कल्कि का संदेश है-अन्याय और राष्ट्र विरोध के खिलाफ खड़े होइए। स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे प्राचीन समय में संभल से भगवान कल्कि का क्रांति घोड़ा मलेच्छों के वध के लिए चला था, वैसे ही आज भी भारत विरोधी शक्तियों के दमन का बिगुल संभल से ही बज रहा है।

2028 में होगी श्री कल्कि की प्राण प्रतिष्ठा: रामभद्राचार्य महाराज ने कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम से कहा कि सभी के सहयोग से कल्कि धाम का निर्माण पूरा होगा। उन्होंने अभी 11 लाख दिया है लेकिन आगे भी आवश्यकता होगी तो वह देंगे। उन्होंने कल्कि धाम में भगवान श्री कल्कि की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि की घोषणा करते हुए कहा कि 2028 में वैशाख मास की शुक्ल प्रतिपदा की 26, 27 व 28 तारीख को भगवान श्री कल्कि की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने पूछा कि वह उनके इस संकल्प को पूरा कर पायेंगे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने हामी भरी तो रामभद्राचार्य ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वह कल्कि पुराण कथा करेंगे और आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

संत ही उठा सकते हैं राष्ट्र उद्धार का दायित्व

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि मंडलेश्वर या महामंडलेश्वर होना संतत्व की परिभाषा नहीं है, संत वही है जो समाज को दिशा देता है और चरित्र निर्माण करता है। कहा कि कुछ लोग कहते हैं संत राजनीति में क्यों आते हैं। यदि राजनीति में संत नहीं आएंगे तो क्या पापियों और अत्याचारियों को आना चाहिए? संत राजनीति में रहें, मार्गदर्शन दें, पर पद पाने की आकांक्षा नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, "हम तो परमात्मा के प्रतिनिधि हैं, जीवन भर वही रहेंगे। हम पद लेने वाले नहीं, किंगमेकर हैं। चरित्र को समाज का मूल तत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि आज भारतवासी अपना चरित्र संभाल नहीं पा रहा है।

बीजेपी वोटों को कटवा रही, करेंगे संघर्षः संजय सिंह

बरेली,अमृत विचारः आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह रविवार को सुरेश शर्मा स्थित आवास विकास कालोनी में पार्टी के रुहेलखंड प्रांतीय कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक 'वोट बचाओ-संविधान बचाओ' पदयात्रा की तैयारियों पर चर्चा की। इसके बाद प्रेसवार्ता में भाजपा पर तीखा हमला किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में करोड़ों मतदाताओं के वोट पर खतरा मंडरा रहा है।

पूरे प्रदेश में सुनियोजित साजिश के तहत मतदाता सूची में भारी गड़बड़ियां की जा रही हैं। आरोप लगाया कि बिहार में 70-70 हजार वोट एक विधानसभा से काट दिए और अब यूपी में भी हजारों वोट काटने की साजिश चल रही है। वोट बचाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे।संजय सिंह ने दावा किया लखनऊ, जौनपुर और रामपुर में वोट काटने से जुड़ी गड़बड़ियां के प्रमाण उनके पास हैं। आंकड़े चौंकाने वाले हैं, इसका 11 दिसंबर तक खुलासा होगा। इस वोट डकैती के खिलाफ ही पार्टी 21 से 26 दिसंबर तक छह दिवसीय पदयात्रा निकालेगी, जो रामपुर, मुरादाबाद और अमरोहा जिलों को कवर करेगी। इस दौरान रामपुर, मुरादाबाद, पाकवाड़ा और अमरोहा में चार बड़ी जनसभाएं होंगी। सांसद ने कहा एसआईआर जैसी कार्रवाई का उपयोग कर मतदाताओं को डराया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा आक्रमण है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर असली मतदाताओं को सूची से बाहर किया जा रहा है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष को हिस्ट्रीशीटर ने दी हत्या की धमकी

संवाददाता, सीबीगंज(बरेली)

- सीबीगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की
- पूर्व जिलाध्यक्ष के अधिवक्ता भाई से भी रंगदारी मांगी

अमृत विचारः भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पूरन लाल लोधी को हिस्ट्रीशीटर ने हत्या करने और धज्जियां उड़ा देने की धमकी दी है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं पूरन लाल लोधी के अधिवक्ता भाई से भी रंगदारी मांगी है। पूरन लाल लोधी ने सीबीगंज थाने में और अधिवक्ता भाई ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूर्व जिलाध्यक्ष ने पुलिस पर खेल कर आईटी एक्ट और रंगदारी की धारा हटाकर क्राइम इंस्पेक्टर को विवेचना न देकर दरोगा को देने का आरोप लगाया है।

सीबीगंज थाना क्षेत्र के अटरिया गांव निवासी पूरन लाल लोधी ने बताया कि वह भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हैं। वह प्रदेश के पिछड़ा मोर्चा में भी रह चुके हैं। उन्हें फोन कॉल कर हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर सुभाष लोधी ने हत्या की धमकी दी। सुभाष लोधी ने कार में बैठकर एक वीडियो बनाकर वायरल किया जिसमें वह कह रहा है कि अपने पिता सोमपाल लोधी और साथी हिस्ट्रीशीटर वंश राजपूत को साथ मिलकर उनकी हत्या करने के इरादे से आया है। वह कह रहा है कि भाजपा का बड़ा नेता बनता है, उसके ऊपर मुकदमे लगवाता जा रहा है और मदद नहीं कर रहा है। मुकदमों की पैरवी के लिए तू रुपये नहीं देगा तो कौन देगा। तू जो 10-20 हजार रुपये देता है उससे हमारा कुछ नहीं होता है। हमारे मुकदमों का खर्चा तुझे उठाना होगा वरना हत्या कर देंगे। पूरनलाल लोधी ने बताया कि उन्होंने घर से झांककर देखा तो सुभाष लोधी ने उनके तहेरे भाई की पत्नी और बच्चों को रास्ते में घेर रखा था। उन्होंने तुरंत दरवाजा बंद कर लिया। पूरनलाल के मुताबिक सुभाष लोधी गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर है। वह स्मैक व चरस का नशा करने का आदी है।

कनपटी पर तमंचा सटाकर मांगी रंगदारी

पूरनलाल लोधी के अधिवक्ता भाई मोहन स्वरूप लोधी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 4 दिसंबर की दोपहर करीब 3 बजे वह रूपराम और छेदालाल के साथ कार से कचहरी जा रहे थे। जैसे ही वह सिटी सब्जी मंडी पहुंचे तभी सुभाष लोधी ने अपनी कार उनकी कार के दाहिने ओर लगा दी। सुभाष ने उनकी कनपटी पर तमंचा तानकर दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी और धमकी दी कि पैसे न देने पर पूरे परिवार की हत्या कर देगा। उसके साथ वंश राजपूत और तीन अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोप लगाया कि शाम करीब 6 :30 बजे एडीएम कंपाउंड में खड़ी उनकी कार में तोड़फोड़ भी की गई। धमकी भरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। कोतवाली पुलिस ने मोहन स्वरूप की तहरीर पर सुभाष लोधी, वंश राजपूत और तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुनौआ विकास खण्ड पसगवां-खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26 दिनांक: 06.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुनौआ में वर्ष 2025-2026 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 08.12.2025 से 22.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत सुनौआ के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है , प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 22.12 .2025 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	प्रा. की अनु. लागत
1.	अनिल पाल के मकान से रामवीर के मकान तक नाली व इंटरलाकिंग कार्य	ईट, मौरंग, गिट्टी, बालू, लोकल बालू, सीमेंट, इण्टरलाकिंग, खड़ंजा ईट, मिट्टी, इत्यादि	789273.00
2.	सरकारी अस्पताल के खड़ंजे से अरुण के मोटर तक खड़ंजा कार्य		821052.00

कुलदीप राठौर (सचिव) अमजद (प्रधान)

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 1154 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 29.11.2025

–: मैनुअल निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण) :–

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधान परिषद सदस्य (एम0एल0सी0) – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	डहरपुर में का यात्री शेड निर्माण कार्य (दातागंज)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
2.	बदायूँ	म्याऊँ पुलिस चौकी के निकट तिराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
3.	बदायूँ	अलापुर में थाने के पास यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
4.	बदायूँ	अलापुर में मैनरोड़ पर उसावां की तरफ यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
5.	बदायूँ	इस्लामनगर में मैनरोड पर यात्री शेड निर्माण कार्य (इस्लामनगर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
6.	बदायूँ	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
7.	बदायूँ	चामुण्डा चौराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 10.12.2025 से 26.12.2025 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि/समय :– दिनांक 27.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ/कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली/कार्यालय जिलाधिकारी, बदायूँ।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 27.12.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे ।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए विभागीय वैबसाईट http://upred.gov.in पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

UP – 241975 दिनांक: 05/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

रेस्टोरेंट में आग लगने से नुकसान

बरेली,अमृत विचारः इज्जतनगर क्षेत्र में रविवार शाम एक रेस्टोरेंट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया तो पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

बैरियर-2 के पास रविवार शाम रनवे बेकवुड रेस्टोरेंट में आग लग गई। रेस्टोरेंट में अधिकतर लकड़ी लगी हुई थी, जिससे आग तेजी के साथ फैलती चली गई। आग देखकर रेस्टोरेंट में मौजूद लोग बाहर निकलकर भागे।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म–मैसर्स कौशकी इण्टर प्राइजेज कृष्णा नगर कलोनी शाहजहाँपुर यूपी 242001 (पंजीकरण संख्या : SHA/0012808) फर्म में 02 साझेदार कीर्ती गुप्ता, पूजा गुप्ता थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 06.12.2025 को फर्म में एक नये साझेदार संजय मिश्रा शामिल किये गये हैं अब फर्म में कुल 03 साझेदार कीर्ती गुप्ता, पूजा गुप्ता व संजय मिश्रा है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

कीर्ती गुप्ता - साझेदार
मैसर्स कौशकी इण्टर प्राइजेज
कृष्णा नगर कालोनी शाहजहाँपुर

दुकान में लगी आग

बरेली: बरेली कॉलेज के पास स्टेशनरी और रजाई-गद्दे की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से काफी नुकसान हो गया।

एक्सप्रेस-वे से जोड़ने को बरेली-मथुरा हाईवे के लिए भूमि अर्जन कार्य 50 प्रतिशत पूरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली सीमा में 21 गांवों की 35.2759 हेक्टेयर भूमि अर्जन की जा रही
- एनएच-530बी के बरेली सीमा में निर्माण के लिए 30.4115 हेक्टेयर भूमि निजी होगी

अमृत विचारः गंगा एक्सप्रेस-वे से बरेली को जोड़ने के लिए बरेली-मथुरा हाईवे के अंतर्गत बरेली सीमा में फोरलेन हाईवे निर्माण करने की कवायद तेज हो गयी है।

बदायूं की सीमा से लेकर चौबारी तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-530बी फोरलेन निर्माण के लिए 21 गांवों के हजारों किसानों की भूमि अर्जन करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर चल रही है। करीब 35.2759 हेक्टेयर भूमि में से 50 प्रतिशत भूमि अर्जन करने के लिए किसानों के खाते में रकम भेजी जा चुकी है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय किसानों को अर्जन भूमि का मुआवजा दिलाने के लिए तेजी से फाइलें पास करा रहा है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि धारा थ्री-डी की कार्रवाई के बाद फोरलेन हाईवे के लिए 21 गांवों की भूमि अर्जन की जा रही है। उन्होंने बताया कि कैमुआ की निजी भूमि 0.0540 हेक्टेयर, अखा मुस्तकिल की 0.1689 हेक्टेयर निजी व 0.0190 हेक्टेयर सरकारी भूमि, निताेई की 0.2106 हेक्टेयर भूमि, हिम्मतपुर ताहरपुर की 2.7244 हेक्टेयर, खेड़ा की 1.8979 हेक्टेयर निजी व 0.0304 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भमौरा की 5.8891 हेक्टेयर निजी व 0.4140 हेक्टेयर सरकारी भूमि, नकटपुर की 1.3706 हेक्टेयर निजी व 0.2192 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सरदार नगर की 0.5238 हेक्टेयर निजी व 0.0593 हेक्टेयर सरकारी भूमि, अंगूरी की 0.6636 हेक्टेयर निजी व 2.4999 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। देवीपुर की 5.3178 हेक्टेयर निजी व 0.2374 हेक्टेयर सरकारी भूमि, आलमपुर जाफराबाद की 0.3397 हेक्टेयर निजी व 0.1361 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चकरपुर की 4.8331 हेक्टेयर निजी व 0.2039 हेक्टेयर सरकारी भूमि, देवचरा की 4.0589 हेक्टेयर निजी व 0.1637 हेक्टेयर सरकारी भूमि, बाहनपुर की 0.0373 हेक्टेयर निजी व 0.1227 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सिरोही की 0.2682 हेक्टेयर निजी व 0.0080 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चाढ़पुर की 0.4864 हेक्टेयर निजी व 0.0266 हेक्टेयर सरकारी भूमि, मकरंदपुर धाराजीत की 0.2457 हेक्टेयर निजी व 0.0407 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सैदपुर कनी की 0.5788 हेक्टेयर निजी व 0.1555 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चौबारी मुस्तकिल की 0.6267 हेक्टेयर निजी व 0.1714 हेक्टेयर सरकारी भूमि, यूसुफपुर की 0.0020 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भगवानपुर ठाकुरान गांव की 0.2097 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि कुल 35.2759 हेक्टेयर भूमि अर्जन होगी, इसमें 30.4115 हेक्टेयर निजी भूमि और 4.722 हेक्टेयर सरकारी भूमि शामिल है।

खादी उत्पाद प्रदर्शनी सात दिन में 1.25 करोड़ का कारोबार

बरेली,अमृत विचार : बिशप मंडल इंटर कॉलेज के मैदान में चल रही खादी एवं ग्रामोद्योग स्वावलंबन महोत्सव प्रदर्शनी में विभिन्न प्रदेशों के उत्पाद छाए हुए हैं। स्टॉलों से उत्पाद खरीदने के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। इससे व्यापारियों के चेहरे खिल उठे हैं। पिछले सात दिनों में प्रदर्शनी में 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार हो चुका है।

प्रदर्शनी में यूपी समेत आठ राज्यों के तमाम कारोबारियों ने स्टॉल लगाए हैं। लोगों के सेहत से जुड़े उत्पाद भी हैं। जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एक दिसंबर से यह प्रदर्शनी चल रही है। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि अब तक करीब 1:25 करोड़ रुपये का कारोबार हो चुका है। 10 दिसंबर तक प्रदर्शनी संचालित होगी। ऐसे में इन आखिरी दिनों में बिक्री में और इजाफा होने की उम्मीद है। वैसे पिछले दो दिनों से ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। विभाग ने 2.5 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। कारोबारियों के अनुसार अब कारोबार बढ़ रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 337/न.पा.परि.बी./2025-26 **ई-निविदा सूचना** दिनांक 02.12.2025

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णाक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में चीनी मिल की पुलिया से शफी डिग्री कॉलेज तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	3848538.00	65250.00	4550.00	3 माह
2.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में जुनैद स्टेशनरी स्टोर से अली मैरिज हॉल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य	3597264.00	61000.00	4250.00	3 माह
3.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में अली हसन की दुकान से हॉस्पिटल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण का कार्य	2997880.00	50850.00	3350.00	3 माह
4.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में वारसी कालोनी से सिटी हॉस्पिटल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण का कार्य	3678577.00	62350.00	4350.00	3 माह
5.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में निशा गर्ल्स इण्टर के आगे से जमाल बिल्डिंग मैटेरियल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	3860464.00	65450.00	4600.00	3 माह
6.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में डॉ. भूरा मैरिज हॉल से मुन्ना जनसेवा केन्द्र तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	2746236.00	46600.00	3250.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 08.12.2025 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 29.12.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 30.12.2025 प्रात: 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC-ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत
अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि. बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/2194 दिनांक: 05.12.2025

निविदा सूचना

पेराई सत्र 2025-26 के उपरांत ब्वायलिंग हाउस एवं अन्य स्थानों में स्क्रैपिंग शुगर व धुलाई कार्य हेतु अनुभवी पार्टियों से दिनांक 15.12.2025 तक रू. 4000/- धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 236/- प्रति जमा करने के उपरांत निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन पर आवश्यकतानुसार निगोसियेशन भी किया जाता सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तत्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवपुरी ब्लाक मझगवां, बरेली

पत्रांक : 03/ग्रा.पं./निविदा सूचना/2025-26 दिनांक 8.12.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम शिवपुरी विकास खंड मझगवां जनपद बरेली वित्तीय वर्ष 2025-26 के 15वां वित्त/5वा वित्त आयोग के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्य सीसी रोड निर्माण/इटरलॉकिंग निर्माण कार्य/नाला निर्माण कार्य/अन्य निर्माण कार्य हेतु सीमेन्ट, ईट, रोड़ा, सरिया, बजरी, रेता, टाईल्स, इंटरलॉकिंग ब्रिक, मिट्टी, पाईप इत्यादि सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल तथा पहुंचाने हेतु सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा आमंत्रण दिनांक 08.12.2025 से 10.12.2025 शाम चार बजे तक ग्राम पंचायत निविदा बाक्स में डाली जा सकती है। निविदा खोलने का समय 10.12.2025 को शाम 5 बजे तक रहेगा। निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का समस्त अधिकार ग्राम पंचायत को होगा। निविदा की शर्त एवं विवरण पत्र में अंकित है जिसे ग्रा. पं. कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दाताओं को जी.एस.टी., फर्म रजिस्ट्रेशन पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। सामग्री घट/बढ़ सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदा मूल्य	कार्य की अवधि
1.	रामौतार के घर से राकेश घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	71834	500रू.	2 माह
2.	सोपाली के घर से सियाराम के घर तक इण्टरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य	83268	500रू.	2 माह
3.	धीरज के घर से रामबहादुर के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	83383	500रू.	2 माह
4.	मैन रोड से शिवम के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499962	500रू.	2 माह
5.	वीर सिह के घर की गली व नेतराम, राहुल के घर की गली तक इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य	140014	500रू.	2 माह
6.	जियालाल के घर की गली व महीपाल व कृष्णचन्द्र व बादाम सिंह के गली में इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	132824	500रू.	2 माह
7.	तेजपाल के घर से सूरजपाल के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	96272	500रू.	2 माह
8.	शेर सिंह के घर से भूप सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	114477	500रू.	2 माह
9.	मैन रोड से वीरपाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499500	500रू.	2 माह
10.	रमेश के घर से शिवदयाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499100	500रू.	2 माह
11.	रिषिराज के घर से चन्द्रपाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499700	500रू.	2 माह

भागवती-ग्राम प्रधान प्रियदर्शन यादव-सचिव

अब नदियों पर बनेंगे 11 मीटर चौड़े पुल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- साढ़े सात मीटर में बनेगी सड़क दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर का फुटपाथ भी बनाया जाएगा

अमृत विचारः प्रदेश में अब नदियों और बड़े नालों पर बनने वाले टू लेन पुलों को नए मानक के तहत न्यूनतम 11 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। सेतु निगम ने पुलों के डिजाइन में बड़ा बदलाव करते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में सभी नए पुल इसी मानक के अनुसार तैयार होंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि पुल पर पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों के लिए भी सुरक्षित रास्ता उपलब्ध रहेगा। जिले में नए मानक के तहत मीरगंज और फरीदपुर में पुल बनेंगे।

सेतु निगम से मिली जानकारी के मुताबिक नई डिजाइन के अनुसार पुल की मुख्य सड़क 7.50 मीटर चौड़ी होगी, जबकि दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया जाएगा। अभी तक जो व्यवस्था है, उसमें अधिकतर टू लेन पुलों की चौड़ाई लगभग आठ मीटर होती है। इनमें सड़क और रेलिंग के बीच मुश्किल से आधा मीटर की जगह बचती है। ऐसे में पैदल या बाइक सवार को बड़े वाहनों के बीच से निकलने में अक्सर जोखिम उठाना पड़ता है।इंजीनियरों के अनुसार नई नीति के तहत फुटपाथ बढ़ने से न सिर्फ सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात का प्रवाह भी सुगम होगा। बढ़ी हुई चौड़ाई के कारण पुल पर भारी वाहनों का क्रॉसिंग भी और अधिक सुरक्षित व सहज हो सकेगा। यही नहीं नई नीति के तहत आरई (रिटेनिंग) वॉल की चौड़ाई भी बढ़ाई जाएगी, ताकि पुल की मजबूती और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित हो सके।

पुराने मानक पर्याप्त नहीं, इसलिए बदलनी पड़ी व्यवस्था

सेतु निगम के डीपीएम अरुण कुमार बताते हैं कि बदलती यातायात जरूरतों और बढ़ते दबाव को देखते हुए पुराना मानक अब पर्याप्त नहीं रह गए थे। इसलिए पुलों की आधारभूत संरचना में यह सुधार आवश्यक था। बरेली में मीरगंज के नरखेड़ा में भाखड़ा पुल और फरीदपुर के टिसुआ में प्रस्तावित पुल नए डिजाइन का उदाहरण होगा। इसके निर्माण से क्षेत्र को न सिर्फ बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, बल्कि आगे बनने वालों के लिए यह मानक स्थापित भी हो जाएगा।

प्रदेश के परिवहन ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

सरकार का 'सुरक्षित सड़क मिशन' तेज, हाई रिस्क जिलों में इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार ने अब जमीनी बदलाव की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने अत्याधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारियों को हरी झंडी दे दी है। मुख्य सचिव की बैठक में कई महत्वपूर्ण पूंजीगत और राजस्व योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

इस कवायद से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी और ट्रैफिक अनुशासन में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरों में ट्रैफिक मॉनिटरिंग को डिजिटल रूप देने के प्रयास तेज हैं। लखनऊ के महत्वपूर्ण चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 4.96 करोड़ रुपये, जबकि मुरादाबाद और बलिया में 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल नियम उल्लंघन की निगरानी होगी, बल्कि शहरों में रीयल-टाइम ट्रैफिक कंट्रोल, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया और अपराध रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान

सड़क हादसों पर नियंत्रण योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। इसी लक्ष्य से डीआरएससी मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने के लिए 25 हाई रिस्क जिलों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इन उपकरणों के जरिए ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे नियम उल्लंघन पर स्वत : ई-चालान जारी होंगे।

इंटरसेप्टर वाहनों से बढ़ी सख्ती

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में स्वीकृत 19 .95 करोड़ रुपये में से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। ये वाहन अब हाईवे और शहरों के प्रमुख मार्गों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, 18 के-इन-मोशन सेंसरों की स्थापना के लिए 14 .05 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिससे ट्रकों की ओवरलोडिंग पर सटीक कार्रवाई होगी।

लखनऊ : जय नारायण पीजी कॉलेज से क्लैट की परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

11 जिलों में 17 केंद्रों पर हुई क्लैट परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विधि स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) का आयोजन देश भर में रविवार को किया गया। जबकि यूपी के लखनऊ समेत कुल 11 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया। लखनऊ में कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर क्लैट की परीक्षा सम्पन्न हुई। सर्वाधिक अभ्यर्थी डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों में जाने के लिए लंबी लाइनें लगीं, जिसमें घंटों तक परीक्षार्थी प्रतीक्षा के बाद चेकिंग के बाद गए। परीक्षा का आयोजन कन्सोर्टियम ऑफ एनएलयू द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया है।

देशभर में कुल 173 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 92,344 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। यूपी के 11 जिलों में 17 केंद्रों पर परीक्षा हुई, जिसमें 14,578 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। लखनऊ क्षेत्र में कुल 5365 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 153 अनुपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक के मैनेजर व चपरासी पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो ने ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक के प्रबंधक व चपरासी के खिलाफ रिश्वत मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में आजमगढ़ के गहाजी निवासी किसान ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई अधिकारी के मुताबिक आजमगढ़ के गहाजी निवासी विशाल कुमार ने शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया कि आजमगढ़ स्थित ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक की दुर्वाषा शाखा से उन्होंने 2 .52 लाख रुपये का केसीसी सीमा का आवेदन किया था। इसे मंजूरी दे दी गई। इसकी पहली किस्त उनके खाते में आ गई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने चपरासी विश्राम के माध्यम से ऋण राशि के 10 प्रतिशत की दर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। पीड़ित ने इसकी शिकायत की तो जांच में सामने आया कि बैंक के शाखा प्रबंधक के चपरासी द्वारा मांगे जाने वाली रिश्वत की पुष्टि हुई।

प्रोग्रेसिव खेती के टिप्स देंगे मास्टर ट्रेनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अब किसानों को आय का साधन और प्रोग्रेसिव खेती की टिप्स देने को मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने जा रही है। ये मास्टर ट्रेनर्स किसानों के बीच से ही विकसित किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा अभियान चलेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कम लागत में अधिक लाभ कमाने का हुनर सिखाया जाएगा। अभियान सोमवार से ही शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। बाद में जिलास्तरीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 9 से 10 दिसंबर के बीच चलेगा। इसी कड़ी में आगे भी कार्यक्रम चलेंगे। अभियानों के आयोजन के लिए पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र और प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया जा रहा है।

जिलाधिकारियों को पेंशनर्स देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर्स दिवस (17 दिसंबर) को प्रदेशभर के पेंशनर्स जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण को कर्मचारियों के वेतन-भत्तों की तर्ज पर शामिल किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। यह घोषणा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश ने की है । समिति के संयोजक एनपी त्रिपाठी और सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में आठवें वेतन आयोग के विचार-बिन्दुओं में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी से संबंधित मुद्दा शामिल नहीं है। चूंकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र के समान आधार पर ही सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, इसलिए आयोग में यह बिंदु शामिल न होने से पेंशनरों में स्वाभाविक रूप से असंतोष व्याप्त है।

यहियागंज गुरुद्वारे का होगा पर्यटन विकास

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग राजधानी स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के धार्मिक महत्व, सामुदायिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए दो करोड़ रुपये से इसके कायाकल्प की योजना तैयार की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े इस गुरुद्वारे का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता में है।

अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर में सबसे अधिक फर्जी वोट : मुख्यमंत्री

एसआईआर में देरी पर जताई नाराजगी, संगठनात्मक बैठक से दूर रखे गए अधिकारी

अलीगढ़ में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अलीगढ़ में एसआईआर (वृहद मतदाता पुनरीक्षण) की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं दिख रही हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और अंतिम समय सीमा नजदीक होने के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री की यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जहां उन्होंने मंडलभर के भाजपा नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। खास बात यह रही कि बैठक पूरी तरह संगठन के लिए रखी गई थी और इसमें किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस अभियान को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

चर्चा में रहा योगी का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। शहर में इस बात की खूब चर्चा रही कि हाल ही में जहां स्ट्रीट लाइटों से मुख्यमंत्री की तस्वीरें हटाए जाने पर विवाद हुआ था, वहीं उसी परिसर में मुख्यमंत्री का आगमन हुआ। विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों की मांगों को लेकर आंदोलन की पृष्ठभूमि में छात्र नेता मोहम्मद मोहसिन मेवाती को पुलिस ने पहले ही नजरबंद कर लिया था।

सहारनपुर में भी की एसआईआर की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सहारनपुर में अलीगढ़ की तर्ज पर संगठनात्मक व प्रशासनिक समीक्षा करते हुए एसआईआर (मतदाता पुनरीक्षण) कार्य की प्रगति को गंभीरता से परखा। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बंद-द्वार बैठक की, जिसमें किसी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एसआईआर अभियान में तेजी लाने और मतदाता सूची में बोगस प्रविष्टियों को प्राथमिकता से हटाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि विवाह जैसे व्यक्तिगत कार्यक्रम हों, तब भी एसआईआर का काम नहीं रुकना चाहिए। मुख्यमंत्री विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में देरी को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि दोनों क्षेत्रों में बोगस वोटों की संख्या अधिक होने के कारण विशेष निगरानी जरूरत है।

बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री छेरत पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मंत्री और बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होकर उन्हें आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे छेरत से ही कोटद्वार के लिए उड़ान भर गए।

यूपी की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने को महाराष्ट्र में मिलेगा गुरुमंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 29 जिलों से चुने प्रतिनिधि जाएंगे महाराष्ट्र, सीखेंगे पंचायतों में नई तकनीक से विकास
- प्रति ग्राम पंचायत लगेगी किसान पाठशाला, 80 से 100 किसान होंगे शामिल

अमृत विचार : उप्र. की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का गुरुमंत्र महाराष्ट्र से मिलेगा। राज्य के 23 जिलों से कुल 29 ऐसे प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जो महाराष्ट्र रवाना हो चुके हैं और वहां 11 दिसंबर तक पंचायतों में नई तकनीक के साथ विकास करने की बारीकियां सीखेंगे।

नवाचार मॉडल की बारीकियां सीखने के बाद ये प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश लौटेंगे और फिर प्रति ग्राम पंचायत किसान पाठशाला लगेगी। इस पाठशाला में 80 से 100 किसान प्रतिभाग करेंगे, जिनके बीच प्रतिनिधि सीखे गए मॉडल्स को उनके गांवों में लागू करने के उपाय और रास्ते सुझाएंगे।

महाराष्ट्र में ऐसे हजारों गांव हैं, जहां उनके सफल मॉडलों के कारण ग्रामीणों ने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। पंचायती राज विभाग की इस पहल का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश की पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने का है।

महाराष्ट्र दौरे में यूपी के चुनिंदा विजिटर्स को उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां स्वच्छता प्रबंधन, अपने बूते आय के संसाधन बनाना, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल और सामुदायिक सहभागिता जैसी एडवांस कार्यसंस्कृति विकसित है। ऐसे में यूपी विजिटर्स वहां के ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल मॉडल्स को अपने क्षेत्रों में लागू कर सकेंगे।

> विश्वास है कि महाराष्ट्र का अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा। ऐसे में यूपी की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।
> – ओमप्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्री

> हमारे लोगों के लिए सीख, अनुभव और नेतृत्व विकास का अनोखा अवसर है। वहां से मिली जानकारी को वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लागू करेंगे और वहीं से एक नई विकास यात्रा आगे बढ़ेगी।
> –अमित कुमार सिंह, निदेशक पंचायती राज विभाग

33 जिलों में 14 से चलेगा सघन पोलियो अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 33 प्राथमिकता वाले जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियोरोधी खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ स्थापित होंगे, जबकि इसके बाद 29,360 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं, लखनऊ में 7.03 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि उप्र. को पोलियो मुक्त हुए 15 वर्ष हो चुके हैं और राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले पाए जाने के कारण सावधानी जरूरी है। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 2,750 ट्रांजिट और 1,746 मोबाइल टीमें लगाई जाएंगी। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के तहत 30 टीकाकरण पोस्ट भी बनाए गए हैं।

इन जनपदों में चलेगा अभियान

आगरा, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी।

मानवतावादी संविधान सही भावना से लागू हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस संचालन में हो रही अव्यवस्था समेत गरीबी, बेरोजगारी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीरता और रुपये की गिरती कीमत जैसी समस्याओं से देश परेशान है। सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही भावना से लागू किया जाए।

बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ.भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल और नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लाखों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे व्यावसायिक दृष्टिकोण छोड़कर विशुद्ध जनहित और जनकल्याण की नीयत से नीति व कानून बनाएं।

एसआईआर में गहनता से हो जांच : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान में लगे बीएलओ को अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं का एक बार फिर से अपने स्तर पर गहन जांच कर लेने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में राजनीतिक दलों से नियुक्त बीएलए का भी सहयोग लेने के निर्देश हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यों में प्रगति तेज है। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें।

मतदाता सूची की अनियमितताओं की हो जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में मतदाता गणना प्रपत्रों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी की तरफ से उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में तत्काल जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को निर्वाचन आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अमेठी, गौरीगंज विधानसभा में कुल 389 मतदेय स्थलों में से 110 केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को बीएलओ द्वारा थर्ड ऑप्शन में सबमिट कर दिया गया है, जबकि अधिकांश मतदाताओं ने 2003 की मतदाता सूची से संबंधित विवरण सही ढंग से भरकर जमा किया था। इतना ही नहीं, मतदेय स्थल संख्या 322 पर एक मतदाता का विवरण किसी अन्य मतदाता के नाम से प्रदर्शित हो रहा है।

इसी प्रकार गोंडा, करनैलगंज विधानसभा में भी 50 से 79 प्रतिशत तक मतदाताओं के गणना प्रपत्र थर्ड ऑप्शन में भेज दिए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सही विवरण जमा करने के बाद भी इन मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस देकर दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिससे भ्रम और परेशानी बढ़ रही है। प्रयागराज, कोरांव विधानसभा तथा प्रयागराज, शहर पश्चिमी में भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई हैं। जिसके कारण कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हो गए हैं। शामली, थानाभवन में वितरण कार्य अधूरा बताया गया है। कई मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी इन मतदेय स्थलों की जानकारी बंद बताई गई है।

नियमों के विपरीत हस्ताक्षर कराने का आरोप

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मिर्जापुर, शहर विधानसभा के कुछ बीएलओ अपने क्षेत्र के बाहर लगभग पांच किलोमीटर दूर जाकर गणना प्रपत्र सबमिट कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी के बीएलए को बुलाकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। सबसे गंभीर मामले बागपत में बताये गये हैं। यहां 1288 मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची से लापता हो गए हैं। इससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केके श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और सभी जिलों में त्वरित जांच व आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बढ़ते कदम | 1038 .27 मेगावॉट क्षमता से बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

यूपी में तीन लाख सोलर प्लांट लगाने का रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2074 करोड़ रुपये सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अमृत विचार : नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़ा मुकाम हासिल करते हुए तीन लाख से अधिक सोलर प्लांट इंस्टॉल करने का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का परिणाम है कि राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपी ने 3,00,654 सोलर इंस्टॉलेशन के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि ने ग्रामीण से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक ऊर्जा के नए विकल्प और आर्थिक राहत दोनों पहुंचाई हैं।

प्रदेश में अब तक 983,915 आवेदनों में से तीन लाख से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। राज्य की कुल सौर उत्पादन क्षमता बढ़कर 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच गई है, जिससे लाखों परिवार स्वच्छ, किफायती और लगातार उपलब्ध रहने वाली ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा अब तक 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की जा चुकी है,

जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ काफी कम हुआ है और सोलर प्लांट लगाने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही यूपी से आगे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष सौर ऊर्जा राज्यों में पक्का हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध इंस्टॉलेशन और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर जोर दिया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति ने बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा तैयार किया, जिससे सौर ऊर्जा उद्योग के प्रति उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों का भरोसा बढ़ा है।

इस उपलब्धि का सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आई है और कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं।

सीएचसी में खून की जांचों के लिए 25 करोड़ जारी, सेवाएं होंगी बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियेजेंट और उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में खून संबंधी जांचों के लिए आवश्यक रियेजेंट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इससे सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को जांचों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय द्वारा बजट से संबंधित शासनादेश जारी किए जाने के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि प्रदेश के 975 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में पैथोलॉजी की अहम भूमिका होती है, जहां एक पैथोलॉजी में लगभग 150 से अधिक प्रकार की खून की जांचें उपलब्ध रहती हैं। यानी विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग जांच करायी जाती हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न जांचों के लिए प्रयोग किए जाने वाले करीब 150 प्रकार के रियेजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनकी खरीद अस्पताल प्रशासन को स्वयं करनी होती है। सरकार द्वारा जारी किए गए बजट से अब इन रियेजेंट और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद सुचारु रूप से होती रहेगी, जिससे मरीजों को सभी रक्त जांचें बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच समय पर हो सकेगी तथा उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी।

अमृत विचार

सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हम जितने ऊंचे स्थान पर हैं, हमें उतनी ही विनम्रता से चलना चाहिए।

–मार्कस टुलियस सिसरो, रोमन राजनीतिज्ञ

संकट मोचन सरकार

इंडिगो के परिचालन संकट ने एक बार फिर भारतीय उड्डयन क्षेत्र की नियामकीय कमजोरियों, मानव संसाधन प्रबंधन की खामियों और कंपनियों की मनमानी के बीच आम यात्री की घंघोर उपेक्षा को उजागर कर दिया है। सरकार द्वारा जारी तात्कालिक उपाय-फ्लाइट कटौती, विशेष मॉनीटरिंग और पायलट ड्यूटी टाइम में सख्ती- निश्चित रूप से स्थिति को आंशिक राहत देते हैं, पर यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि केवल इन कदमों से पूरा संकट समाप्त हो जाएगा। सरकार के नए एक्शन से, 'इलेक्टोरल बांड के जरिए इंडिगो से मोटा चंदा लेने के चलते वह इंडिगो पर कठोर नहीं है', आरोप बेअसर हो सकता है, हालांकि साफ है कि किसी भी नियामक हस्तक्षेप की समय सीमा और गंभीरता स्वयं बहुत कुछ कह देती है। वर्षों से जो समस्या जारी थी, उस पर नियामकों की निगरानी क्यों विफल रही? इससे संदेह उभरते हैं, मौजूदा कार्रवाई भर से इसे मिटाना मुश्किल है।

इंडिगो का मौलिक संकट पायलटों की भारी कमी, एफडीटीएल नियमों की अवहेलना और मानव संसाधन नीतियों में 'लीन स्टाफिंग' के अत्यधिक प्रयोग से उपजा है। पायलट संघों ने पिछले दो वर्षों में कई बार चेतावनी दी थी कि इंडिगो ने हायरिंग फ्रीज, नॉन-पोचिंग व्यवस्था और न्यूनतम क्रू मॉडल के कारण भविष्य के संकट को स्वयं आमंत्रित किया है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि दो वर्ष के ट्रांजिशन पीरियड के दौरान कंपनी ने पायलटों की संख्या को नियमानुसार 14–16 प्रति विमान तक क्यों नहीं बढ़ाया? यदि यह मानक पूरा किया जाता तो आज फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में यह अव्यवस्था नहीं होती। सवाल है कि डीजीसीए और उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट को शुरुआती चरणों में ही क्यों नहीं रोका? एक एयरलाइन को 'लीन ऑपरेशन' की आड़ में अपनी क्षमता से कहीं अधिक फ्लाइट शेड्यूल चलाने देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि उड्डयन सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। इस संकट का सबसे बड़ा बोझ यात्रियों पर पड़ा है। फ्लाइटें कैंसिल होने से किसी की नौकरी का मौका छूटा, किसी बीमार को उपचार नहीं मिल पाया, किसी का पारिवारिक या व्यावसायिक जीवन प्रभावित हुआ। ऐसे में केवल टिकट का पैसा वापस कर देना कोई समाधान नहीं। वास्तविक नुकसान आर्थिक, मानसिक और कई बार अपरिवर्तनीय होता है। भारत को 'पैसेंजर राइट्स' के स्पष्ट और बाध्यकारी नियमों की तात्कालिक आवश्यकता है, ताकि एयरलाइंस असुविधा नहीं, हानि की भरपाई करने के लिए बाध्य हों- जैसा कि कई विकसित देशों में व्यवस्था है। इंडिगो की छवि, गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। साथ ही भारतीय उड्डयन क्षेत्र की साख पर भी प्रश्न चिह्न लगा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानन बाजार भारत को संभावनाओं की भूमि मानता है, पर इस प्रकार की अव्यवस्थित स्थितियां उसके भरोसे को कमजोर करती हैं।

सरकार के कदम संकट को तत्काल थामने की कोशिश प्रतीत होते हैं, परंतु यह तभी विश्वसनीय बनेंगे जब उड्डयन मंत्रालय दीर्घकालीन ढांचे में सुधार, भर्ती मानकों, कार्य-समय निगरानी, फ्लाइट स्वीकृति प्रक्रिया और यात्री अधिकारों को संस्थागत रूप से लागू करे। फौरी उपाय बेहतर हैं पर सरकार को वास्तव में स्थायी समाधान के प्रति गंभीर होना होगा।

प्रसंगवश

वो दिन जब सिद्धार्थ ने विश्व को नया प्रकाश दिया

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुंबिनी में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोदन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे, लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई।

श्वेता गोयल

शिक्षिका

एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया। उन्हें बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष आठ दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो।

बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।'

भारत-रूस साझेदारी से बढ़ेगा शक्ति संतुलन

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पांच दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है, बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा, बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यावहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है, जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

आमने

आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था, जब भारत 2-3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सामने

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' राज कृष्णन ने बोला था, जिन्हें जनता पार्टी सरकार ने प्लानिंग कमिशन में सदस्य बनाया था। जनता पार्टी में लाल कृष्ण अडवाणी, मोरारजी देसाई और अटल विहार वाजपेई थे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही पार्टी पर हमला क्यों बोल रहे हैं?

–पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

मोनोपॉली, ऑटोक्रीसी और ठहरती अर्थव्यवस्था

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है? सिर्फ दो दिनों में सैकड़ों उड़ानों का रद्द होना, लाखों यात्रियों की योजनाओं का बिखरना और पूरे विमानन तंत्र का चरमरा जाना बताता है कि अगर किसी अहम सेक्टर में एक कंपनी पर अत्यधिक निर्भरता हो जाए, तो पूरी अर्थव्यवस्था कैसे कुछ घंटों में ठप पड़ सकती है। यह सिर्फ एक परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि भारत के 'मोनोपॉली मॉडल' की एक खतरनाक झलक थी।

इंडिगो आज भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा अकेले नियंत्रित करती है। यानी देश में उड़ने वाले हर तीन में से दो यात्री किसी न किसी रूप में इसी कंपनी पर निर्भर हैं। एयर इंडिया समूह लगभग 25–27 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसका मतलब साफ है कि देश का करीब 90 प्रतिशत हवाई यातायात केवल दो कंपनियों के हाथों में है। ऐसी स्थिति में अगर एक बड़ी एयरलाइन डगमगाती है, तो पूरा तंत्र हिल जाता है– ठीक वैसे ही जैसा हमने हाल में देखा।

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है?

यह संकट नए पायलट ड्यूटी समय और विश्राम नियमों के लागू होने के बाद सामने आया। सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए इन नियमों में पायलटों को अधिक विश्राम, रात की सीमित लैंडिंग और तय ड्यूटी घंटे जैसी शर्तें रखी गई थीं, ताकि थकान के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके, लेकिन इंडिगो जैसी विशाल कंपनी ने समय रहते अपने पायलट स्टाफ और क्रू-प्लानिंग को इन नियमों के अनुरूप तैयार नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि नियम लागू होते ही कंपनी को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यहीं से दूसरा बड़ा सवाल खड़ा होता है। संकट गहराने पर सरकार ने रात की कुछ ड्यूटी सीमाओं में अस्थायी ढील दे दी, ताकि इंडिगो अपनी उड़ानों को फिर से पटरी पर ला सके, लेकिन यह सुविधा केवल एक बड़ी कंपनी के लिए क्यों? क्या नियम सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर लागू होते हैं और बड़े खिलाड़ियों के लिए लचीले बन जाते हैं? यह स्थिति न सिर्फ नियामक की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि आप बहुत बड़े हैं, तो व्यवस्था भी आपके अनुसार ढल सकती है।

यात्रियों के लिए यह संकट किसी आपदा से कम नहीं रहा। एक ही दिन में हजार से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई दिनों तक 300–400 उड़ानें प्रतिदिन या तो रद्द होती रहीं या घंटों की देरी से चलीं। हजारों लोग अपने इंटरव्यू, परीक्षाएं, मेडिकल अपॉइंटमेंट और जरूरी पारिवारिक कार्यक्रमों से चूक गए। किरायों का हाल और भी चौंकाने वाला रहा। जहां सामान्य दिनों में 5–6 हजार रुपये में मिलने वाली टिकटें 20–28 हजार रुपये तक पहुंच गईं। साफ था कि कम क्षमता और अधिक मांग का फायदा उठाकर किराये आसमान पर पहुंचा दिए गए। सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन तब तक यात्रियों की जेब से लाखों रुपये अतिरिक्त निकल चुके थे।

इस पूरे घटनाक्रम का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। भारतीय विमानन उद्योग देश की जीडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 77 लाख लोगों को रोज़गार देता है। जब हवाई यातायात लड़खड़ाता है, तो उसका असर केवल एयरलाइंस तक सीमित नहीं रहता– होटल, टैक्सी, पर्यटन, कॉर्पोरेट यात्रा, कार्गो सेवाएं, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबार सभी प्रभावित होते हैं। सिर्फ कुछ दिनों की अव्यवस्था से ही उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ माना जा रहा है। इसका बोझ अंततः आम नागरिक और करदाताओं पर ही आता है।

निवेशकों और शेयरधारकों के लिए भी यह झटका कम गंभीर नहीं था। संकट के दौरान इंडिगो की मूल कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। कुछ ही दिनों में निवेशकों की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति बाजार से मिट गई, जिन्हें अब तक लगता था कि विशाल बाजार हिस्सेदारी यानी सुरक्षा, उन्हें यह समझ में आ गया कि अत्यधिक एकाग्रता अपने साथ बड़ा जोखिम भी लाती है। यह संकट सिर्फ विमानन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर किसी भी आवश्यक सेवा– चाहे वह टेलीकॉम हो, यूपीआई पेमेंट सिस्टम हो, बिजली वितरण हो या बंदरगाह सेवाएं– पर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का अत्यधिक नियंत्रण हो जाए, तो एक छोटी सी चूक भी पूरे देश को ठप कर सकती है। यह 'कॉरपोरेट ऑटोक्रीसी' का खतरनाक रूप है, जहां निर्णय कुछ बोर्डरूम में होते हैं, लेकिन उसका असर करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है।

अंततः लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि न तो कोई व्यक्ति और न ही कोई कंपनी कानून से ऊपर हो सकती है। इंडिगो संकट ने यह साफ दिखा दिया कि अगर मोनोपॉली और कमजोर नियमन को समय रहते नहीं रोका गया, तो एक निजी कंपनी दो दिनों में पूरे देश के हवाई यातायात को ठप कर सकती है, यात्रियों, करदाताओं और निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है और सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला सकती है।

सोशल फोरम

रेगिस्तान का फूल वारिस

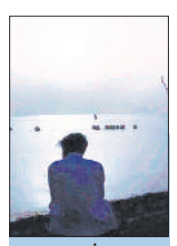

कलम रंगदार

ब्लॉगर

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसे पांच साल की उम्र में पकड़कर ज़मीन पर लिटा दिया गया था। न कोई दवाई, न बेहोशी, न साफ़-सफ़ाई— सिर्फ़ एक कुंद, खून से सना उस्तरा और एक चीख, जिसने सोमालिया के रेगिस्तान की हवा को चीर दिया। उसका नाम था वारिस डीरी, जिसका मतलब होता है रेगिस्तान का फूल। एक घुमंतू परिवार में पैदा हुई बच्ची।

फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (FGM) यानी महिला जननांग अंगभंग। सबसे भयानक रूप, टाइप 3। सब कुछ काट दिया गया। सब कुछ सिल दिया गया। सिर्फ एक माचिस की तीली जितना छोटा छेद उससे सांस चलती रहे, शायद। उसकी बहन मर गई थी। उसकी कई चचेरी बहनें भी। वारिस बच गई, लेकिन दर्द उसके हर दिन, हर कदम के साथ रहा। तेरह साल की उम्र में उसके पिता ने उसे बेचने की कोशिश की- एक 60 साल के बूढ़े आदमी को, पांच ऊंटों के बदले।

तो वो भाग गई। नंगे पांव। अकेली। रेगिस्तान को पार करती हुई— न नक्शा, न खाना, न सुरक्षा। सिर्फ एक जज़्बाः ज़िंदगी चुनना, परंपरा नहीं। वो किसी तरह मोगादिशू पहुंची। फिर लंदन— एक नौकरानी बनकर। न भाषा आती थी, न स्कूल की पढ़ाई, न पैसे। सिर्फ जीने की जद्दोजहद और फिर एक दिन एक फोटोग्राफर ने उसे देख लिया। मैकडॉनल्ड्स में फर्श साफ़ करने से लेकर पेरिस और न्यूयॉर्क की रनवे तक। Chanel. L'Oral. Vogue. James Bond हर जगह उसका नाम चमकने लगा। शोहरत के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर, वारिस ने वह किया जो शायद ही कोई मशहूर इंसान करने की हिम्मत करता। उसने सच बोल दिया।

उसने दुनिया को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था और यह भी कि लाखों लड़कियों के साथ वही आज भी हो रहा है। उसकी आवाज़ ने दुनिया की चुप्पी तोड़ दी। यूएन ने उसे FGM खत्म करने के लिए स्पेशल एम्बेसडर बनाया। उसने Desert Flower लिखी- 1.1 करोड़ कॉपियां बिकीं। उसने Desert Flower Foundation शुरू किया। उसने यूरोप में सर्वाइवर क्लिनिक बनाए। उसने लाखों लड़कियों को बचाया। वह रेगिस्तान में पैदा हुई थी, लेकिन उसने सूखने से इनकार कर दिया। वह खिली और उसने यह सुनिश्चित किया कि लाखों और लड़कियां भी खिल सकें।

सामयिकी

मिट्टी में जहर से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

मृदा प्रदूषण तब होता है जब मनुष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हानिकारक रसायन, भारी धातुएं या प्रदूषक पदार्थ मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

भारत में मृदा प्रदूषण अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मिट्टी की बिगड़ती सेहत चुपचाप कृषि उत्पादन को खोखला कर रही है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भयावह बना रहा है। भारत आज अनाज में आत्मनिर्भर है, लेकिन अगर मिट्टी की गुणवत्ता इसी तरह घटती रही, तो आने वाले दशकों में हमें फिर से अनाज आयात करना पड़ सकता है। यदि अभी मिट्टी की सेहत सुधारने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो खाद्य सुरक्षा पर संकट के साथ-साथ लाखों किसानों की आजीविका भी दांव पर लग जाएगी।

अंबिका कुशवाहा

लेखिका

मिट्टी की खराब गुणवत्ता का असर सिर्फ फसल पर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और सबसे बड़ी बात कि मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश की अधिकांश कृषि योग्य भूमि किसी-न-किसी रूप में मृदा प्रदूषण की चपेट में है और यह जहर अब हमारी थाली तक पहुंच चुका है। चावल में आर्सेनिक, गेहूं में कैडमियम, सब्जियों में सीसा (लेड) और कीटनाशकों के अवशेष लगातार बढ़ रहे हैं। इन्हें खाकर लोग बीमार हो रहे हैं, बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मृदा प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। अगर यही स्थिति रही तो एक दिन हमारी खेती की जमीन इतनी जहरीली हो जाएगी कि उसमें कुछ भी उगाना असंभव हो जाएगा। पंजाब का मालवा क्षेत्र (बठिंडा, फरीदकोट, संगरूर, मुक्तसर आदि) इसका जीता-जागता उदाहरण है। इसे 'भारत की कैंसर बेल्ट' कहा जाता है। यहां कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक हैं। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई कैंसर से जूझ रहा है। इसका मुख्य कारण जहरीली मिट्टी में उगा अनाज और सब्जियां हैं, जो रोज लोगों की थाली में परोसे जा रहे हैं।

सरकार जैविक खाद को बढ़ावा दे रही है, लेकिन आज भी लाखों किसान अधिक पैदावार के लालच में यूरिया और खतरनाक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। लंबे समय तक इनका इस्तेमाल मिट्टी को बंजर बना रहा है। फैक्ट्रियां रात के अंधेरे में जहरीला पानी नदियों-नालों में छोड़ रही हैं, जो सीधे खेतों में पहुंच जाता है। शहरों में प्लास्टिक कचरा जलाने से निकलने वाला डाइऑक्सिन हवा के रास्ते मिट्टी में समा रहा है। सरकार ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य हर खेत की मिट्टी की जांच कर किसानों को उसकी सही स्थिति और सुधार के उपाय बताना है, लेकिन दुखद अधिकांश किसान इस योजना से अनजान हैं।

मृदा प्रदूषण रोकने के लिए अब कड़े और त्वरित कदम उठाने होंगे। रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक खाद और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर अपनाना होगा। पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए साथ ही हर किसान अपनी मिट्टी का नियमित परीक्षण करवाए और उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करे। कचरे के सही निपटान और प्लास्टिक जलाने पर सख्ती हो। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। घरेलू जैविक कचरे से कंपोस्ट बनाकर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हर नागरिक को मिट्टी बचाने के लिए प्रेरित किया जाए। अगर हम आज मिट्टी नहीं बचाएंगे, तो कल हमारी थाली में सिर्फ जहर ही होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

लंदन में 30 साल बाद फिर दिखा

DDLJ का जादू

साल 1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बॉलीवुड की सबसे प्यारी और यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के दर्शकों ने इस फिल्म को दिल से अपनाया। इसी जुड़ाव को सम्मान देते हुए फिल्म के 30 साल पूरे होने पर एक बेहद खास पल रचा गया। 4 दिसंबर को लंदन के लेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसे देखकर फैन्स पुरानी यादों में खो गए। यह मूर्ति Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" पब्लिक आर्ट ट्रेल का हिस्सा है और खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना में जगह पाने वाली DDLJ पहली भारतीय फिल्म बन गई है। प्रतिमा में शाहरुख और काजोल को फिल्म के एक लोकप्रिय पोज में दिखाया गया है, जो उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का प्रतीक बन चुका है। इस मौके ने न केवल बॉलीवुड की आइकॉनिक लव स्टोरी को फिर से जीवंत कर दिया, बल्कि भारतीय सिनेमाई संस्कृति को वैश्विक मंच पर एक बार फिर चमकाया। यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी याद दिलाती रहेगी कि DDLJ सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं, प्यार और यादों का एक अनमोल सफर है।

बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं

मूर्ति के अनावरण के साथ ही लंदन के लेस्टर स्क्वायर में एक यादगार पल बन गया, जब शाहरुख खान और काजोल ने अपने किरदार राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज को फिर से दोहराया। काजोल हल्के नीले रंग की साड़ी में बिल्कुल फिल्म वाली सादगी और मोहकता लिए नजर आईं, जबकि शाहरुख एक स्टाइलिश ओवरकोट में राज के क्लासिक लुक को फिर से जीवंत कर रहे थे। दोनों को इस रूप में देख फैन्स एक बार फिर DDLJ के सुनहरे दौर में पहुंच गए। शाहरुख ने इस खास अवसर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने सदाबहार डायलॉग का जिक्र किया- "बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।" उन्होंने लिखा कि DDLJ के 30 साल पूरे होने पर राज और सिमरन की मूर्ति का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह भी खास है कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसे Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" ट्रेल में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का भी प्रमाण है। तीन दशक बाद भी DDLJ का जादू उसी तरह बरकरार है और यह ब्रॉन्ज मूर्ति उस अमर प्रेम कहानी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का खूबसूरत माध्यम बन गई है।

लंबे समय तक चलने वाली फिल्म

यह ब्रॉन्ज स्टैच्यू लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्टैच्यू से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है और हैरी पॉटर, मैरी पॉपिंस, पैडिंगटन और सिंगिन इन द रेन जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के मशहूर किरदारों के साथ-साथ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे हीरो के साथ जुड़ गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था और ये हिंदी सिनेमा की थिएटर्स में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म चलती है। शाहरुख ने इस पिक्चर में राज और काजोल ने सिमरन का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी और प्रेम कहानी फैंस को काफी पसंद आई थी।

फिल्म की कमाई

DDLJ के लिए शाहरुख खान और काजोल को भारत के बाहर दूसरे देशों में भी जाना जाता है। इसमें इन दोनों के अलावा अमरीश पुरी, अनुपम खेर, फरीदा जलाल, मंदिरा बेदी और करण जौहर भी नजर आए थे। न सिर्फ लोगों के दिलों में बल्कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी राज किया था और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सैकनिल्क के अनुसार इस पिक्चर का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 102.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

ओटीटी प्लेटफार्म

बीस्ट इन मी

"बीस्ट इन मी" एक अमेरिकन अपराध फिल्म है, जिसमें मानव मनोविज्ञान के बहुत क्लिष्ट पहलुओं को छुआ गया है। क्या वो आदमी अपराधी है, जो यह जानता या मानता ही नहीं कि उसका किया गया कर्म अपराध है? कोई कर्म समाज या किसी नियम के अंतर्गत ही तो अपराध होता है। यदि किसी को लगे ही नहीं कि उसके द्वारा किया गया कर्म अपराध होगा, तो उसका कितना दोष होगा? यदि कोई प्रेम वश आपको दुख मुक्त करने लिए कुछ करे, तो क्या उस अपराध में आप दोषमुक्त रह जाएंगे?

एक लेखिका अपने पड़ोस में रहने आए एक व्यक्ति, जिसको सारा शहर उसकी पत्नी का हत्यारा मानता है, परंतु पत्नी की लाश न मिलने के कारण उसे कानूनन हत्यारा नहीं माना जा सका है, के बारे में एक पुस्तक लिखने का कॉन्ट्रैक्ट लेती है, जो उस आदमी से लिए गए इंटरव्यूज पर आधारित होगी। वह व्यक्ति सोचता है कि वह अपनी बातों और व्यक्तित्व से लेखिका को प्रभावित करके स्वयं को निर्दोष सिद्ध करवा लेगा। लेखिका सोचती है इस प्रकार सभी संबंधित लोगों और पुलिस/एफबीआई से बात करके उसे वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। कहानी के और भी कई पात्र हैं, जैसे उस व्यक्ति का भाई, पिता, दूसरी जीवित पत्नी, लेखिका की महिला पत्नी, FBI के एजेंट्स इत्यादि और सबकी अपनी-अपनी कहानियां हैं, जो उस व्यक्ति की कहानी से कहीं न कहीं जुड़ती हैं। वह व्यक्ति कातिल है या नहीं और कहानी किस तरह चलती है, इसके लिए आपको आठ एपिसोड्स देखने पड़ेंगे। अंत में लेखिका का प्रतिवेदन, जिसकी एकाध लाइन मैंने ऊपर उद्धृत की है, मनोविज्ञान का पाठ है।

पात्रों में मुख्य पात्र यानी संभावित कातिल व्यक्ति के चरित्र को बहुत अच्छी तरह जिया है मैथ्यू रिस ने,लेखिका के रोल में क्लेयर डेंस ने अच्छा अभिनय किया है, परंतु उसके हाव-भाव भारतीयों से मेल नहीं खाते इसलिए कई बार समझ में नहीं आते।

कहानी लेटस्टार्ट होती है, पर फिर गति पकड़ लेती है, संगीत बहुत सहायक है, हिंदी डबिंग अच्छी हुई है। कुछ भी हो पर साधारण परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक पक्ष दुरूह हो सकता है, यह बात "बीस्ट इन मी" बड़ी स्टाइल से कहती है।

समीक्षकः
ब्रज राज नारायण सक्सेना

जिंदगी का सफर

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जिन्हें अक्सर 'ड्रीम गर्ल' के खूबसूरत नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक बहुमुखी और स्थायी हस्ती हैं। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निपुण भरतनाट्यम नृत्यांगना, फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक सक्रिय राजनीतिज्ञ भी हैं। उनका जीवन कला, सुंदरता, दृढ़ संकल्प और सार्वजनिक सेवा का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हुआ था। उनकी मां, जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं और पिता वीएसआर चक्रवर्ती थे।

माता-पिता के मार्गदर्शन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमा ने बहुत कम उम्र से ही शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, सीखना शुरू कर दिया था और जल्द ही एक कुशल नृत्यांगना बन गईं।

एक तमिल फिल्म में अस्वीकार किए जाने के शुरुआती असफलताओं के बावजूद, हेमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1968 में राज कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। उनकी सफलता 'जॉनी मेरा नाम' (1970) जैसी फिल्मों से शुरू हुई और 1970 का दशक, उनके स्टारडम का गवाह बना। उन्होंने 'सीता और गीता' (1972) जैसी फिल्मों में दोहरी भूमिकाओं के साथ साबित किया कि उनकी अभिनय की रेंज कितनी ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

रमेश सिप्पी की क्लासिक कल्ट 'शोले' (1975) में 'बसंती' के रूप में उनका किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के यादगार किरदारों में से एक माना जाता है। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन सहित उस समय के सभी प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया। फिल्मों में अपने सह-कलाकार धर्मेंद्र के साथ उनका रिश्ता परवान चढ़ा। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने 1980 में शादी की। उनकी दो बेटियां, ईशा देओल और आहना देओल हैं। हेमा फिल्म निर्माता भी बनीं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल आशना है' (1992) का निर्देशन किया। 2000 के दशक में हेमा मालिनी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सुंदरता, प्रतिभा और गरिमा के साथ, हेमा मालिनी भारतीय मनोरंजन जगत में एक सच्ची और स्थायी किंवदंती बनी हुई हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: पद्मिनी शर्मा

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: 12वीं की छात्रा

अचीवमेंट: मिस टैलेंटेड मिस कानपुर 2025

ड्रीम: नेशनल मॉडलिंग स्टेज पर UP का प्रतिनिधित्व करना

बीओएम ने खुदरा ऋण दरों में की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25% की कटौती की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25% की कटौती के बाद यह फैसला लिया गया। बीओएम ने कहा कि संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10% ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 1000, बासमती- 6000, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 3700, मूंग साबुत- 6600, राजमा- 9100-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4400, मसूर दाल- 3400, उड़द साबुत- 5400, काबुली चना- 9400, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2400

फेड-एफआईआई डालेंगे बाजार पर असर

भारत के सीपीआई आंकड़ों पर और रुपये की चाल पर बारीकी से नजर रखेंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9-10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

उन्होंने कहा कि एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पि

पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का क्रम टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया 5% कमजोर हुआ है, जिससे एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 19,783 करोड़ की खरीदारी की।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई में तेजी से कुल ऋण वृद्धि मजबूत

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। शेट्टी ने कहा कि हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा कि कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई।

कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं। इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य

- बाजार में अधिक उपलब्धता बनी कुल कोयला में गिरावट का मुख्य कारण

कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा। कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही।

सोने की चमक बरकरार, इस साल दिया 67% रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य

- रुपया कमजोर हुआ तो 2026 में सोने की कीमत पांच से 16% चढ़ सकती हैं

कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉण्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

रुपये की कमजोरी ने सोने की कीमतों में और इजाफा किया

सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों पर कलंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का महत्वपूर्ण कारक रही हैं। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। अगले साल के परिदृश्य के बारे में कलंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती है।

राष्ट्रीय

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

लेह, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के

लेह में परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य लोग

प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था। इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी से ही संभव हो पाया। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है।

बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक विकास को भी दे रही गति

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास-समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

5,000 करोड़ से हुआ परियोजनाओं का निर्माण

रक्षामंत्री ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

विशाल गीता पाठ में लाखों लोग शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के ''ब्रिगेड परेड ग्राउंड'' में आयोजित भागवत गीता पाठ समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा। इस कार्यक्रम में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। स्वामी प्रदीप्तानंद तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख हस्तियां भी समारोह में शामिल हुई।

''पंच लाखो कोंठे गीता पाठ'' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भागवत गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की। प्रदीप्तानंद ने कहा कि लाखों लोगों का एकत्रित होना स्वतःस्फूर्त था और इसमें किसी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं थी।

कोलकाता में आयोजित गीता पाठ में शामिल साधु-संत।

कबीर करेंगे एक लाख लोगों संग कुरान ख्वानी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान पढ़ना) का आयोजन करेंगे। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में कहा कि मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' करूंगा। इसके बाद मस्जिद का निर्माण होगा।

लोकसभा में चर्चा के दौरान नेहरू की असलियत आएगी सामने : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा- कांग्रेस ने पटेल, आंबेडकर, बोस की विरासत को समाप्त करने की कोशिश की

भाजपा ने रविवार को कहा कि राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की वर्षगांठ पर लोकसभा में होने वाली चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू की ''असलियत'' सामने आ जाएगी। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस आरोप को लेकर उन पर निशाना साधा कि सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू की विरासत को जीवित रखने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीम राव आंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की विरासत को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष से नेहरू-गांधी परिवार को बढ़ावा देना बंद करने को कहा। पुरी से भाजपा सांसद ने दिल्ली में कहा कि जहां तक नेहरू की विरासत को खत्म करने का सवाल है, तो 'नेशनल हेराल्ड' मामले में जमानत पर बाहर आए तथाकथित वर्तमान गांधी परिवार के अलावा उनकी विरासत को सबसे बेहतर तरीके से कौन खत्म कर सकता है। उनका इशारा सोनिया और उनके बेटे राहुल गांधी की ओर था। गांधी परिवार का नाम लिए बिना पात्रा ने कहा कि हाल में उनके खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' पर कथित रूप से कब्जा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 'नेशनल हेराल्ड' की शुरुआत नेहरू ने की थी।

पात्रा ने कहा कि अगर वे नेहरू की विरासत को कलंकित नहीं कर रहे हैं, तो फिर ऐसा करने की कोशिश कौन कर रहा है? जब कल संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगी, तो मुझे लगता है कि नेहरू जी की असलियत सभी के सामने आ जाएगी, वह फिर से बेनकाब हो जाएंगे।

वांगचुक की पत्नी की याचिका पर आज होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनके पति को हिरासत में लिए जाने को अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली मनमानी कार्रवाई बताया गया है। इस मामले की सुनवाई संभवतः न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ करेगी।

पीठ ने 24 नवंबर को मामले की सुनवाई उस वक्त टाल दी थी जब केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वांगचुक की पत्नी के जवाब पर अपना पक्ष रखने (रिज्वाइंडर) के लिए मोहलत मांगी। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी की संशोधित अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। संशोधित अर्जी के मुताबिक, हिरासत का आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और अनुमानों पर आधारित है, इसका हिरासत के कथित आधारों से कोई सीधा या करीबी संबंध नहीं है और इसलिए इसका कोई कानूनी या तथ्यात्मक औचित्य नहीं है...।

जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकारा : शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

1,500 करोड़ में बने तीन खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। शाह ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र भाई लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कई दशकों के बाद एक रिकॉर्ड बनाया।

अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

2030 में राष्ट्रमंडल और 36 में ओलंपिक की करेंगे मेजबानी

अहमदाबाद के लोगों से शाह ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार रहने की अपील की। शाह ने कहा कि खेल सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, शहर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और आवास सुविधाओं को देखते हुए, 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह भी तय हो गया है कि 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल शहर में आयोजित किए जाएंगे। अहमदाबाद में 13 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होने हैं। और तैयार हो जाइए, क्योंकि 2036 ओलंपिक भी अहमदाबाद में ही आयोजित होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी से निकले लावा के तीन फव्वारे

होनोलुलु। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने रविवार को कहा कि हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में 38वें विस्फोट के दौरान लावे के तीन फव्वारे फूटे हैं जिनमें से एक फव्वारा 1,200 फीट की ऊंचाई तक जा रहा है। मौजूदा विस्फोट के दौरान पहली बार लगभग बराबर आकार के तीन फव्वारे फूट निकले हैं। यूएसजीएस ने कहा, वर्तमान में तीनों छिद्रों से फव्वारे निकल रहे हैं। दक्षिणी फव्वारा लगभग 1200 फीट ऊंचा है जबकि दो फव्वारे 500 फीट के आस पास हैं। इन फव्वारों में से दो उत्तरी छिद्र से और एक दक्षिणी छिद्र से है। यह तिहरा फव्वारा एक अत्यंत दुर्लभ घटना है और इस विस्फोट के दौरान ऐसा पहली बार देखा गया है। किलाउआ विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।

अमेरिका का नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान ढोंग: क्यूबा

हवाना। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने कहा कि होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को दी गई माफी यह दर्शाती है कि अमेरिकी सरकार की ओर से घोषित नशीले पदार्थों के विरुद्ध युद्ध एक ढोंग है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य आरोपों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 साल जेल की सजा पाने वाले हर्नांडेज को ट्रंप प्रशासन से आधिकारिक माफ़ी मिलने के बाद सोमवार को रिहा कर दिया गया था। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का तथाकथित ड्रग-विरोधी अभियान वेनेजुएला की वैध सरकार को उखाड़ फेंकने का एक बहाना है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह माफी अमेरिकी सरकार और उसकी एजेंसियों की नशीले पदार्थों के एक विशाल बाजार के साथ मिलीभगत को उजागर करती है, जो उनके ही अपने ही देश में लाखों लोगों की जान ले रहा है।

अमेरिका से 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 खरीदेगा रोमानिया

चिसिनाउ। रोमानिया अमेरिका से 6.5 अरब डॉलर में 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान खरीदने जा रहा है। रोमानियाई रक्षा मंत्रालय की डिफेंस रोमानिया न्यूज़ वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि यह देश के इतिहास का सबसे महंगा समझौता होगा। एफ-35 खरीद कार्यक्रम को पूरी तरह रक्षा मंत्रालय के बजट से फंड दिया जाएगा। इसे पहले ही राष्ट्रीय रक्षा की सर्वोच्च परिषद से मंज़ूरी मिल चुकी है। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद यह सौदा दस्तावेज़ीकरण के आखिरी चरण में है। इससे पूर्व, रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रोमानियाई सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण दो चरणों में किया जाएगा।

भारत हमास को आतंकी संगठन घोषित करे तो पड़ेगा बड़ा प्रभाव

यरुशलम, एजेंसी

- इजराइली विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका एक मजबूत वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।

विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल।

इंडिगो संकट के कौन जिम्मेदार

भारतीय विमानन क्षेत्र के इतिहास में 2 दिसंबर 2025 का दिन काले अध्याय के रूप में जुड़ गया। इसी दिन से देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होनी शुरू हुईं और यह सिलसिला अब तक बरकरार है। इस बीच हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश-विदेश के हजारों यात्री देश के अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंस गए। कुछ यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई असंभव थी। इस पूरे घटनाक्रम से पूरी दुनिया में भारतीय विमानन की साख धराशायी हो गई, हैरतअंगेज यह भी रहा कि कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आया। इस घटनाक्रम ने भारत में हवाई यात्रा के नए जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। सरकार ने अपने कुछ उन फैसलों को रद्द किया है जिन्हें संकट का प्रमुख कारण कहा गया, लेकिन इसे भविष्य में दोबारा ऐसा संकट खड़ा न होने की गारंटी नहीं माना जा रहा है।

हवाई यात्रा के नए जोखिम

संकट के प्रमुख कारण

- डीजीसीए की ओर से पायलटों के आराम के घंटे बढ़ाने और उड़ान के घंटों को सीमित करने के सख्त नियमों से एयरलाइन के रोस्टर पर प्रभाव पड़ा।
- इंडिगो ने महीनों बाद भी पर्याप्त पायलटों और चालक दल की भर्ती नहीं की, जिसके चलते नियमों के लागू होते ही कर्मचारियों की भारी कमी हो गई।
- एयरलाइन ने लागत कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी रखने में रुचि नहीं दिखाई और नए नियमों के अनुसार परिचालन में विफल हो गई।

जिम्मेदारी और सवाल

- डीजीसीए ने सीधे तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण चूक के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- एयरलाइन अपने मौजूदा नेटवर्क के लिए नए मानदंडों के तहत जरूरी चालक दल की संख्या का सही अनुमान लगाने और प्रबंधन करने में विफल रही।
- विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि डीजीसीए को नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू करते समय एयरलाइंस की तैयारियों पर बेहतर निगरानी रखनी चाहिए थी।
- भारतीय विमानन बाजार में गहरी संरचनात्मक विफलता, जहां तीव्र विकास के साथ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन में निवेश तालमेल नहीं बैठा पाए हैं।

भविष्य के जोखिम

- भारत के घरेलू यात्री यातायात में इंडिगो की 60% से अधिक हिस्सेदारी है, इस एयरलाइन में कोई भी व्यवधान बड़े प्रभाव छोड़ सकता है।
- यह एकाधिकार और प्रणालीगत विफलता का उदाहरण है, एक एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में फिर संकट खड़ा कर सकती है।
- ताजा संकट के दौरान छोटे मार्गों पर भी टिकट की कीमतें 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गईं, इससे यात्रियों के शोषण की मंशा उजागर हुई।
- पायलट यूनियनों और पूर्व नियामकों ने आरोप लगाया है कि एयरलाइन प्रबंधन ने परिचालन व्यवस्था की कीमत पर स्टाफ के हित की अनदेखी की।

अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

- हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल हुए।
- भारतीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरी उजागर हुई जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए किस्म की चिंताएं पैदा हुईं।
- विदेशी यात्रियों और एयरलाइनों के बीच भारतीय घरेलू बाजार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने की आशंका भी पैदा हुई।

बेनिन में सैनिक विद्रोह, तख्तापलट करने की कोशिश विफल, गोलीबारी

सरकारी टीवी पर राष्ट्रपति को हटाने का एलान, सशस्त्र बलों ने पाया नियंत्रण

कॉन्टोनू, एजेंसी

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। सैनिकों के एक समूह ने इससे पहले विद्रोह शुरू करते हुए सरकारी टीवी पर आकर राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को बर्खास्त करने का एलान किया। इस बीच राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी भी हुई लेकिन बाद में गृहमंत्री ने घोषणा की कि तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है।

गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, बेनिनी के सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे और इस स्थिति का सामना किया। उन्होंने तख्तापलट की कोशिशों को विफल कर दिया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट होते रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है।

इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरकारी टीवी पर तख्तापलट का एलान करते बेनिन की सेना के अधिकारी।

आजादी मिलने के बाद कई बार हो चुके हैं तख्तापलट

वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की ही पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। देश में तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। इस घटना के बाद से बेनिन में राजनीतिक उथलपुथल बढ़ने लगी थी। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी। इससे राजनीतिक उथलपुथल ने और जोर पकड़ा। इसी के बाद नतीजा अचानक तख्तापलट की कोशिशों के रूप में सामने आया।

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय और अफ्रीकी संघ, इस घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति टैलोन अगले साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। इस घटना से बेनिन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रपति आवास पर तड़के हमला, राष्ट्रीय चैनल पर किया कब्जा

तख्तापलट के प्रयास की शुरुआत राजधानी पोर्टो-नोवो में राष्ट्रपति तालोन के आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से हुई। इसके तुरंत बाद, खुद को 'पुनर्निर्माण के लिए सैन्य समिति' कहने वाले सैनिकों ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति तालोन को सत्ता से बेदखल करने की घोषणा कर दी। साल 2016 से सत्ता में शीर्ष पर रहे राष्ट्रपति तालोन के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे देश के शासक की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम बना हुआ है। हालांकि, इन्हीं खबरों के बीच राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन के कार्यालय की ओर से एक बयान में रविवार को दावा किया गया कि वे सुरक्षित हैं और सरकारी बलों ने स्थिति पर काबू पाने के साथ तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। बेनिन के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में तख्तापलट का प्रयास किया गया था लेकिन सेना की मदद से इसे नाकाम कर दिया गया। इस बीच, राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि राष्ट्रपति आवास के पास स्थित 'कैंप गेज़ो' में गोलीबारी हुई है। पूरे दिन स्थिति साफ नहीं हो सकी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से इस स्थिति पर चिंता जताई गई है।

शंघाई में अत्याधुनिक भवन में पहुंचा भारत का वाणिज्य दूतावास

बीजिंग। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है।

शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया। यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास 8 दिसंबर को नए परिसर से काम शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों को निशाने पर लिया, तनाव और बढ़ा

टोक्यो, एजेंसी

- जापान ने चीन के समक्ष जताया विरोध, खतरनाक कृत्य बताया

चीनी विमानवाहक पोत लिया ओनिंग से उड़ान भरने वाले सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, इस पर जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और गहराता दिखने लगा है।

रडार लॉक का मतलब है कि किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया है और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

अमूर्त विरासत संस्कृति की सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

लाल किला परिसर में यूनेस्को की बैठक में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा।

दिल्ली में यूनेस्को की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर।

यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

शांति वार्ता के बीच रूस ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर भी किया कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके त्सेन्ट्र बैटलग्रुप ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर कब्जा कर लिया है। यह समूह दिमित्रोव में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रहा है और डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक में ग्रिशिनो क्षेत्र को सैनिकों से मुक्त करा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि त्सेन्ट्र बैटलग्रुप की इकाइयों ने 'डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक की रोवनोये बस्ती को आजाद कराने का काम पूरा कर लिया है। रूसी सेना ने इस क्षेत्र के एक और गांव को घेर लिया है। बैटलग्रुप ने दावा किया है कि शनिवार को विभिन्न मोर्चों पर उसके अभियान में 480 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गए हैं। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता तेज हो गई है, जिसमें मियामी में यूक्रेन-अमेरिका के बीच विस्तृत बातचीत भी शामिल है।

रूसी हमलों में एक की मौत: रविवार रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है।

बंकरों-चौकियों के निर्माण में सेना ने शुरू किया थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

गंगटोक, एजेंसी

- भूभाग डिजाइन ,उन्नत छलावरण जरूरतों के अनुरूप है ये तकनीक

भारतीय सेना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम इलाकों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए 'ऑन-साइट थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह क्षमता पहले ही अन्य अभियानगत क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है और अब सिक्किम के 'त्रिशक्ति कोर' ने इसका प्रभावी उपयोग शुरू किया है। बयान में कहा गया, स्वदेशी 'रोबोटिक थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटर' रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से लैस है। इसे वाहनों से पहाड़ी इलाकों में तीव्र गति से लाया-ले जाया जा सकता है।

बयान में कहा गया है कि थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग अनुकूलित डिजाइन, विस्फोट और बैलिस्टिक प्रतिरोध में वृद्धि, अधिक दाब-सहनशीलता, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण, स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग और सामरिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा के भीतर तेज निर्माण सहित कई परिचालन लाभ प्रदान करती है। यह भू-भाग-विशिष्ट डिजाइन और उन्नत छलावरण आवश्यकताओं के भी अनुरूप है।

कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में तेज, टिकाऊ और मिशन-केंद्रित आधारभूत संरचना विकसित करने में सक्षम 'ऑन-साइट 3डी प्रिंटिंग' का निरंतर उपयोग सेना की इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 16.03 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

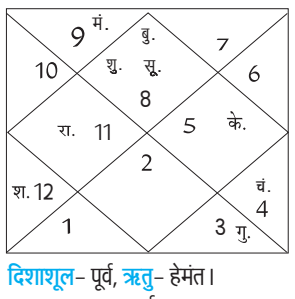

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 09 दिसंबर 02.52 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें।

वृष — आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मिथुन — आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

कर्क — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

सिंह — आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या — आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है।

तुला — आज सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। रुचि पूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। दोस्तों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक व्यर्थ करेंगे।

धनु — आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है।

मकर — आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं।

मीन — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट व मधुर होंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

सुडोकू-184

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3	4				
4			1					
				9				
2								
				2				
	1							
		5	8					

सुडोकू - 183 का हल

1	9	2	3	7	4	5	6	8
7	8	4	6	2	5	1	9	3
5	6	3	1	8	9	7	4	2
4	7	1	2	6	8	9	3	5
8	2	9	7	5	3	4	1	6
3	5	6	4	9	1	2	8	7
9	4	5	8	3	7	6	2	1
2	3	7	9	1	6	8	5	4
6	1	8	5	4	2	3	7	9

जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना इंग्लैंड को भारी पड़ा। टीम के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सीरीज के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है।

–ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

● निजता बनाए रखने की अपील की, 23 नवंबर को होनी थी शादी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुच्छल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुच्छल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं। मंधाना की 23 नवंबर को मुच्छल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतर्राष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है मैं लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी।

मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है : मुच्छल

मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुच्छल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुच्छल ने कहा मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें।

हाईलाइट

निशानेबाजी विश्व कप में सिमरनप्रीत ने जीता स्वर्ण पदक

दोहा : युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया।

टेनिस से संन्यास लेंगी सोराना सिर्स्टिया

बुखारेस्ट (रोमानिया) : रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्लयूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं। लेकिन जिंदगी में हर चीज की तरह, इसका भी अंत होना है।

सारस्वत ने जीता पहला सुपर 100 खिताब

गुवाहाटी : राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला। हालांकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह उप विजेता रहीं।

मेहंदी की रस्म के दौरान की तस्वीर। फाइल फोटो

युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन अविश्वसनीय

मुख्य कोच गौतम गंभीर बोले- सीनियर खिलाड़ियों के अलावा अन्य की भी प्रशंसा जरूरी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

टी-20 क्रिकेट मैच से पहले भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचे कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया।

गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा इस श्रृंखला में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम : भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, 'डीआरएस लेने में गलत रहता हूं'

विशाखापत्तनम : बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी। पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है। उन्होंने कहा एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।

बिस्बेन टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट में भी शानदार जीत

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ब्रिस्बेन टेस्ट

● एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे। गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए। इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है। स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी।

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं: स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा। मैच के बाद स्टोक्स ने कहा कि हम मैच में दबाव का सामना नहीं कर पाये। इंग्लैंड को सीरीज में बने रहे के लिए और अधिक संघर्ष करना होगा।

मेसी ने इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

ट्रॉफी के साथ इंटर मियामी की टीम। एजेंसी

● थॉमस मुलर के साथ प्रतिद्वंद्विता में लियोनेल ने बाजी मारी

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेसी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है, लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेसी ने मैच के बाद कहा तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं।

साक्षात्कार

एफआईएच अध्यक्ष बोले- ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं

भारत सरकार का फोकस खेलों पर : तैयब इकराम

चेन्नई, एजेंसी

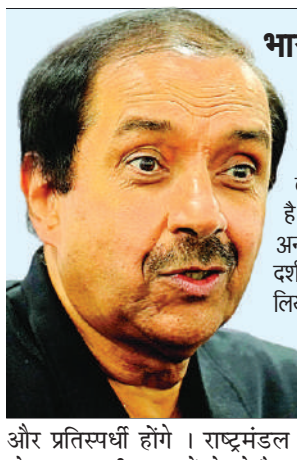

भारत हॉकी का घर, यहां लोग खेलों से करते हैं प्यार

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं। उन्होंने कहा भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है। हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया। उन्होंने कहा यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है।

भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है। भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा, '' हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है।

उन्होंने कहा इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी। हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरूष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरूष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है।

इकराम ने कहा यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है। यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी, खिलाड़ी और नायक निकल सके। यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।

अर्जेंटीना पर रोमांचक जीत से स्पेन पहली बार फाइनल में

जूनियर हॉकी विश्व कप

चेन्नई, एजेंसी

अर्जेंटीना के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते स्पेन के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन ने रविवार को यहां एक कड़े मुकाबले में दो बार के चैंपियन अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर पहली बार एफआईएच जूनियर विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

स्पेन ने मैच की शुरुआत में ही दबदबा बनाते होते हुए पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और मारियो मेना ने रिबाउंड पर गोल करके बढ़त बना ली। एक मिनट बाद अर्जेंटीना को भी अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए। स्पेन ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और 17वें मिनट में एक शॉर्ट कॉर्नर हासिल किया जिसे अर्जेंटीना के गोलकीपर जोकिन एस रुइज ने शानदार तरीके से बचा लिया। अर्जेंटीना ने आखिरकार 21वें मिनट में पेनल्टी पर जुआन फर्नांडीज के गोल से बराबरी कर ली। स्पेन ने 56वें मिनट में अल्बर्ट सेराहिमा के गोल से मैच जीत लिया। वहीं, बेल्जियम ने पिछले चरण की उप विजेता टीम फ्रांस को 3-2 से हराकर पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में जगह बनाई। बेल्जियम के लिए मैथिस लॉवर्स, मैक्सिमिलियन लैंगर और ह्यूगो लाबुचेरे ने गोल किए।

जर्मनी से नहीं जीत पाई भारतीय टीम

भारतीय हॉकी टीम जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल में जर्मनी से 1-5 से हार गई। कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से मुकाबला होगा।